हिंदी दिवस पर विशेष

हरिभूमि

हिंदी दिवस आज

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 14 सितंबर 2025

हिंदी केवल भारतीय की भाषा नहीं है बल्कि विश्व में तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है और एक प्रकार से हिंदी के इस वैश्विक स्वरूप की वजह कई हिंदी भाषी और गैर हिंदी भाषियों द्वारा हिंदी के प्रति अथाह प्रेम और आस्था है। हिंदी के इसी वैश्विक स्वरूप के कारण विदेशों के बड़े बड़े विवि में हिंदी पढ़ाई जाती है और यह कार्य केवल एनआरआई के द्वारा ही नहीं होता बल्कि कई विदेशी भी हिंदी पढ़ाने का काम करते हैं और एक प्रकार से यह लोग विश्वस्तर पर हिंदी की पताका फहराने का काम कर रहे हैं। सीनियर रिपोर्टर *मधुरिमा राजपाल* की रिपोर्ट

1 रीता कौशल, ऑस्ट्रेलिया

विदेश में बसने के बाद हिंदी के प्रति मेरी लगन और बढ़ी

ऑस्ट्रेलिया निवासी रीता कौशल, जिन्हें मप्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय निर्मल वर्मा सम्मान 2024 प्रदान किया जाएगा। परदेसिया, अरुणिमा (उपन्यास), रजकुसुम, रंग-बिरंगी बाल कहानियां (कहानी संग्रह) और चंद्रकांक्षा (काव्य संग्रह), इक्कीसश्रेष्ठ बालमन की कहानियां जैसी करीब दो दर्जन से अधिक पुस्तकें लिख चुकीं रीता ने कहा कि मैं बचपन से ही हिंदी के माहौल में पली बढ़ी हूं।

2 इंदिरा गाजिएवा, रूस

मेरे विदेशी छात्रों को भारतीय संस्कृति व साहित्य से खूब प्रेम

उजबेकिस्तान के ताशकन्द में जन्म लेने वाली और ताशकन्द विश्वविद्यालय में हिंदी भाषा सीखने वाली इंदिरा ने कहा कि मैंने रूस के मास्को विवि में हिंदी में पीएचडी की तथा संस्कृत भी सीखी। इससे पता चलता है कि विदेशों में भी भारतीय भाषा के प्रति कितना प्रेम है। हिंदी सीखकर मुझे लगा कि यही मेरे जीवन का आधार है और मेरे जीवन की धुरी इसी पर आधारित है ।

3 पद्मा जोसेफिन वीरसिंघे, श्रीलंका

2 हजार से अधिक श्रीलंकन लोगों को मैंने सिखाई हिंदी

श्रीलंका निवासी, मूल रुप से श्रीलंकन पद्मा जोसेफिन तीन दशकों से हिंदी के प्रचार-प्रसार और सांस्कृतिक चेतना के विस्तार में समर्पित हैं। पद्मा ने करीब दो हजार से अधिक विद्यार्थियों को हिंदी सिखाई है। उनको मप्र सरकार राष्ट्रीय फादर कामिल बुल्के सम्मान वर्ष 2025 से नवाजेगी। पद्मा ने कहा कि मुझे बचपन से ही हिंदी फिल्मी गीत बेहद पसंद थे।

4 वंदना मुकेश, इंग्लैंड

हिंदी में 250 पुस्तकें लिखीं, लंदन में आयोजित किए कई हिंदी पखवाड़े

मेरा जन्म भोपाल में हुआ और इसके बाद मैंने हिंदी और इंग्लिश में एमए किया लेकिन फिर आगे चलकर हिंदी में ही पीएचडी की और फिर 2002 से इंग्लैंड में शिफ्ट हो गई हू और यहां मे इंग्लिश के लेक्चर लेने के साथ साथ हिंदी भी सिखाती हू, लेकिन हिंदी मैं निशुल्क सिखाती हू इंग्लैंड शिफ्ट होने के बाद मुझे हिंदी की अहमियत पता चली। मेरी करीब 250 पुस्तकें हिंदी लेख, कहानियों, कविताओं की प्रकाशित हुईं।

Ninh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल टेस्ट
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

यूजीसी नेट परीक्षा का सर्टिफिकेट जारी

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने जून 2025 यूजीसी नेट परीक्षा का सर्टिफिकेट जारी कर दिया है। ऐसे में अब सभी सफल उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर डाउनलोड कर सकते हैं। सर्टिफिकेट को डाउनलोड करने के लिए अपना एप्लिकेशन नंबर, जन्म तिथि और सिक्योरिटी पिन डालकर लॉग इन करना होगा।

एम्स स्वास्थ्य मोबाइल एप की सुविधा शुरू

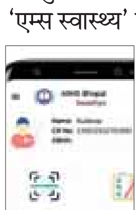

भोपाल। एम्स भोपाल ने मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 'एम्स स्वास्थ्य' मोबाइल एप सुविधाएं शुरू की हैं। पुराने एप में समस्याओं को देखते हुए, उसे बंद कर दिया गया है। यह नया अपग्रेडेड एप को लांच किया गया। जिसके जरिए अस्पताल में लंबी लाइनों से छुटकारा दिलाकर मरीजों को सुविधा मिलेगी।

इंस्टाग्राम रील बना भारत में नंबर वन

नई दिल्ली। भारत में शॉर्ट वीडियो कंटेंट की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और अब मेटा ने दावा किया है कि इंस्टाग्राम रील इस श्रेणी में सबसे आगे निकल चुका है। एक ताजा स्टडी के मुताबिक, रील्स ने यू-ट्यूब, टीवी और अन्य सभी प्लेटफॉर्म को पीछे छोड़ दिया है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है जब रील्स ने भारत में अपने पांच साल पूरे कर लिए हैं।

भारी बारिश के बीच सड़क मार्ग से की पीएम ने 65 किमी की यात्रा करीब डेढ़ घंटे में मणिपुर के लोगों के बीच पहुंचे

पीएम मोदी ने कहा-शांति के रास्ते पर आगे बढ़कर अपने सपने पूरे करें, मैं साथ हूं, भारत सरकार आपके साथ है

अपील की-मणिपुर को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाएं

मणिपुर के नाम में मणि, जो भविष्य में पूरे नॉर्थ-ईस्ट की चमक को बढ़ाएगी

पीएम का पहला पड़ाव चुराचांदपुर का पीस ग्राउंड था, जहां कुकी-जो समुदाय के लोग रहते हैं। बाद में वे कांगला किला गए, जो मैतेई समुदाय के लिए सांस्कृतिक और राजनीतिक महत्व रखता है

मणिपुर आशा और आकांक्षाओं की धरती

एजेंसी ⏭ इंफाल

भारी बारिश के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर की राजधानी इंफाल पहुंचे। यह उनकी पहली यात्रा थी जब से मई 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़की थी। प्रधानमंत्री ने चुराचांदपुर और इंफाल जाकर लोगों से मुलाकात की और भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार मणिपुर को फिर से सामान्य जीवन की ओर ले जाने के लिए पूरी कोशिश कर रही है।

मणिपुर में मई 2023 में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। इस हिंसा में अब तक 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 60 हजार लोग अपने घर छोड़कर सरकार द्वारा बनाए गए राहत शिविरों में रह रहे हैं।

मणिपुर में 7000 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

पूर्वोत्तर में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने पर जोर दिया

बारिश के बीच निकलता पीएम का काफिला

और क्या कहा पीएम ने?

मणिपुर में आशा और विश्वास का एक नया सवेरा उग रहा

पीएम ने कहा कि मैं राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित लोगों से मिला। उनसे मिलने के बाद मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास का एक नया सवेरा उग रहा है। मैं आपसे वादा करता हूं कि मैं मणिपुर के लोगों के साथ हूं। किसी भी जगह विकास की जड़ें जमाने के लिए शांति आवश्यक है। पिछले ग्यारह वर्षों में, पूर्वोत्तर में कई संघर्ष और विवाद सुलझ गए हैं। लोगों ने शांति का मार्ग चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है।

रेल व सड़क परियोजनाओं के बजट में कई गुना वृद्धि की

पीएम ने कहा कि मणिपुर की सीमा अन्य देशों से लगती है और यहां कनेक्टिविटी हमेशा से एक चुनौती रही है। मैं समझता हूं कि खराब कनेक्टिविटी के कारण आपको किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। भारत सरकार ने दो स्तरों पर काम किया है। पहला, हमने रेल और सड़क परियोजनाओं के लिए बजट में कई गुना वृद्धि की है।

सैकड़ों गांवों में यहां रोड कनेक्टिविटी पहुंचाई गई

पीएम ने कहा कि पहले यहां गांवों में पहुंचना कितना मुश्किल था, आप सभी जानते हैं। अब सैकड़ों गांवों में यहां रोड कनेक्टिविटी पहुंचाई गई है। इसका बहुत अधिक लाभ पहाड़ी लोगों को, ट्राइबल गांवों को हुआ है। हमारी सरकार के दौरान ही मणिपुर में रेल कनेक्टिविटी का विस्तार हो रहा है। जीरीबाम-इंफाल रेलवे लाइन बहुत जल्द राजधानी इंफाल को नेशनल रेल नेटवर्क से जोड़ देगी। आज हमारा चुराचांदपुर, हमारा मणिपुर, देश के बाकी हिस्सों के साथ मिलकर प्रगति कर रहा है। जैसे हमने देश भर के गरीबों के लिए पक्के मकान बनाने की घोषणा की, मणिपुर को भी इसका लाभ मिला है। यहां लगभग 60,000 घर पहले ही बन चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों को सम्मान और सुरक्षा का जीवन मिल रहा है।

ओबीसी आरक्षण पर दो घंटे तक बैठक

वकीलों ने कहा कि 13 फीसदी होल्ड पद अनहोल्ड क्यों नहीं?

महाधिवक्ता प्रशांत सिंह की मौजूदगी में बुलाई गई बैठक | अनहोल्ड किए जाने पर सभी वकीलों से मांगे सुझाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को लेकर भोपाल में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह की मौजूदगी में बुलाई गई बैठक में 13 प्रतिशत पदों को होल्ड किए जाने का मामला सबसे अधिक उठा।

इस मामले में महाधिवक्ता ओबीसी महासभा और 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर रहे याचिकाकर्ताओं के वकीलों को संतुष्ट नहीं कर सके। महाधिवक्ता ने कहा कि ऐसा होने पर दूसरे पक्ष के लोग कोर्ट चले जाएंगे और पूरा मामला फिर लटक जाएगा। हालांकि, पूरी बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा साफ है।

महाधिवक्ता ने सबको साधने का दिया है आश्वासन

बैठक में शामिल अधिवक्ताओं ने बताया कि सबकी बात सुनने के बाद महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा है कि सरकार सही फैसला करेगी। उन्होंने कहा कि इस बात के लिए सभी सहमति दें कि सुप्रीम कोर्ट में सभी सरकार के साथ ओबीसी आरक्षण पर पक्ष रखेंगे क्योंकि सरकार 27 प्रतिशत आरक्षण देना चाहती है। इसके लिए बैठक में शामिल अधिवक्ताओं और प्रतिनिधियों से हाथ उठवाकर सहमति ली गई।

13 प्रतिशत पद अनहोल्ड करने मांगा सुझाव

बैठक में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने 13 प्रतिशत पद अनहोल्ड किए जाने को लेकर सभी अधिवक्ताओं से लिखित में सुझाव मांगे हैं, ताकि बाकी लोग कोर्ट न जा सकें और कोर्ट जाएं तो सरकार उस पर अपना पक्ष मजबूती से रख सके। इसके आधार पर वे मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा। अधिवक्ताओं ने कहा है कि 52 प्रतिशत ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए वे जल्दी ही महाधिवक्ता को ड्राफ्ट बनाकर सुझाव भी देंगे। संभव है इसको लेकर अभी एक और मीटिंग महाधिवक्ता बुलाएंगे।

शहडोल का मेडिकल कॉलेज बना जंग का अखाड़ा

बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया और कपड़े फाड़ दिए

लेबर रूम में महिला डॉक्टरों के बीच जमकर हुई मारपीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ शहडोल

बिरसा मुंडा शासकीय मेडिकल कॉलेज में एक बार फिर डॉक्टरों की फूहड़ता सामने आई है। शुक्रवार की रात में यहां के लेबर रूम में इंटर्न महिला डॉक्टरों ने हंगामा किया।

मरीजों के सामने डॉक्टर आपस भिड़ गए और एक दूसरे के साथ मारपीट करने लगे। जहां डाक्टर लड़ रहे थे वहां गर्भवती महिलाओं का वार्ड है। डॉक्टरों की हंगामेदार लड़ाई से वहां भर्ती महिलाएं डर गई थीं। जानकारी के अनुसार एक महिला डॉक्टर शिवानी लाखिया ने लिखित शिकायत में आरोप लगाया कि उसकी सहपाठी इंटर्न डॉक्टर ने उसके बाल पकड़कर उसे जमीन पर पटक दिया और कपड़े फाड़ दिए। जान से मारने की धमकी भी दी है।

जांच कमेटी बना दी गई है

मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों का विवाद हुआ। जांच कमेटी बना दी गई है और विवाद करने वाले डॉक्टरों के अभिभावकों भी बुलाया गया है। लड़ने वाले डॉक्टर बाहर के हैं। सोमवार तक जांच रिपोर्ट आ जाएगी और अभिभावक भी आ जाएंगे। लापरवाही हुई है कार्रवाई होगी। डीन अभी बाहर हैं। वे भी सोमवार को आ जाएंगे और कार्रवाई होगी।

डॉ.नागेंद्र सिंह, अधीक्षक, मेडिकल कालेज, शहडोल

7.1 की तीव्रता से हिली धरती, सुनामी की वार्निंग

यह वही क्षेत्र जहां पहले 8.8 का आया था भूकंप

रूस में भूकंप के फिर जबरदस्त झटके

मास्को। रूस के कमचटका प्रायद्वीप के पूर्वी तट के पास शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इस क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर 7.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया है। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि भूकंप की गहराई लगभग 10 किलोमीटर थी। वहीं, अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने इसकी तीव्रता 7.4 और गहराई 39.5 किलोमीटर दर्ज की है। पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने चेतावनी दी है कि यह भूकंप सुनामी की लहरें पैदा कर सकता है। बता दें कि यह वही इलाका है जहां जुलाई में 8.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था, जिसके चलते प्रशांत महासागर के कई देशों में सुनामी अलर्ट जारी किया गया था।

काशी में बोले बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री

चोर, उचक्के और हत्यारे बन सकते हैं नेता तो भगवाधारी भला क्यों नहीं ?

एजेंसी ⏭ वाराणसी

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री काशी पहुंचे। शनिवार को उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उनके साथ संतोष दास सतुआ बाबा उपस्थित रहे। दर्शन के बाद वे सतुआ बाबा आश्रम पहुंचे। इस दौरान पत्रकारों के कुछ सवालों पर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने खुलकर अपने विचार व्यक्त किए। नेपाल में अशांति से लेकर बांग्लादेश में नरसंहार व सनातन धर्म पर कई बड़े बयान दे डाले। कहा कि भारत को नेपाल और बांग्लादेश की घटनाओं से सबक लेना चाहिए। भारत में हिंदू एकता का कार्य बहुत जरूरी है। भारत को घोषित रूप से हिन्दू राष्ट्र बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि मैं 7 नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा कर रहा हूं ताकि भारत हिंदू राष्ट्र बने। विश्व में शांति के लिए हिंदू राष्ट्र ही एकमात्र रास्ता है। हिंदुत्व मानवता की एक विचारधारा है।

- हिंदू राष्ट्र बनाने 7 से 16 नवंबर तक पदयात्रा करूंगा

सर्दी की आहट अक्टूबर के पहले हफ्ते में, लेकिन अभी जारी

दो दिन से बारिश में कमी के साथ पारा तेजी से बढ़ा, छिंदवाड़ा में 5 डिग्री से अधिक बढ़ोतरी

राजस्थान से मानसून की विदाई कल से, प्रदेश में 30 सितंबर से उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दक्षिण पश्चिमी मानसून की अब विदाई का काउंटडाउन शुरू हो गया है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार 15 सितंबर के आसपास से पश्चिमी राजस्थान सहित कुछ हिस्से से मानसून की वापसी शुरू हो रही है।

मध्य प्रदेश में अभी बारिश का दौर जारी रहेगी। लेकिन 30 सितंबर तक मप्र में भी मानसून की वापसी होने की उम्मीद है। इसके साथ ही रात के तापमान में तेजी से कमी आएगी। प्रदेश में हल्की सर्दी की शुरूआत अक्टूबर के पहले हफ्ते से ही हो सकती है। अभी दिन में धूप के असर से उमस और हल्की गर्मी रहेगी। सोमवार तक कई हिस्सों में अभी मध्यम बारिश होगी।

अभी प्रदेश के आसपास सिस्टम

वीआईपी रोड शाम 6:30 बजे

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार अभी लो प्रेशर एरिया पश्चिमी और उत्तर पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में सक्रिय है। इससे जुड़ा सकुर्लेशन सोमवार तक दक्षिणी ओड़िशा और उससे सटे उत्तरी आंध्रप्रदेश और दक्षिणी छत्तीसगढ़ से होते पश्चिम उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ेगा। इसका हल्का असर प्रदेश में भी होगा।

आज से कल तक यहां तेज बारिश

रविवार से सोमवार तक डिंडोरी, छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट जिलों में कुछ जगह तेज बारिश का अलर्ट है। भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, सिंगरौली, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, जबलपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, पांढुर्णा में मध्यम से हल्की बारिश होगी।

पीएम मोदी की मां की एआई फोटो पर घिरी कांग्रेस

दिवंगत मां के मीम्स बना रही, वह और कितना गिरेगी?

एजेंसी ▶▶ पटना/नई दिल्ली

भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने शुक्रवार को कांग्रेस पर उसकी बिहार इकाई द्वारा सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां को चित्रित करने वाले एआई वीडियो पोस्ट करने पर निशाना साधा।

भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने इसे शर्मनाक करार देते हुए आश्चर्य जताया कि मोदी पर निशाना साधने के लिए कांग्रेस किस हद तक गिर सकती है? प्रधानमंत्री पर निशाना साधने के लिए बिहार कांग्रेस ने बुधवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें हिंदी में लिखा था, 'साहब के सपनों में आई मां।' इस वीडियो में मोदी की मां उनकी राजनीति की आलोचना करती दिखाई दे रही हैं।

भाजपा ने बताया शर्मनाक कृत्य

पूरे देश में मुद्दा बनाएंगे : रविशंकर

वरिष्ठ भाजपा नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि क्या कांग्रेस पार्टी इस स्तर तक गिर गई है? प्रधानमंत्री की दिवंगत मां के मीम्स बना रही है, वह भी इतने घटिया स्तर का। कांग्रेस और कितना नीचे गिरेगी?' रविशंकर ने सोशल मीडिया पर ऐसा वीडियो साझा करने के लिए कांग्रेस की निंदा की और पार्टी नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जवाब मांगा। प्रसाद ने आरोप लगाया कि यह शर्मनाक है। हम इसे पूरे देश में एक बड़ा मुद्दा बनाएंगे।

बिहार कांग्रेस वाले वीडियो पर बवाल...भाजपा, जेडीयू और चिराग का हमला

पीएम मोदी को गाली गलती नहीं बल्कि रणनीति

एनडीए की लहर देख कांग्रेस हताश

भाजपा के सहयोगी दल जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य संजय झा ने मोदी की दिवंगत मां से जुड़े एआई-जनरेटेड वीडियो पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि इस तरह का वीडियो साझा करना बेहद नीच हरकत है। कांग्रेस ने यह साफ कर दिया है कि दरभंगा में मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली देना कोई गलती नहीं, बल्कि सोची-समझी रणनीति थी।

झा ने कहा कि यह सिर्फ एक मां का नहीं, बल्कि हर मां और महिला का अपमान है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए लिखा कि बिहार में एनडी की प्रचंड लहर देखकर कांग्रेस के नेता हताश हो चुके हैं और अब खबरों में बने रहने के लिए प्रधानमंत्री और उनकी मां पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना ही उनका हथियार बन गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि बिहार की जनता इस तरह की हरकतों का करारा जवाब देगी और आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस मुक्त बिहार तय है।

ऐसा अपमान बेहद निंदनीय और दुखद : चिराग पासवान

केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी की मां का अपमान करने का आरोप लगाया। चिराग ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कांग्रेस अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही है। प्रधानमंत्री की दिवंगत मां का लगातार अपमान बेहद निंदनीय और दुखद है। राजनीति में मतभेद होना चाहिए, लेकिन एक मां का अपमान बिल्कुल असहनीय है।

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष की सफाई

किसी पर कटाक्ष नहीं किया गया

बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने भी इस मुद्दे पर सफाई दी और कहा कि यह वीडियो केवल मां और बेटे के रिश्ते को दर्शाता है, इसमें किसी खास व्यक्ति पर कटाक्ष नहीं किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मुताबिक वीडियो में कहीं भी किसी नाम का जिक्र नहीं है, बल्कि यह एक मां को अपने बेटे को सिखाते हुए दिखाता है। उन्होंने कहा कि पूरा वीडियो देखने पर इसका असली संदेश समझ में आता है, इसलिए अधूरा देख कर निष्कर्ष निकालना गलत होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसी तरह की भाषाई हिंसा में विश्वास नहीं करती। उन्होंने यह भी कहा कि तकनीक के इस युग में एआई का इस्तेमाल

कोई अनादर नहीं किया गया: खेड़ा

कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री या उनकी मां का कोई अनादर नहीं किया गया। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सवालिया लहजे में कहा कि 'उनकी आपत्ति क्या है? सिर्फ इसलिए कि एक मां अपने बेटे को कुछ सही करने के लिए शिक्षित करने की कोशिश कर रही है। इसमें कहां से अनादर है?

खबर संक्षेप

राजा हत्याकांड में सोनम ने मांगी जमानत

नई दिल्ली। मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की आरोपी सोनम रघुवंशी ने

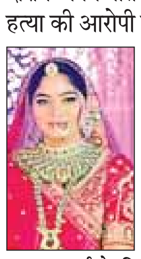

जमानत याचिका दायर की है। सोहरा उप-मंडल के प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट ने उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए 17 सितंबर की तारीख तय की है। याचिका शुक्रवार को दायर की गई थी, लेकिन अभियोजन पक्ष ने रिकॉर्ड की जांच के लिए समय मांगा।

बच्ची के ऊपर से गुजरी वैन और बच गई जान

सूरत। शहर के जहांगीरपुरा इलाके में एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां 3 साल की

एक बच्ची अचानक स्कूल वैन के आगे आ गई। इसी दौरान वैन चल पड़ी, जिससे वैन के आगे ओर पीछे के पहिए बच्ची के ऊपर से गुजर गए। इस घटना में बच्ची बाल-बाल बच गई और उसे मामूली चोट आई है। घटना का वीडियो अब सामने आया है।

फूड पॉइजनिंग से स्कूल में 100 बच्चे बीमार

दौसा। राजस्थान के दौसा जिले में शनिवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चूड़ियावास में

पोषाहार खाने के बाद करीब 100 बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। बच्चों को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत होने लगी, जिससे स्कूल प्रशासन और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर शिक्षा विभाग और पुलिस अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे।

13वीं मंजिल से कूद मां बेटे ने किया सुसाइड

ग्रेटर नोएडा। यहां के वेस्ट स्थित ऐस सिटी सोसाइटी से शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाली

घटना सामने आई। यहां 13वीं मंजिल से कूदकर मां और बेटे ने अपनी जान दे दी। घटना में 37 वर्षीय साक्षी चावला और उनका 11 वर्षीय बेटा दक्ष चावला की मौके पर ही मौत हो गई। मां-बेटे का शव सोसाइटी के नीचे खून से लथपथ पड़ा देख लोगों के होश उड़ गए।

महाजन ने मनसे प्रवक्ता पद से दिया इस्तीफा

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रवक्ता प्रकाश महाजन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने

कहा कि उन्हें पार्टी में नजरअंदाज किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता दिवंगत प्रमोद महाजन के भाई प्रकाश महाजन ने एक वीडियो संदेश में अपने फैसले की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पार्टी में उनके काम के लिए उन्हें कभी प्रशंसा नहीं मिली।

पीएम मोदी ने कई विकास परियोजनाओं का वर्चुअली किया शिलान्यास-उद्घाटन

3 ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

जटिलता के बावजूद मिजोरम पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़ा

बड़ी चुनौतीपूर्ण पहाड़ी क्षेत्र में बना डाली रेलवे कनेक्टिविटी

एजेंसी ▶▶ आइजोल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शनिवार को मिज़ोरम में 9,000 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे परियोजना और तीन नई ट्रेनों का भी उद्घाटन किया। मिजोरम के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि यह भारत के रेलवे मानचित्र में शामिल हो गया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने तीन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बैराबी-सैरांग नई रेल लाइन 8,070 करोड़ से अधिक की लागत से बनकर तैयार हुई है। यह केंद्र सरकार की विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाती है। यह रेल लाइन एक चुनौतीपूर्ण पहाड़ी क्षेत्र में बनी है। इसके लिए जटिल भौगोलिक स्थितियों के तहत 45 सुरंगें बनाई गई हैं। इसमें 55 बड़े पुल और 88 छोटे पुल भी शामिल हैं।

51.38 किमी लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे परियोजना समर्पित

45 सुरंगें, 55 बड़े पुल और 88 छोटे पुल बनाए गए

पहली बार सैरांग दिल्ली से सीधे जुड़ा

पीएम ने यह भी कहा कि पहली बार मिजोरम का सैरांग राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सीधे जुड़ेगा। यह सिर्फ एक रेलवे नहीं है, बल्कि परिवर्तन की जीवनरेखा है। यह मिजोरम के लोगों के जीवन और आजीविका में क्रांति लाएगी। मिजोरम के किसान और व्यवसाय देश भर के ज्यादा बाजारों तक पहुंच पाएंगे। लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के बेहतर अवसर भी मिलेंगे। कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

एयरपोर्ट पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े

पीएम मोदी शनिवार को कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। वेमिजोरम के लिए निकले थे। हालांकि दुर्भाग्य से खराब मौसम के कारण वे आइजोल नहीं पहुंच पाए। इसके बाद मिजोरम एयरपोर्ट पर ही उन्होंने वर्चुअली कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

मिजोरम भारत के विकास में काफी अहम

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मिजोरम भारत की विकास यात्रा में अहम रहा है। यह राष्ट्र के लिए, विशेषकर मिजोरम के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। मुझे आइजोल रेलवे लाइन की आधारशिला रखने का अवसर मिला था और आज समर्पित करते गर्व हो रहा।

अब से आइजोल रेलवे मानचित्र पर होगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं यहां मिजोरम के लेंगपुई हवाई अड्डे पर हूं। खराब मौसम के कारण मुझे खेद है कि मैं आइजोल में आपके साथ शामिल नहीं हो पा रहा हूं। उन्होंने कहा कि चाहे स्वतंत्रता आंदोलन हो या राष्ट्र निर्माण, मिजोरम के लोग हमेशा योगदान को आगे आए हैं। आज यह रेलवे मानचित्र पर जुड़ गया।

कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होंगे

उन्होंने कहा कि यह मिजोरम के लोगों के जीवन और आजीविका में क्रांति लाएगी। मिजोरम के किसान और व्यवसाय देश भर के ज्यादा बाजारों तक पहुंच पाएंगे। लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के बेहतर अवसर भी मिलेंगे। इस विकास से कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

पीएम के मणिपुर दौरे पर भड़की कांग्रेस

पीएम को बहुत पहले ही जाना चाहिए था

वायनाड। पीएम मोदी शनिवार को मणिपुर पहुंचे। 2023 में मैतेई और कुकी जनजाति के बीच हिंसा भड़कने के बाद पीएम मोदी का यह पहला मणिपुर दौरा है। पीएम के दौरे को लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने तीखी आलोचना की है। उन्होंने केरल के वायनाड में पत्रकारों से कहा कि मुझे खुशी है कि उन्होंने दो साल बाद यह फैसला किया है कि यह दौरा उनके लिए फायदेमंद होगा। उन्हें बहुत पहले ही यहां आ जाना चाहिए था।

देरी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण: प्रियंका

प्रधानमंत्री की देरी को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि उन्होंने इतने लंबे समय तक वहां जो कुछ हो रहा था, उसे होने दिया, इतने लोगों को मरने दिया और इतने लोगों को इतनी कठिनाइयों से गुजरने दिया, उसके बाद ही उन्होंने वहां जाने का फैसला किया। इसलिए, वह दो साल बाद इसे पूरा कर रहे हैं, मुझे लगता है कि उन्हें पहले ही इस बारे में सोचना चाहिए था।

केंद्र सरकार हिमाचल आपदा पर गंभीर

जिलों का दौरा कर पीएम को सौंपेंगे रिपोर्ट

हिमाचल भेजे 7 मंत्री, चंबा मंडी, कुल्लू का लेंगे जायजा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया है । एनडीआरएफ सहित सरकार की सभी एजेंसियां एवं भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता इस समय राहत एवं पुनर्वास कार्यों में पूरी निष्ठा से लगे हुए हैं। केंद्र सरकार द्वारा आपदा प्रभावित क्षेत्रों की सहायता हेतु हिमाचल प्रदेश को 1,500 करोड़ रुपए तथा पंजाब के आपदा राहत कोष में पहले से मौजूद 12000 करोड़ के अतिरिक्त पंजाब के लिए 1,600 करोड़ रुपए की अंतरिम राशि की घोषणा की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के निर्देशानुसार, भाजपा संगठन एवं केंद्र सरकार के मंत्रीगण द्वारा सेवा कार्यों में सक्रिय सहयोग दिया जाना है। केंद्र सरकार के राज्य मंत्रियों को यह अपेक्षित है कि वे 15 सितंबर तक, किसी भी दो दिन बाढ़ प्रभावित प्रदेशों में तहसील स्तर पर चल रहे सेवा कार्यों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त, 16 सितंबर के मध्य विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों का हिमाचल प्रदेश दौरा निर्धारित है।

मंत्रियों का दौरा विवरण

- सावित्री ठाकुरः मनाली
- शांतनु ठाकुरः बंजार
- अजय टम्टा : सिराज, मंडी, कुल्लू
- दुर्गा दास उइकेःभटियात, भरमौर
- डॉ. सुकांता मजूमदार : स्थाम निर्धारित नहीं
- जितिन प्रसादः स्थान

सावित्र और शांतनु ने जाने हाल

केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर का हिमाचल दौरा 12 सितंबर को शुरू हो गया है। भाजपा हिमाचल प्रदेश इकाई की ओर से इन मंत्रियों का हार्दिक स्वागत करती है और केंद्र सरकार के इस दूरदर्शी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों आभार व्यक्त करती है। यह कदम हिमाचल प्रदेश के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि सभी मंत्री चंबा मंडी और कुल्लू जिले में प्रवास करेंगे और उसके बाद अपने प्रवास की रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपेंगे।

हैदराबाद में खौफनाक वारदात

पहले महिला की हत्या की फिर उसी के बाथरूम में नहाया

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

हैदराबाद पुलिस ने बड़ी वारदात का पर्दाफाश किया है, जिसमें तीन दिन पहले 50 साल की

महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने झारखंड से 2आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये घरेलू नौकर थे और घटना के बाद फरार हो गए थे। स्पेशल पुलिस टीम ने आरोपियों को हिरासत में लेकर हैदराबाद लाने की तैयारी शुरू कर दी है। यह वारदात साइबराबाद में हुई। 50 वर्षीय रेनू अग्रवाल अपने घर पर अकेली थी। तभी आरोपियों ने हमला कर दिया।

40 ग्राम सोना और 1 लाख नकद लूटे

इसके बाद उन्होंने घर से करीब 40 ग्राम सोना और 1 लाख रुपए नकद लूट लिए। वारदात के बाद आरोपी नहीं बाथरूम में नहाए और कपड़े बदले। अपने खून से सने पुराने कपड़े उन्होंने घर में ही छोड़ दिए और नए कपड़े पहनकर भाग निकले।

दादर बीच पर सफाई अभियान

मुंबई। शनिवार को मुंबई के दादर बीच पर सफाई अभियान में भाग लेते हुए युवा।

बिहार पहुंचे भाजपा के अध्यक्ष नड्डा

छपरा में अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल भी गए

कोर कमेटी की बैठक लेकर मंत्रियों और नेताओं को दिया जीत का मंत्र

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में भले विधानसभा चुनाव होने में अभी कुछ महीने का समय हो लेकिन राजनीतिक पार्टियों ने अपनी तैयारियां अभी से ही शुरू कर दी है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा शनिवार को बिहार पहुंचे। नड्डा का यह दौरा विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की रणनीति को धार देने वाला माना जा रहा है। इस दौरान नड्डा पार्टी के बड़े नेताओं और मंत्रियों के साथ बैठक की और उन्हें आगामी चुनाव के लिए जीत का मंत्र दिया।

केंद्राय मंत्री का शिड्यूल

नड्डा एयरपोर्ट से निकलने के बाद एक निजी कार्यक्रम में शामिलहुए। इसके बाद दोपहर दो बजकर पंद्रह मिनट पर वे छपरा के लिए रवाना हुए. जहां अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल के कार्यक्रम में शिरकत की। शाम को नड्डा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर मुलाकात की।

पार्टी की रणनीति पर किया मंथन

नड्डा भाजपा ऑफिस में कोर कमेटी की अहम बैठक में हिस्सा लिया। इसमें विधानसभा चुनाव की तैयारियों, सीट फार्मूले और संगठन की मजबूती पर चर्चा की। नड्डा ने तैयारियों की रिपोर्ट ली और उन्हें नए टास्क भी सौंपा। प्रधानमंत्री की योजनाओं को बिहार में बड़े स्तर पर कैसे पहुंचाया जाए, रणनीति तैयार की ।

बरेली में दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग

पहले की रेकी फिर बरसाईं गोलियां, फुटेज में दिखे हमलावर

गोल्डी बराड़ के गुर्गे रोहित गोदारा ने ली हमले की जिम्मेदारी

एजेंसी ▶▶ बरेली

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर पर शुक्रवार तड़के 3.30 बजे 9 राउंड फायरिंग की गई। बाइक सवार दो आरोपी फायरिंग कर नैनीताल हाईवे की ओर भाग निकले। इनमें आगे बैठा युवक हेलमेट लगाए था। चर्चित अपराधी गोल्डी बराड़ के गुर्गे रोहित गोदारा की आईडी से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर वारदात की जिम्मेदारी ली गई है। इसमें स्वामी अनिरुद्धाचार्य व स्वामी प्रेमानंद पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर गुस्सा जताया गया है। भविष्य में ऐसा करने पर जान से मारने की धमकी दी गई है।

जांच के लिए 5 टीमें गठित

पुलिस ने कहा कि फायरिंग के दौरान दिशा पाटनी के पिता सेवानिवृत्त सीओ जगदीश पाटनी, मां और बहन सेवानिवृत्त मेजर खुशबू पाटनी समेत तीन लोग घर में सो रहे थे। एसएसपी ने वारदात के राजफाश के लिए एसपी सिटी व एसपी क्राइम के नेतृत्व में 5 टीम गठित की हैं।

अनिरुद्धाचार्य पर खुशबू के बयान पर गोल्डी गैंग नाराज

'संत-धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं'

गोल्डी गैंग से जुड़े बताए जा रहे राजस्थानी शूटरों ने मथुरा निवासी दो संतों अनिरुद्धाचार्य व स्वामी प्रेमानंद के सम्मान में पोस्ट डालकर अपने इरादे जाहिर किए हैं। वे दिशा की बहन सेवानिवृत्त मेजर खुशबू के बयान से आहत हैं। गोल्डी के खास गुर्गे रोहित गोदारा की आईडी से की गई पोस्ट में राजस्थान के गांव डेलाणा से जुड़े बताए जा रहे वीरेंद्र चारण व महेंद्र सारण ने इस घटना की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने जिक्र किया है कि खुशबू और दिशा के घर बरेली में जो फायरिंग हुई है, ये हमने करवाई है। हमारे पूज्य संत (प्रेमानंद जी महाराज और अनिरुद्धाचार्य जी महाराज) का अपमान किया था। सनातन धर्म को नीचा दिखाने की कोशिश की थी। देवी देवताओं का अपमान नहीं सहा जाएगा।

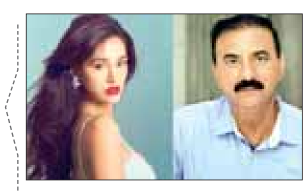

बेटी ने नहीं किया प्रेमानंद महाराज का अपमानः दिशा के पिता

हमले को लेकर दिशा और खुशबू के पिता ने बताया कि दो लोग थे और एक हेलमेट पहने हुए अपाचे बाइक चला रहा था और दूसरे के पास हेलमेट नहीं था, उसके हाथ में माउजर था। लगभग 3:30 बजे हमला हुआ। उन्होंने एक दो फायर किया और वहां से चले गए। बेटियों ने संत समाज का अपमान नहीं किया है।

नेपाल में फंसे तीर्थयात्री भारत लौटे

पशुपतिनाथ दर्शन करने गए श्रद्धालुओं ने जताया आभार

एजेंसी ▶▶ मेरठ

पड़ोसी देश नेपाल में हिंसा के बाद फंसे वेस्ट यूपी के तीर्थ यात्री लौटने लगे हैं। मुजफ्फरनगर, बागपत, बिजनौर और बदायूं के तीर्थयात्रियों का जत्था सकुशल भारत लौटा। ये पशुपतिनाथ की यात्रा पर गए थे। हिंसा भड़कने के कारण होटल में फंस कर रह गए थे। इन यात्रियों को भारतीय दूतावास ने काठमांडू से एयरपोर्ट तक पहुंचाया और विमान से दिल्ली भेजा। ये सभी अपने घर पहुंच गए। मुजफ्फरनगर के भाजपा नेता सुनील तायल मसेत सभी यात्री पशुपतिनाथ की यात्रा पर गए थे। तायल ने मीडिया को बताया कि सात सितंबर को पशुपतिनाथ, मुक्तिनाथ और कासवेनी की यात्रा के लिए नेपाल गए थे। 14 सितंबर को वापसी थी। लेकिन हिंसा के चलते पुलिस ने होटल से बाहर निकलने की अनुमति नहीं थी। मोबाइल से विधायक और यूपी सरकार में राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल से मदद की गुहार लगाई।

जबलपुर
रविवार, 14 सितंबर 2025
आश्विन मास कृष्ण पक्ष-07
वर्ष : 20, अंक : 138
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 30
न्यून. 23

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

13 सिर्फ 38 मिनट में जीता सेमी फाइनल...

विचार पेज
8 नेपाल में युवा विद्रोह की जड़ें....

सूर्या रडार डीआरडीओ ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर विकसित किया

अमेरिकी एफ-35 और चीन के जे-20 का शिकार 500 किमी दूर से, भारत ने बना लिया स्टील्थ हंटर वीएचएफ रडार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अलग खबर

भारत ने अपने पहले स्वदेशी सूर्या वीएचएफ (वेरी हाई फ्रीक्वेंसी) रडार को अपग्रेड कर दिया है। अपनी रक्षा क्षमता में और मजबूती लाते हुए भारत ने मेक इन इंडिया के तहत बने सूर्या वीएचएफ रडार सिस्टम की रेंज बढ़ाकर 500 किलोमीटर तक कर दी है। यानी अब यह दुश्मन के फाइटर जेट्स को 500 किलोमीटर दूर से सूंघकर बता सकता है। रडार इतना एडवांस है कि पांचवीं-छठी पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट्स भी इसकी निगाह से बच नहीं सकते हैं।

आत्मनिर्भर भारत की बेहतरीन मिसाल है सूर्या

सूर्या रडार आत्मनिर्भर भारत का बेहतरीन नमूना है, यह बिना किसी विदेशी तकनीकी सहायता के तैयार किया गया रडार है

यह पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित है और देश के रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है

चीन के जे-20 डीकेएस को भी दबोच लेता है

सूर्या वीएचएफ रडार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह चीन के जे-20 स्टील्थ लड़ाकू विमान और विंग लूंग जैसे ड्रोन को भी पहचान सकता है। वह दूर से ही बता देता है कि इन फाइटर्स का रुख किस ओर है। इस वीएचएफ रडार को स्टील्थ हंटर भी कहा जाता है। सूर्या रडार वीएचएफ बैंड में काम करता है, जो लंबी वेबलेंथ यानी 30 से लेकर 300 मेगाहट्र्ज के वीएचएफ बैंड का इस्तेमाल करता है। इसी वजह से कोई भी स्टील्थ विमान इसकी निगाह से बच नहीं पाता है।

500 किलोमीटर तक की रेंज, 360 डिग्री कवरेज

पहले यह यह रडार प्रणाली 2 वर्ग मीटर के रडार क्रॉस सेक्शन वाले लक्ष्यों को 400 किलोमीटर तक की दूरी से ही पहचान सकती थी। मगर, अब इसकी रेंज में इजाफा कर दिया गया है, जिससे इसकी रेंज 500 किलोमीटर तक हो गई है। साथ ही यह प्रति मिनट 10 बार घूमने की क्षमता रखता है, जिससे यह 360 डिग्री का व्यापक कवरेज और पूरी निगरानी करता है। यह रडार मोबाइल यूनिट के तौर पर कार्य करता है और इसमें कम ऊंचाई पर उड़ने वाले लक्ष्यों की पहचान के लिए 3डी रडार तकनीक भी मौजूद है।

Ninh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अयोध्या में 26 लाख जलेंगे दीये, होगी भव्य आतिशबाजी

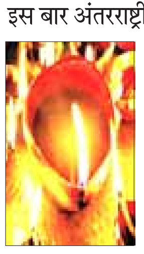

लखनऊ। अयोध्या में 19 अक्टूबर को आयोजित दीपोत्सव-2025 में इस बार अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रदूषणमुक्त ग्रीन आतिशबाजी का कार्यक्रम भी होगा। यह विशेष कार्यक्रम 10 मिनट का होगा। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के अनुसार दीपोत्सव में सरयू घाटों पर 26 लाख से अधिक मिट्टी के दीप प्रज्वलित होंगे और नदी किनारे विशेष सजावट होगी।

अंकिता लोखंडे के पति विक्की अस्पताल में भर्ती

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन अस्पताल में भर्ती हैं। अस्पताल से उनका एक वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया में हलचल मच गई है। वीडियो में उनके हाथ में पट्टी बंधी दिख रही है। टीवी अभिनेता समर्थ जुरेल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी भी शेयर की है।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस में बरी वाहिद ने मांगे 9 करोड़

नई दिल्ली। मुंबई में साल 2006 में मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में एटीएस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक थे डॉ. दीन मोहम्मद शेख, जिन्हें इस मामले में आरोपी बनाया गया और वह नौ साल तक जेल में कैद रहे। इसी साल कोर्ट ने उनको बरी कर दिया है। अब वाहिद ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से 9 करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चंबल नदी में बोटिंग कर जेट स्काय की सवारी की

चंबल नदी किनारे की पर्यटन गतिविधियां रोजगार पैदा करेंगी, सबको 'लुभाएंगी'

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को गांधीसागर में चंबल नदी के अद्भुत और आकर्षक प्राकृतिक नजारे का अनुभव करते हुए बोटिंग की

मुख्यमंत्री ने सफारी जीप में बैठकर टेंट सिटी का भी अवलोकन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को गांधीसागर में चंबल नदी के अद्भुत और आकर्षक प्राकृतिक नजारे का अनुभव करते हुए बोटिंग की। बोट में बैठकर उन्होंने नदी की मनोहारी छटा को निहारा और इस मनमोहक सफर का आनंद लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन को नई पहचान दिलाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

चंबल नदी क्षेत्र में विकसित हो रही पर्यटन गतिविधियां न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित करेंगी, बल्कि देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनेंगी।

मप्र में पर्यटन को नई पहचान दिलाने हो रहे हैं निरंतर कार्य

सीएम ने गांधी सागर के प्राकृतिक सौंदर्य का लिया आनंद

मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग का स्पष्टीकरण

हॉट एयर बैलून में सुरक्षा की चूक नहीं

मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग ने कहा कि हॉट एयर बैलून में सुरक्षा के संबंध में किसी प्रकार की कोई चूक नहीं हुई है। मुख्यमंत्री केवल एयर बैलून को देखने के लिए गए थे। हॉट एयर बैलून, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, गर्म हवा का गुब्बारा होता है। इसे उड़ान भरने योग्य बनाए रखने के लिए हवा को गर्म किया जाता है, जिससे गुब्बारा ऊपर उठ सके और तैरता रहे। इस पूरी प्रक्रिया में सुरक्षा के सभी मानक पूरी तरह से पालन किए गए हैं।

सीएम के हॉट एयर बैलून में लगी आग, बाल-बाल बचे

सीएम यादव का गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट हॉट एयर बलून हवा में नहीं उड़ पाया। तेज हवा और अचानक बढ़ी आग की लपटों के चलते सुरक्षा कारणों से बैलून की उड़ान रोक दी गई। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों की तत्परता से स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही और मुख्यमंत्री सुरक्षित रहे। सुरक्षा कर्मियों ने सीएम को जिस ट्रॉली में बैठाया गया था, उसे मजबूती से पकड़े रखा और उन्हें सुरक्षित नीचे उतार लिया। मुख्यमंत्री यादव बैलून की सवारी नहीं कर पाए। इसके बाद वे हेलीकॉप्टर से इंदौर

पहुंचे। शनिवार सुबह सीएम ने चंबल नदी में बोटिंग का आनंद लिया और इसके बाद हॉट एयर बैलून की सवारी के लिए पहुंचे। मुख्यमंत्री कार्यालय ने आगे बताया कि इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि चंबल का यह नैसर्गिक सौंदर्य प्रदेश के पर्यटन को नई पहचान देगा। यहां की स्वच्छ जलधारा और प्राकृतिक वातावरण न केवल पर्यटकों को आकर्षित करेगा, बल्कि प्रकृति प्रेमियों को भी आत्मिक सुकून प्रदान करेगा।

एमईएस में सीबीआई की कार्रवाई

तीन इंजीनियर और एक ठेकेदार को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

कोर्ट ने तीन दिन की रिमांड पर भेजा

सीबीआई की जद में मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस यानी एमईएस के तीन इंजीनियर और एक ठेकेदार आए हैं। इंजीनियर एक ठेकेदार के माध्यम से दूसरे ठेकेदार पर रिश्वत का दबाव बना रहे थे। टेंडर स्वीकृत होने के बाद भी वर्क ऑर्डर नहीं दिया जा रहा था। सीबीआई की टीम ने मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस सागर में पदस्थ तीन कर्मचारियों सहित एक ठेकेदार को 80 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था।

नहीं दे रहे थे वर्क ऑर्डर

गिरफ्तार किए गए आरोपियों को विशेष कोर्ट सीबीआई जबलपुर के न्यायाधीश आरके गुप्ता के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय ने सभी आरोपी को 15 सितंबर तक सीबीआई को रिमांड दी है।

एशिया कप में भारत-पाक मैच पर बोले ठाकुर

देशों के लिए उनमें भाग लेना एक मजबूरी और अनिवार्यता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुकाबले का लगातार हो रहा विरोध

एशिया कप 2025 के मुकाबले में भारत और पाकिस्तान टीम के बीच रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टक्कर होगी। सोशल मीडिया पर इस मुकाबले का लगातार विरोध हो रहा है। पूर्व खेल मंत्री और वर्तमान भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने स्पष्ट किया है कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) या अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा आयोजित टूर्नामेंटों खेलना क्यों जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब एसीसी या आईसीसी द्वारा मल्टीनेशनल टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, तो देशों के लिए उनमें भाग लेना एक मजबूरी और अनिवार्यता बन जाती है।

तलाशी में कुछ नहीं मिला

अब ताज पैलेस होटल को बम से उड़ाने की धमकी

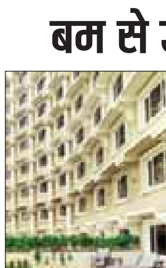

होटल में ठहरे पर्यटकों में मची अफरा तफरी

नई दिल्ली। शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल की जांच चल ही रही थी कि शनिवार को चाणक्यपुरी स्थित प्रतिष्ठित ताज पैलेस होटल को ईमेल के माध्यम से बम धमकी मिलने के बाद सनसनी फैल गई। यह मेल सामने आते ही होटल में ठहरे विदेशी पर्यटकों, कारोबारी मेहमानों और वीआईपी अतिथियों में अफरातफरी मच गई। तीन घंटे तक चले सघन तलाशी अभियान के बाद जब कुछ संदिग्ध नहीं मिला तो दिल्ली पुलिस ने राहत की सांस ली।

लंदन में ब्रिटिश सिख महिला से रेप

नस्लभेदी टिप्पणी में कहा तुम 'इस देश' की नहीं हो

इस घटना से समुदाय में गहरी चिंता और गुस्सा

लंदन। ब्रिटेन में एक सिख महिला के साथ 2 युवकों द्वारा रेप किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। यह घटना ब्रिटेन के वेस्ट मिडलैंड्स में हुई, जहां एक ब्रिटिश सिख महिला के साथ कथित रूप से दोनों युवकों ने यह कहते हुए दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया कि तुम इस देश की नहीं हो। इसे नस्लीय रूप से प्रेरित हमला मानकर जांच की जा रही है। ब्रिटिश सिख महिला ने लंदन पुलिस को अपनी आपबीती बताई है।

15 सितंबर है आखिरी तारीख

अब तक देश में 6 करोड़ से अधिक आईटी रिटर्न दाखिल

वर्ष 2023-24 में यह संख्या 6.77 करोड़ थी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शनिवार को बताया कि कर निर्धारण वर्ष 2025-26 के लिए अब तक छह करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। आयकर रिटर्न दाखिल करने की बिना जुर्माने के आखिरी तारीख 15 सितंबर है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए समय रहते ही अपना आयकर रिटर्न दाखिल कर लें। विभाग ने और क्या कहा है, आइए विस्तार से जानें।

हरिद्वार अर्धकुंभ 2027 के लिए तारीखों का ऐलान

पहली बार साधु-संन्यासियों संग होंगे तीन शाही स्नान

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने सरकार की पेशकश पर अपनी मुहर लगाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दो साल बाद यानी 2027 में हरिद्वार में होने वाला अर्द्धकुंभ मेला कई मायनों में ऐतिहासिक होगा। इस अर्द्ध कुंभ में पहली बार इतिहास बनेगा, जब कुंभ की तरह ही साधु-संन्यासी, वैरागी, उदासीन अखाड़ों के तीन शाही यानी अमृत स्नान होंगे। अब अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने सरकार की इस पेशकश पर अपनी मुहर भी लगा दी है।

सागर में लोकायुक्त की कार्रवाई

बिजली विभाग का सहायक अभियंता एक लाख रु. की रिश्वत लेते हुआ ट्रैप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्लॉट के ऊपर से गुजर रही 11 केवी लाइन के हटाने के एवज में की डेढ़ लाख की डिमांड

लोकायुक्त की टीम ने सागर में एक प्रभारी सहायक अभियंता को 1 लाख की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ ट्रैप किया है। आरोपी ने एक ठेकेदार से 11केवी लाइन हटाने के एवज में डेढ़ लाख रिश्वत की डिमांड की थी। लोकायुक्त ने आरोपी अभियंता के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है।

लोकायुक्त एसपी योगेश्वर शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नेहा नगर मकरोनिया सागर के रहने वाले राम कुमार पटेल बिजली विभाग में ठेकेदारी करते हैं। उन्होंने एक शिकायती आवेदन उनके कार्यालय में दिया, जिसमें सहायक अभियंता मिलन परतेती पर रिश्वत मांगने के आरोप लगाये थे। दरअसल एक उपभोक्ता के प्लाट के ऊपर से 11केवी की लाइन हटवाने के लिए उन्होंने बिजली आफिस में आवेदन दिया था। शिकायत में उल्लेख था कि इसी संबंध में ठेकेदार राम कुमार पटेल ने बनाए गए इस्टीमेट का डीआई से एप्रूवल लेने के एवज में सहायक अभियंता मिलन परतेती ने डेढ़ लाख की डिमांड की, इसके बाद एक लाख लेने के लिए सहमत हो गया। शिकायत का सत्यापन कराया गया।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर मैनेजमेंट कमेटी की चौथी बैठक में यह अहम निर्णय लिया

कमरे को खोलते समय वीडियोग्राफी कराई जाएगी

अब खुलेगा बांके बिहारी मंदिर में बंद गर्भगृह के कमरे का राज, मौजूद संपत्ति का विशेष 'ऑडिट' भी होगा

मंदिर की चल-अचल संपत्तियों का विवरण 15 दिन के भीतर दिया जाएगा

एजेंसी ▶▶ मथुरा

भगवान कृष्ण की नगरी वृंदावन स्थित विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शुमार है, अब इसे लेकर मंदिर समिति ने एक बड़ा निर्णय लिया गया है। समिति ने मंदिर के गर्भगृह में वर्षों से बंद पड़े एक कमरे को खोलने का निर्णय लिया है।

समिति ने यह भी स्पष्ट किया है कि कमरे को खोलते समय वीडियोग्राफी कराई जाएगी, ताकि पूरी प्रक्रिया रिकॉर्ड में रहे और यह देखा जा सके कि कमरे में क्या-क्या रखा है। इसके साथ ही मंदिर में मौजूद खजाने (संपत्ति) का विशेष ऑडिट कराने का भी निर्णय लिया गया है।

गर्मी और सर्दी में दर्शन का नया समय

गर्मियों में दर्शन समय
- सुबह आरती: 7:00 से 7:15 बजे
- दर्शन: 7:15 से 12:30 बजे
- दोपहर आरती: 12:30 से 12:45 बजे
- शाम दर्शन: 4:15 से 9:30 बजे
- रात की आरती: 9:30 से 9:45 बजे

सर्दियों में दर्शन समय
- सुबह आरती: 8:00 से 8:15 बजे
- दर्शन: 8:15 से 1:30 बजे
- दोपहर आरती: 1:30 से 1:45 बजे
- शाम दर्शन: 4:00 से 9:00 बजे
- रात की आरती: 9:00 से 9:15 बजे

सभी भक्त होंगे समान

अब वीआईपी दर्शन पर्चियों की व्यवस्था खत्म कर दी गई है। यह कदम श्रद्धालुओं को समान अवसर देने और अनावश्यक भीड़-भाड़ से बचाव के लिए उठाया गया है। अब हर भक्त को बिना भेदभाव के दर्शन करने का अवसर मिलेगा।

पीएम मोदी के काफिले का स्कूल के बच्चों ने तिरंगा लेकर स्वागत किया

पीएम मोदी ने चुराचांदपुर के राहत शिविर में स्थानीय लोगों से मुलाकात की

मणिपुर से पीएम का नेपाल को संदेश

अस्थिरता में भी लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोच्च रखा, 'सकारात्मक सोच' और कार्य प्रेरणादायी

पीएम मोदी ने कहा कि नेपाल भारत का घनिष्ठ मित्र है। हम साझा इतिहास से, साझा आस्था से जुड़े हैं और साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं

एजेंसी ▶▶ इंफाल

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मणिपुर की राजधानी इंफाल में जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मणिपुर की इस धरती से मैं नेपाल में अपने सहयोगियों से भी बात करूंगा। नेपाल भारत का मित्र है, घनिष्ठ मित्र है। हम साझा इतिहास से, साझा आस्था से जुड़े हैं और साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। आज, देशवासियों की ओर से, मैं श्रीमती सुशीला को नेपाल में अंतरिम सरकार की पीएम के रूप में कार्यभार संभालने पर हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि वह नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी। सुशीला कार्की का नेपाल की पहली महिला पीएम के रूप में शपथ लेना महिला सशक्तिकरण का एक बहुत अच्छा उदाहरण है।

» ***महिला पीएम के रूप में शपथ लेना महिला सशक्तिकरण का अच्छा उदाहरण***

» ***उम्मीद है कि वे नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी***

नए नेपाल का उदय हो रहा

पीएम मोदी ने कहा कि आज, मैं नेपाल के हर उस व्यक्ति की प्रशंसा करूंगा जिसने इतने अस्थिर वातावरण में भी लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोच्च रखा है... पिछले कुछ दिनों से, नेपाल के युवाओं को नेपाल की सड़कों की सफाई और रंग-रोगन में कड़ी मेहनत करते देखा जा सकता है। मैंने सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें भी देखी हैं। उनकी सकारात्मक सोच और सकारात्मक कार्य न केवल प्रेरणादायक हैं, बल्कि नेपाल के नए उदय का स्पष्ट संकेत भी हैं। मैं नेपाल को उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

आंदोलन के बाद नेपाल के युवक सफाई करते हुए

सुशीला कार्की को दीं शुभकामनाएं

नेपाल में 'जेन-जी' विरोध के कारण हुए तख्तापलट के बाद सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार की पीएम बनाया गया है। उन्होंने शुक्रवार शाम को अंतरिम पीएम के तौर पर शपथ ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, जिसमें लिखा कि नेपाल की अंतरिम सरकार की पीएम के रूप में पद ग्रहण करने पर सुशीला कार्की को हार्दिक शुभकामनाएं। नेपाल के भाई-बहनों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए भारत पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

भारत, नेपाल की समृद्धि के लिए काम करेगा

विदेश मंत्रालय ने परिवर्तन के दौर में काठमांडू के साथ संबंधों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कहा कि हम नेपाल में माननीय श्रीमती सुशीला कार्की के नेतृत्व में नई अंतरिम सरकार के गठन का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि इससे शांति और स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। एक निकट पड़ोसी, एक लोकतांत्रिक देश और एक दीर्घकालिक विकास साझेदार के रूप में, भारत दोनों देशों के लोगों के कल्याण और समृद्धि के लिए नेपाल के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा।

खबर संक्षेप

जम्मू संभाग में 15 सितंबर से खुलेंगे सरकारी स्कूल

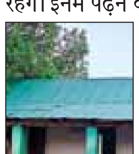

जम्मू। जम्मू संभाग के 378 से ज्यादा सरकारी स्कूलों में अभी ताले लटके रहेंगे। इनमें पढ़ने वाले करीब 4,000 बच्चों की पढ़ाई नजदीकी सामुदायिक भवन, पंचायत घर या दूसरे सुरक्षित स्कूल में करवाई जाएगी। ऐसा इसलिए क्योंकि 26 अगस्त को भारी बारिश व बाढ़ से भवनों को भारी क्षति पहुंची है। सुरक्षा ऑडिट पूरा करने के बाद ज्यादातर निजी स्कूल 10 सितंबर से खोल दिए गए हैं लेकिन अधिकतर सरकारी स्कूल नहीं खोले जा सके हैं। अब 15 सितंबर से सरकारी स्कूलों में बच्चों को बुलाने की तैयारी है।

बिलासपुर में फटा बादल 5 गाड़ियां क्षतिग्रस्त

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश में मौसम का कहर लगातार जारी है। बिलासपुर जिले की उप तहसील नम्होल के गांव गुतराहन में शनिवार सुबह बादल फटने से दो वाहन मलबे में दब गए और पांच क्षतिग्रस्त हुए हैं। क्षतिग्रस्त वाहनों को निकाल लिया है। मलबा आने से नम्होल-डाबर सड़क बंद हो गई। पानी का बहाव सड़क की ओर मुड़ गया, अन्यथा गुतराहन गांव में बड़ी तबाही हो सकती थी। वहीं दो दिन से हो रही लगातार बारिश के कारण घुमारवीं में सीर खड्ड का जलस्तर बढ़ गया है।

पाक में बाढ़ के कारण पलटी नाव, 10 की मौत

मुल्तान। पाकिस्तान में बाढ़ राहत प्रयासों के दौरान नाव पलटने से 10 लोगों की मौत हो गई। इसमें बच्चे भी शामिल हैं। पंजाब आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि यह हादसा गुरुवार को पूर्वी पंजाब प्रांत के शहर मुल्तान के पास एक गांव में हुई। फिलहाल नौका पलटने के बाद बाढ़ प्रभावित गांवों से 24 लोगों को बचाया गया और शेष 15 को सुरक्षित रूप से पानी से बाहर निकाल लिया गया है। पंजाब की सूचना मंत्री अजमा बुखारी ने कहा कि 23 अगस्त से अब तक प्रांत में बाढ़ से संबंधित घटनाओं में 78 लोग मारे गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान को लगातार लताड़ पड़ रही

इजराइल ने इस्लामाबाद को दिखाया आईना, कहा

बिन लादेन पाक में ही मारा गया तब नहीं पूछा, अब क्यों सवाल?

इजराइज के राजदूत डैनी डैनन ने कहा कि सच तो यह है कि ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में मारा गया था और किसी ने अमेरिका की निंदा नहीं की। और जब इस परिषद के अन्य देश आतंकवादियों पर हमला करते हैं, तो कोई उनकी निंदा नहीं करता

» अपने लिए लागू मानकों से अलग मानक इजराइल पर लागू करना ही यूएन की सबसे बड़ी समस्या

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

इजराइल ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए उस पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। इजराइल ने कहा कि पाकिस्तान इस तथ्य को नहीं बदल सकता कि खूंखार आतंकी ओसामा बिन लादेन उनकी धरती पर मारा गया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच जमकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। दरअसल पाकिस्तान ने कतर में इजराइली हमले की निंदा की और पूछा कि विदेशी धरती पर आतंकवादी को निशाना क्यों बनाया गया? इस पर इजराइली राजदूत ने तीखा जवाब देते हुए पाकिस्तानी प्रतिनिधि की बोलती बंद कर दी।

इजराइली प्रतिनिधि डैनी डैनन ने कहा कि जब ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में मार गिराया गया था, तब तो सवाल यह नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया? गुरुवार को ही कनाडाई मूल के मानवाधिकार और यूएन वॉच के कार्यकारी निदेशक वकील हिलेल नेउर ने सिर्फ चार सेकंड और एक वाक्य में पाकिस्तान को यह कहकर विश्व मंच पर शर्मसार कर दिया था कि आप आतंक के पनाहगार हैं।

इजराइल और पाकिस्तान के बीच हुई तीखी बहस

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की न्यूयॉर्क शहर में हुई बैठक, ओसामा बिन लादेन द्वारा आयोजित 9/11 के आतंकवादी हमलों की 24वीं बरसी पर हुई। इस बैठक में इजराइली और पाकिस्तान के दूतों के बीच तीखी बहस हुई। यह बहस गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा में हुए हमले को लेकर हुई, जिसमें इजराइल ने हमास नेताओं को निशाना बनाया। अपने संबोधन में पाकिस्तान के दूत आसिम इफ्तिखार अहमद ने कतर के खिलाफ इजराइल के हमले को अवैध और अकारण आक्रामक करार दिया और हमले की कड़ी निंदा की। पाकिस्तान ने कहा कि निरंतर आक्रामकता क्षेत्रीय शांति को कमजोर करती है। पाकिस्तानी दूत ने गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाइयों को क्रूर बताया और कहा कि सीरिया, लेबनान, ईरान और यमन पर बार-बार हमले कर इजराइल ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है।

दोहरे मानदंड पर उठाए सवाल

डैनी डैनन ने कहा कि सच तो यह है कि ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में मारा गया था और किसी ने अमेरिका की निंदा नहीं की। और जब इस परिषद के अन्य देश आतंकवादियों पर हमला करते हैं, तो कोई उनकी निंदा नहीं करता। यही दोहरे मानदंड हैं। जब आप अपने लिए लागू मानकों से अलग मानक इजराइल पर लागू करते हैं, तो यही इस संस्था की समस्या है।

पाक पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप

इजराइल ने पाकिस्तान पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि 9/11 के हमले के बाद सुरक्षा परिषद ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि कोई भी देश आतंकवादियों को पनाह नहीं देगा, न ही उन्हें धन देगा और न ही उन्हें पनाह देगा।

लादेन को छूट नहीं थी तो हमास को क्यों?

पाकिस्तान के आरोपों का जवाब देते हुए इजराइल के स्थायी प्रतिनिधि डैनी डैनन ने पाकिस्तान के राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद की ओर हाथ उठाते हुए कहा कि जब बिन लादेन को पाकिस्तान में मारा गया था, तो तब यह सवाल क्यों नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया? सवाल यह था कि आखिर एक आतंकवादी को पनाह क्यों दी गई? बिन लादेन को कोई छूट नहीं थी।

सिविल अस्पताल पहुंची पीएम कार्की

घायलों से की मुलाकात, बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल की अंतरिम पीएम सुशीला कार्की हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान घायल हुए लोगों का हालचाल जानने शनिवार को सिविल अस्पताल पहुंचीं। पीएम ने वहां भर्ती घायलों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। सुशीला कार्की ने डॉक्टरों और अस्पताल प्रशासन से भी बातचीत की साथ ही इस बात पर जोर दिया कि सभी घायलों को बेहतर इलाज और जरूरी सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराई जाएं।

इस दौरान पीएम ने कहा कि सरकार विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई घटनाओं को गंभीरता से ले रही है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि भविष्य में किसी भी नागरिक को ऐसे हालात का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि शांति और लोकतंत्र की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है।

पूर्व पीएम ओली के खिलाफ एफआईआर

शपथ लेने के साथ ही सुशील कार्की ने नेपाल के पूर्व पीएम पीएम केपी शर्मा ओली के खिलाफ शनिवार को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। उन्होंने 8 सितंबर को युवाओं के खिलाफ की गई दमनात्मक पुलिस कार्रवाई को लेकर मामला दर्ज कराने और ओली के खिलाफ जघन्य अपराध के आरोप मे निष्पक्ष और गहन जांच के आदेश दिए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिम पीएम कार्की आज अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकती हैं। इसमें कुलमन घीसिंग, ओम प्रकाश आर्यल और बालेंद्र शाह बालेन जैसे प्रमुख नेताओं को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है।

तैयार हो रहा नया पीएम कार्यस्थल

नेपाल में सिंह दरबार स्थित पीएम और मंत्रिपरिषद कार्यालय में हुई आगजनी के बाद अब नए पीएम के लिए नया कार्यस्थल तैयार किया जा रहा है। यह नया कार्यालय भवन पहले गृह मंत्रालय के लिए बनाया गया था और अब इसे पीएम कार्यालय के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। सुरक्षा बलों और कर्मचारियों की टीम, जिसमें नेपाल आर्मी के सदस्य भी शामिल हैं, पुराने कार्यालय से बचा हुआ फर्नीचर और जरूरी सामान जैसे टेबल, कुर्सियां, कंप्यूटर आदि नए स्थान पर शिफ्ट कर रही है। इस बीच, सार्वजनिक शिक्षा सचिव चूड़ामणि पौडेल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कर्मचारी शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में जुटे और मलबा हटाने का काम शुरू किया।

अल्बानिया में दुनिया की पहली एआई मंत्री

देश में होने वाले सभी टेंडर्स पर नजर रखना ही काम

एजेंसी ▶▶ तिराना

अल्बानिया देश ने अपने मंत्रिमंडल में एक एआई मंत्री को शामिल किया है। इस एआई मंत्री का नाम डिएला है और इसका काम सरकारी टेंडर्स में हो रहे भ्रष्टाचार पर निगरानी रखना और उसे पूरी तरह से खत्म करना है।

अल्बानिया के पीएम एदी रामा ने हाल ही में एक वर्चुअल मंत्री डिएला को अपनी कैबिनेट का हिस्सा बनाया है। बता दें, डिएला कोई इंसान नहीं है, बल्कि यह एक डिजिटल अवतार है।

ई-अल्बानिया नाम के पोर्टल पर उपलब्ध

डिएला नाम के दुनिया के पहले एआई मंत्री का काम अपने देश में होने वाले सभी सार्वजनिक टेंडर्स पर नजर रखना है। पीएम रामा का दावा है कि इस एआई मंत्री की वजह से अब हर सरकारी फंडिंग पूरी तरह से पारदर्शी हो पाएगी। डिएला किसी दफ्तर या सरकारी ऑफिस में नहीं बैठती में नहीं बैठती, बल्कि यह ई-अल्बानियानाम की एक सरकारी पोर्टल पर बैठती है और पूरी तरह से सक्रिय रहती है।

अरमानी की मौत के बाद वसीयत का खुलासा

15% हिस्सेदारी प्रमुख फैशन हाउस को बेचने की जताई इच्छा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इतालवी डिजाइनर जियार्जियो अरमानी का 91 वर्ष की आयु में 4 सितंबर को निधन हो गया। उन्होंने बीते पांच दशकों में कई मिलियन यूरो का फैशन साम्राज्य खड़ा किया था और उसपर सख्त नियंत्रण बनाए रखा। उनके विशाल साम्राज्य में हाउते कॉउचर से लेकर होटल तक शामिल थे। उनकी कुल संपत्ति 11.8 बिलियन डॉलर है। अपनी वसीयत में अरमानी ने इच्छा जताई है कि जिस फाउंडेशन को कंपनी विरासत में मिलेगी।

कंपनी के शेयर बाजार में सूचीबद्ध करें

उसे 15 प्रतिशत हिस्सेदारी एक प्रमुख फैशन हाउस को बेच देनी चाहिए। वसीयत के अनुसार नया शेयरधारक गुरुवार को वसीयत खुलने के तीन से पांच साल के भीतर समूह में बहुलांश हिस्सेदारी खरीद सकेगा। ऐसा नहीं होने की स्थिति में अरमानी ने अनुरोध किया है कि उनकी कंपनी शेयर बाजार में सूचीबद्ध कर दी जाए।

भारत-ईयू एफटीए पर 13वां दौर

मुक्त व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने पर दोनों का जोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में यूरोपीय संघ (ईयू) के अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ईयू के कृषि और खाद्य आयुक्त क्रिस्टोफ हेन्सन, व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक और अन्य प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। बैठक का मकसद भारत-ईयू के बीच व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द पूरा करना है। गोयल ने कहा कि भारत एक संतुलित और परस्पर लाभकारी एफटीए के लिए प्रतिबद्ध है, जो व्यवसायों के लिए नए रास्ते खोलेगा और भारत एवं यूरोप दोनों की साझा प्रगति को मजबूत करेगा।

ईयू बड़ा साझेदार

गोयल ने बताया कि भारत-ईयू एफटीए की 13वें दौर की बातचीत पूरी हो गई है और दोनों पक्ष इसके जल्द निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एफटीए पर 14वां दौर ब्रुसेल्स में आयोजित किया जाएगा। ईयू भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वर्ष 2023-24 में दोनों के बीच व्यापार 135 अरब डॉलर तक पहुंचा।

गैर-टैरिफ बाधाओं पर दें ध्यान

बैठक के दौरान भारत ने जोर दिया कि व्यापार वार्ता में केवल टैरिफ ही नहीं बल्कि गैर-टैरिफ बाधाओं पर भी बराबर ध्यान दिया जाना चाहिए। नियामक ढांचे समावेशी और संतुलित होने चाहिए, ताकि वे व्यापार में रुकावट न बनें। जिनमें कस्टम्स, व्यापार सुविधा, डिजिटल ट्रेड और पूंजी प्रवाह जैसे मुद्दे शामिल हैं। हालांकि, रूल्स ऑफ ओरिजिन, मार्केट एक्सेस और वाइन व डेयरी जैसे उत्पादों पर टैरिफ को लेकर अभी भी मतभेद बने हुए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकारा, रूस-यूक्रेन युद्ध विवाद सुलझा नहीं

भारत पर अधिक टैरिफ लगाने से पैदा हुई दरार

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ ने भारत के साथ दरार पैदा कर दी है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि रूस-यूक्रेन विवाद अभी तक सुलझा नहीं है। इसे सभी ने हल्के में ले लिया था। ट्रंप ने कहा कि भारत रूस का सबसे बड़ा ग्राहक था, मैंने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर जुर्माने सहित 50 (25% + 25%) प्रतिशत टैरिफ लगाया। यह एक बड़ी बात है और इससे भारत के साथ दरार पैदा होती है। याद रखें, यह हमारी समस्या से ज्यादा यूरोप की समस्या है। उन्होंने कहा कि मुझे लगा था कि यूक्रेन और रूस के बीच मुकाबला सबसे आसान होगा। समझौते के लिए दो लोगों की जरूरत होती है।

टैरिफ की समस्या अमेरिका से ज्यादा यूरोप की

कोर्ट में जीतना जरूरी

ट्रंप ने अपने 'अमेरिका फर्स्ट' व्यापार एजेंडे का बचाव करते हुए कहा कि हम टैरिफ की वजह से सफल रहे हैं। इसने हमें उन देशों के साथ बातचीत करने की बड़ी ताकत दी है, जिन्होंने हमारा फायदा उठाया था। साथ ही इसने देश में अरबों डॉलर लाए हैं। हमारे पास एक बड़ा मामला है, यह अब सुप्रीम कोर्ट में है। यह मामला जीतना वाकई जरूरी है, क्योंकि इसने हमें एक अमीर देश बनाया है।

रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाएंगे

ट्रंप ने आगे बताया कि यूक्रेन-रूस संघर्ष को कम करने के संबंध में वह कैसे बहुत मजबूती से उतरने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें बैंकों पर प्रतिबंध लगाने और तेल व टैरिफ से जुड़े मामलों पर भी कड़ी कार्रवाई होगी।

टैरिफ पर भारत की चुप्पी सही

ट्रंप से निपटने का सबसे अच्छा तरीका

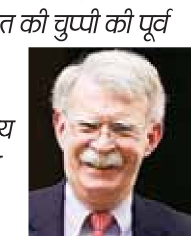

अमेरिका की ओर से लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ पर भारत की चुप्पी की पूर्व अमेरिकी एनएसए ने सराहना की है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ पर भारत का ज्यादातर चुप रहना और गुप्त कूटनीति पर निर्भर रहना ठीक है। मुझे लगता है कि ट्रंप जैसे व्यक्ति से निपटने का यही सबसे अच्छा तरीका है। अगर आप उनके बहकावे में आकर उनके साथ सार्वजनिक रूप से बहस में पड़ जाते हैं, तो इससे चीजें आसान नहीं होंगी।

इस्लामिक देश बनाएंगे अपना 'नाटो'!

कतर पर इजराइली हमले का जवाब देने खाड़ी देश एकजुट

एजेंसी ▶▶ दोहा

कतर में इजराइल के हमले ने दोहा के साथ ही पूरी अरब दुनिया का ध्यान खींचा है। जवाबी कार्रवाई के लिए सीमित व्यावहारिक सैन्य विकल्पों के साथ कतर ने इजराइल के हमलों का 'सामूहिक' क्षेत्रीय जवाब देने की कसम खाई है। कतर के पीएम शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने बताया कि सहयोगियों के साथ विमर्श से जवाब देने पर फैसला होगा। दोहा में अरब और इस्लामी शिखर सम्मेलन में इस पर निर्णय होने की उम्मीद है। कतर पर हमले के बाद सऊदी अरब समेत ज्यादातर देशों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

क्षेत्रीय एकता दिखलाएंगे

खाड़ी के अरब देश उन विकल्पों पर विचार कर रहे होंगे, जो क्षेत्रीय एकता को प्रदर्शित करें। कतर के पीएम ने कहा है कि दोहा की प्रतिक्रिया का एक हिस्सा कानूनी क्षेत्र में होगा। इसमें अंतर्राष्ट्रीय कानून शामिल है। कतर ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इजराइली हमले की निंदा के लिए सर्वसम्मत बयान लाने में सफलता हासिल की।

नौकरी के साथ भी नौकरी के बाद भी करेंगे भ्रष्टाचार....?, मध्य भारत विद्युत ठेकेदार संगठन ने की शिकायत

एलआईसी का नारा विद्युत विभाग में हो रहा लागू...!

हरिभूमि, जबलपुर।

भारतीय जीवन बीमा निगम का नारा है जिंदगी के साथ भी जिंदगी के बाद भी वर्तमान में यही नारा मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में कार्यरत सेवा निर्मित अधिकारी लागू करते हुए दिखाई दे रहे हैं। नौकरी में रहते हुए न जाने कितना भ्रष्टाचार किया अब नौकरी के बाद भी भ्रष्टाचार कर रहे हैं, ये हम नहीं विद्युत विभाग का ठेकेदार संगठन कह रहा है.मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में पदस्थ कई अधिकारी रिटायर होने के बाद में भी न केवल भ्रष्टाचार में साथ दे रहे हैं बल्कि भ्रष्टाचार का एक उचित माध्यम बने हुए। मध्य भारत विद्युत ठेकेदार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जनार्दन प्रताप सिंह दुबे ने विद्युत कंपनी के रिटायर्ड कर्मचारियों पर निशाना साधते हुए इसकी शिकायत उन्होंने न केवल मुख्य विद्युत निरीक्षक भोपाल को भेजी है बल्कि राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को भी भेज दी है। दरअसल मप्र पूर्व विद्युत वितरण कंपनी में सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों को सुपरवाइजर बनाया जा रहा है। इनका काम विद्युत निर्माण के दौरान ठेकेदार के कार्य में उपस्थित रहना है। परंतु सुपरवाइजर बन चुके सेवानिवृत्त कर्मचारी ठेकेदार के कार्य में उपस्थित रहने की जगह अपने घर पर आराम करते हैं।

त्यागपत्र देकर करा देते हैं ठेकेदारों के लाइसेंस निरस्त

मुख्य विद्युत सुरक्षा कार्यालय ने 4600 लोगों के सुपरवाइजर की लिस्ट जारी की है जिसमें ढाई हजार से ज्यादा लोगों को पर्यवेक्षक परीक्षा में छूट की पात्रता थी। रिटायरमेंट होने के पश्चात यही लोग अपना सुपरवाइजर का लाइसेंस ठेकेदारों के लाइसेंस बनवाने में सहमति पत्र के तौर पर इस्तेमाल करते हैं, और एक बार एग्रीमेंट करने के पक्ष और फॉर्म भरकर देने के पश्चात ठेकेदारों का विद्युत लाइसेंस बन जाता है। इसमें यह शर्त भी जुड़ी हुई है कि यदि ठेकेदार का सुपरवाइजर अचानक से वह अपने पद से त्यागपत्र दे दे तो वह लाइसेंस इस समय से निरस्त भी माना जाता है। मुख्य विद्युत निरीक्षक कार्यालय द्वारा हर 3 महीने में इसकी एक सूची अलग से जारी की जाती है कि कितने ठेकेदारों के लाइसेंस निरस्त हो गए हैं।

एक ठेकेदार से डेढ़ लाख रूपये की फीस

देखने में आया कि अनेक सुपरवाइजर जिनके पास परमिट होता है वह एक ठेकेदार को पहले सहमति पत्र देते हैं और उसके एवज में ठेकेदार से डेढ़ लाख रुपए ले लेते हैं। फिर उसका लाइसेंस बनने के पश्चात 3 महीने बाद पुनः किसी दूसरे ठेकेदार का लाइसेंस बनवाने में अपना सहमति पत्र देते हैं, उससे भी डेढ़ लाख रुपए ले लेते हैं। यह क्रम निरंतर चलता रहता है। ऐसा करके यह विद्युत विभाग के अधिकतर रिटायर्ड अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिवर्ष 6 लाख से 10 लाख के बीच में कमा रहे हैं।

नहीं जाते साइट पर

संगठन ने आरोप लगाया कि ठेकेदार इस लाइसेंस के प्रति बार-बार लगाकर अपना हैंडिंग ओवर एवं अन्य कार्य लगातार साइट पर जारी रखता है जबकि सुपरवाइजर की उपस्थिति नहीं होती है? मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भी इसकी कोई जांच नहीं की जाती है कि वह विद्युत मुख्य विद्युत निरीक्षक कार्यालय के द्वारा सूची से एक बार मिलान करके पूरा ऐसे लोगों के लाइसेंस को निरस्त करें। इस सूची में एक मुख्य महाप्रबंधक के पद से रिटायर व्यक्ति का नाम भी शामिल है जो काफी सीनियर लेवल से रिटायर हुए हैं और काफी नामी व्यक्ति रहे हैं। यही नहीं इनके साथ कई रिटायर्ड चीफ इंजिनियर, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता, एवं सहायक अभियंता भी शामिल हैं।

प्रवर्तन निदेशालय से मांग

जेपी सिंह दुबे ने बताया कि उन्होंने आर्थिक अपराध शाखा एवं प्रवर्तन निदेशालय से भी मांग की है कि रिटायर होने के बाद जो विद्युत अधिकारी सुपरवाइजर के रूप में ठेकेदारों के यहां पदस्थ है , और जिसके आधार पर ठेकेदारों के लाइसेंस बने हुए हैं , सोलर वेंडर रजिस्ट्रेशन में भी इन्हीं कथित ठेकेदारों की कार्य करने एवं देखरेख की सहमति लगी हुई है। इन रिटायर्ड अफसरों (सुपरवाइजर)पर कार्यवाही की मांग की है।

ऑउटसोर्स कर्मचारी कर रहे ठेकेदारी

मध्य भारत विद्युत ठेकेदार संगठन विगत 5 वर्षों से लगातार मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के साथ साथ मध्य, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी पर लगातार निगरानी बनाए रखे हुए हैं । सभी जिला अध्यक्षों द्वारा यह सूचना लगातार दी जा रही है कि मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अंतर्गत कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी, लाइनमैन, कनिष्ठ अभियंता , सहायक अभियंता एवं संभागीय अभियंता, अधीक्षण अभियंता किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर ठेकेदारी करते हुए पाए जा रहे हैं, ठेकेदार की सहमति हेतु दबाव डालकर स्वयं कार्य संपादित किए जा रहे है।

इनका कहना है

65 से ज्यादा की उम्र पार कर चुके सेवानिवृत अधिकारी सुपरवाइजर बनकर न केवल युवाओं का हक मार रहे हैं बल्कि बिना काम के ठेकेदारों को हर साल 10-12 लाख रुपये भी ले रहे हैं। कंपनी की उदासीनता के कारण ये हो रहा है परंतु हमारे संगठन ने इसकी शिकायत उच्च स्तर पर की है। अगर कोई कार्यवाही नहीं होती तो जल्द ही पूर्व की भांति आंदोलन किया जाएगा।

जनार्दन प्रताप सिंह दुबे, अध्यक्ष
मध्यभारत विद्युत ठेकेदार संगठन मप्र

प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित करें : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रूप से राजस्व प्रकरणों के निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आरओआर, किसानों के ई-केवयासी, अतिक्रमण हटाने, धारणाधिकार, अवमानना के प्रकरण आदि पर चर्चा कर कहा कि 100 दिन की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें। कलेक्टर सिंह ने राजस्व प्रकरणों की पेंडेंसी खत्म करने के लिये आरसीएमएस में रोजाना दर्ज होने वाले प्रकरणों से अधिक का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों दिये। उन्होंने ई-ऑफिस, राजस्व कोर्ट, आरबीसी 6(4) शासकीय भूमि व भूमि आवंटन, नामांकन, बंटवारा, सीमांकन, अतिक्रमण, फार्मर रजिस्ट्री, फसल सर्वेक्षण, क्षतिग्रस्त कार्यालय-भवन व सीएम हेल्पलाईन के तहसीलवार समीक्षा की। साथ ही कहा कि सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त राजस्व विभाग से संबधित शिकायतों के निराकरण भी करें। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में तत्परता बरतने की हिदायत देते हुये कहा कि शिकायतों का निराकरण गुणवत्तापूर्ण और आवेदक की संतुष्टि के साथ किया जाये। बैठक के दौरान उन्होंने कृषि विभाग से जुड़े विषयों पर भी कृषि व राजस्व अधिकारियों के साथ चर्चा की और कहा कि उर्वरक वितरण व नरवाई प्रबंधन समुचित रूप से हो। बैठक में अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड सहित सभी राजस्व अधिकारी मौजूद थे।

पुरानी रंजिश पर चाकू से युवक पर जानलेवा हमला

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत नेता कालोनी में पुरानी रंजिश पर दो बदमाशों ने मिलकर एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। युवक के चाचा ने बीच बचाव किया तो दोनों ने जान से मारने की धमकी दी। घायल युवक को उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी नेता कालोनी निवासी नीलेश गत सुबह लगभग 10.50 बजे सैलून की दुकान में बाल कटाने गया था। तभी मोहल्लें के प्रिंस पटेल व क्रिस वहां आए और पुरानी रंजिश पर नीलेश के साथ गालीगलौज कर नीलेश को पकड़कर सैलून के बाहर खींचने लगे। प्रिंस और क्रिस ने जान से मारने की नियत से चाकू से नीलेश के पेट पर हमला कर घायल कर दिया। नीलेश के चाचा जयप्रकाश सिंह ने बीच बचाव किया तो दोनों ने जान से मारने की धमकी दी।

नवागत निगमायुक्त ने अधिकारियों की बैठक ली

शहर में लगे अवैध होर्डिंग्स की सूची पेश करने के निर्देश

हरिभूमि, जबलपुर।

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शनिवार की सुबह स्मार्ट सिटी कार्यालय में नगर निगम के सभी विभागीय प्रमुखों की एक बैठक लेकर शहर में चल रहे विकास कार्यों और प्रस्तावित कामों की समीक्षा की। पावर प्रजेन्टेशन के जरिए उन्हें चल रहे कामों से अवगत कराया गया। बैठक के दौरान उन्होंने सीवर, पेयजल, प्रकाश, स्वास्थ्य, उद्यान, पी.एम.आवास योजना, लोककर्म, एन.यू.एल.एम., स्थापना के साथ-साथ होर्डिंग विभाग की समीक्षा की और बैठक में सभी अधिकारियों को निगम की आय में वृद्धि करने के संबंध में ठोस उपाय करने के सख्त निर्देश दिये। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने आय वृद्धि करने के संबंध में होर्डिंग विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर में जितने भी अवैध होर्डिंग्स लगे हैं उनकी सूची तैयार कर उनके समक्ष में प्रस्तुत की जाए और वैध होर्डिंग्स से आय में वृद्धि करने की कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

निगम की आय बढ़ाने प्रयास करें

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि अभी वर्तमान में निगम की आय अपेक्षा से अधिक कम है। ऐसे में विकास कार्यों की गति को बढाया जाना संभव नहीं है । इसके लिए आप सभी को निगम की आय बढाने संबधी कार्य करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और इसके लिए उपाय करने के निर्देश दिए। उन्होंने डुमना नेचर पार्क से भी आय अर्जित करने के संबंध में भी प्लान तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होने अधिकारियों को कहा कि सभी लोग वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए इस दिशा में ठोस कार्यवाही सुनिश्चित करें।

पानी की टंकियों की गुणवत्ता पर ध्यान दें

निगमायुक्त ने जल प्रदाय, सीवर और अमृत योजना के कार्यों की भी समीक्षा की और कार्यों में गति लाने निर्देश देते हुए कहा कि उच्च स्तरीय पानी की टंकियों के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें और किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा रिस्टोरेशन के कार्यों को भी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करायें और हाउस होल्ड कनेक्शन पर विशेष फोकस रखें।

जर्जर भवनों को गिराने की कार्रवाई करें

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने जानमाल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भवन शाखा एवं अतिक्रमण विभाग के अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि जर्जन भवनों की सूची समक्ष में प्रस्तुत करें और जो अधिक जर्जर भवन है उन्हें तत्काल प्रभाव से गिराने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। निगमायुक्त ने मुख्यमंत्री अधोसंरचना, मुख्यमंत्री मॉनिट, कायाकल्प के साथ-साथ सी.एम.हेल्प लाइन के प्रकरणों की भी समीक्षा की और 100 प्रतिशत कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए कहा कि सी.एम. हेल्प लाइनों के प्रकरणों पर कार्यवाही कर निराकरण कराएं। बैठक में समस्त अपर आयुक्त, उपायुक्त, अधीक्षण यंत्री, सहा. आयुक्त एवं विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

पिकअप वाहन की टक्कर से कार सवार 2 घायल

जबलपुर। सिहोरा थाना अतंर्गत पंचवटी ढाबा के आगे मंदिर के पास महिंद्रा पिकअप वाहन ने एक कार में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कार में सवार दो युवक घायल हो गए वहीं कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मनकहरी थाना रामपुर बघेलान जिला सतना निवासी 38 वर्षीय अमित सिंह तिवारी अपने दोस्त अरविंद नायक की तबियत खराब होने से कार क्रमांक एमपी 17 जेड जी 6772 से इलाज कराने के लिये गत दिवस अरविंद नायक के साले अरूणेंद द्विवेदी तथा उनके दोस्त अरूण शर्मा के साथ जबलपुर से इलाज कराकर वापस मैहर जा रहे थे। कार अमित सिंह चला रहा था। रात्रि लगभग 10 बजे जैसे ही अपनी साइड से पंचवटी ढाबा के आगे मंदिर के पास पहुंचा, उसी समय जबलपुर की तरफ से पीछे से आ रहे महिंद्रा पिकअप नंबर एमपी 28 जेड एम 4796 के चालक ने उसकी कार में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कार में सवार अरूणेंद्र द्विवेदी और अरूण शर्मा घायल हो गए। एक्सीडेंट मे अरविंद नायक की कार का पिछला हिस्सा पूरी तरह टूट गया है। पुलिस ने आरोपी पिकअप वाहन के चालक कि खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125(ए) बी एन एस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने अधिकारियों की बैठक लेकर दिए कड़े निर्देश

नवरात्रि-दशहरा पर्व को लेकर पुलिस की सख्त तैयारी

हरिभूमि, जबलपुर।

संस्कारधानी में नवरात्रि और दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण व सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने शुक्रवार देर रात कंट्रोल रूम में महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। बैठक में एएसपी सिटी आयुष गुप्ता, एएसपी जोन-2 पल्लवी शुक्ला, एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा, एएसपी यातायात अंजना तिवारी, एएसपी अपराध जितेंद्र सिंह सहित समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना व चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

पारम्परिक परंपरा से निपटे त्यौहार

बैठक में कप्तान उपाध्याय ने साफ कहा कि दुर्गोत्सव और दशहरा के आयोजन पारम्परिक परंपरा से ही होंगे। प्रतिमाएं केवल पारंपरिक स्थानों पर स्थापित होंगी और जुलूस भी परंपरागत मार्ग से ही निकाले जाएंगे। उन्होंने संवेदनशील इलाकों में फिक्स पिकेट्स लगाने और विवादित स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए।

पेट्रोलिंग के साथ सीसीटीवी पर रहे फोकस

गरबा आयोजनों को लेकर कप्तान उपाध्याय ने कहा कि कार्यक्रम खुले स्थानों में न हों। आयोजन स्थल पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाएं और आयोजकों से पूर्व चर्चा कर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मंदिरों में जल चढ़ाने जाने वाली महिलाओं के रास्तों पर पर्याप्त प्रकाश और लगातार पेट्रोलिंग की व्यवस्था भी की जाएगी।

बड़े आयोजनों की सुरक्षा में न हो चूक

उन्होंने जोर देकर कहा कि बड़े कार्यक्रम स्थलों पर जहां भारी भीड़ होती है, वहां अलग से निर्गम द्वार बनाना अनिवार्य होगा। पंडालों की सजावट इस तरह हो कि अग्निशमन वाहन, एम्बुलेंस और पुलिस वाहन आसानी से आवागमन कर सकें। हर पंडाल में सीजफायर, रेत से भरी बाल्टियां और अग्निशमन यंत्र रखना जरूरी होगा। दानपेटी रात में पंडाल में न रखकर समिति पदाधिकारियों के पास सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए।

प्रत्येक घंटे पंडालों का निरीक्षण

कप्तान उपाध्याय ने थाना प्रभारियों को आदेशित किया कि क्षेत्र में स्थापित हर प्रतिमा की जवाबदारी बीट प्रभारी व आरक्षकों को सौंपी जाए। प्रभात और रात्रि गश्त अधिकारी प्रत्येक घंटे पंडालों का निरीक्षण करें और वालंटियर्स की उपस्थिति सुनिश्चित करें।

विघ्नसंतोषी तत्वों पर रखे पैनी नजर

अशांतिप्रिय और विघ्नसंतोषी तत्वों पर पैनी नजर रखने के आदेश दिए गए। सक्रिय गुंडे-बदमाशों को चिन्हित कर उनके आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने के निर्देश जारी किए गए। उन्होंने कहा कि छोटी से छोटी घटना की जानकारी भी मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचकर कानूनी कार्रवाई करें।

डीआईजी अतुल सिंह ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय का किया वार्षिक निरीक्षण

रिकॉर्ड रखरखाव की सराहना, वन टू-वन चर्चा

हरिभूमि, जबलपुर।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शनिवार को अनुशासन, पारदर्शिता और कार्यकुशलता की बड़ी परीक्षा हुई। मौका था डीआईजी जबलपुर रेंज अतुल सिंह के वार्षिक निरीक्षण का। डीआईजी सिंह ने पूरे कार्यालय की कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय स्वयं मौजूद रहे।

गार्ड ऑफ ऑनर के बाद हर शाखा पहुंचे

कार्यालय पहुंचते ही डीआईजी सिंह को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। तत्पश्चात उन्होंने शाखाओं का दौरा शुरू किया। स्टेनो शाखा, ओएम शाखा, पेंशन शाखा, स्थापना शाखा, एस.आर.सी शाखा, वेतन शाखा, भवन शाखा, शिकायत शाखा, सोशल मीडिया सेल और अपराध थाना तक किसी भी विभाग को नजरअंदाज नहीं किया गया। हर टेबल, हर फाइल और हर रजिस्टर की पड़ताल हुई।

वन-टू-वन सवाल, पलटाई फाइलें

निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने शाखाओं की साफ-सफाई और रिकॉर्ड रखने के तौर-तरीकों को संतोषजनक पाया। कई शाखाओं की फाइलों और दस्तावेज़ों का परीक्षण करने के बाद उन्होंने कप्तान उपाध्याय की मौजूदगी में संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों से सीधे संवाद किया। कर्मचारियों से कार्यशैली, चुनौतियों और लंबित मामलों पर सवाल-जवाब किए और तुरंत समाधान की अपेक्षा जताई।

लंबित मामलों और शिकायतों पर दी हिदायत

डीआईजी सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पुलिस कार्यालय सिर्फ कागजों पर नहीं, बल्कि जनता के विश्वास पर खरा उतरने का केंद्र है। शिकायत शाखा और सोशल मीडिया सेल को उन्होंने आम नागरिकों से आने वाली शिकायतों पर तत्परता और पारदर्शिता बरतने की हिदायत दी। वहीं पेंशन और वेतन शाखा में लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने पर जोर दिया।

अनुशासन और ईमानदारी ही बड़ी पहचान

निरीक्षण के अंत में डीआईजी ने साफ कहा कि अनुशासन और ईमानदारी ही पुलिस की सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण ने एसपी कार्यालय के कर्मचारियों को यह एहसास करा दिया कि वरिष्ठ अधिकारियों की निगाह हर गतिविधि पर है और अब कामकाज में लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी।

यह रहे उपस्थित

निरीक्षण के दौरान एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा, एएसपी यातायात अंजना तिवारी, डीएसपी मुख्यालय बीएस गोठरिया, डीएसपी ग्रामीण आकांक्षा उपाध्याय, रक्षित निरीक्षक जय प्रकाश आर्य और कार्यालय का समस्त अनुसचिवीय बल मौजूद रहा।

पमरे के जीएम, डीआरएम सहित अन्य को कैट का नोटिस

जबलपुर। कैट के न्यायिक सदस्य एके श्रीवास्तव एवं प्रशासनिक सदस्य मल्लिका आर्य की पीठ ने अवमानना याचिका पर पमरे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय, डीआरएम कमल तलरेजा, वरिष्ठ डीपीओ सुबोध विश्वकर्मा, वरिष्ठ खण्ड अभियंता शशिकांत कुमार, वित्त अधिकारी रजनीकांत व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 20 नवंबर को होगी। जबलपुर निवासी अर्जुन सिंह यादव की ओर से अधिवक्ता अजय रायजादा, अंजना श्रीवास्तव व अभिमन्यु सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता को एक जुलाई को दी जाने वाली वार्षिक वेतनवृद्धि नहीं दी गई। इतना ही नहीं रेलवे ने वेतन विसंगति बताते हुए उसके खिलाफ एक लाख 38 हजार रुपए की रिकवरी निकाल दी। कैट ने 28 नवंबर 2023 को रिकवरी पर रोक लगा दी थी। इसके बावजूद विभाग ने 30 अप्रैल 2025 को कहा कि याचिकाकर्ता सेवानिवृत्त हो रहा है, इसलिए उससे रिकवरी कर ली जाए। इसलिए अवमानना याचिका दायर की गई।

जिला मुख्यालय पर सौंपे जाएंगे ज्ञापन

किसान संघ की ट्रैक्टर वाहन रैली आज

जबलपुर। भारतीय किसान संघ के प्रांत उपाध्यक्ष मोहन तिवारी व जिलाध्यक्ष रामदास पटेल ने बताया कि प्रदेश व्यापी ज्ञापन कार्यक्रम के तहत किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर किसान संघ के नेतृत्व में 15 सितम्बर सोमवार को जबलपुर जिला मुख्यालय पर जिले के किसान विशाल ट्रैक्टर वाहन रैली में आकर किसानों की समस्याओं व मांगो के ज्ञापन सौंपेगें। प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बताया कि प्रदेशव्यापी अभियान के अवसर पर केंद्र सरकार से संबंधित समस्याओं को लेकर प्रधानमंत्री, राज्य सरकार की मुख्यमंत्री व स्थानीय समस्याओं के विषयों पर कलेक्टर के नाम पर जिला मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय घंटाघर में ज्ञापन सौंपेंगे।

ट्रैक्टर रैली का यह होगा मार्ग

जिला मंत्री धनंजय पटेल ने बताया कि सोमवार को कृषि उपज मंडी जबलपुर में 12 बजे किसानों का एकत्रीकरण होगा। उसके बाद छोटी सभा के बाद रैली कृषि उपज मंडी जबलपुर से प्रारंभ होकर, दमोहनाका, रानीताल, यातायात चौक, तीन पत्ती चौक, नौदरा ब्रिज, से घंटाघर में समाप्त होगी। जहां किसानों की विभिन्न मांगों व समस्याओं का ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा जाएगा।

बाल कृष्ण की नटखट लीलाओं ने मोह लिया भक्तों का मन

पंडित सुरेंद्र शास्त्री के सानिध्य में चल रही भागवत कथा, माखन चोरी, मटकी फोड़ और गोवर्धन पूजा का दिव्य आयोजन

हरिभूमि जबलपुर।

संस्कारधानी की पुरानी जगदम्बा कॉलोनी में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान शनिवार का दिन भक्तों के लिए आलौकिक और अविस्मरणीय रहा। कथा पंडाल में जब भगवान श्रीकृष्ण का बाल रूप प्रस्तुत हुआ, तो वातावरण भक्ति और आनंद से सराबोर हो गया। बाल स्वरूप कन्हैया ने ग्वाल-बालों संग माखन चोरी और मटकी फोड़ने की नटखट लीला रची, जिसे देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कन्हैया ने भक्तों को अपने हाथों से माखन का प्रसाद वितरित किया, जिससे हर कोई आनंदित हो उठा। कथा स्थल पर चरम भाव तब देखने को मिला जब श्रीकृष्ण ने अपनी नन्हीं अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाने की लीला की। पूरा पंडाल "जय कन्हैया लाल की" और "गोवर्धन महाराज की जय" के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर भगवान का अभिनंदन किया और छप्पन भोग लगाकर पूजन संपन्न कराया।

श्रद्धालुओं की उमड़ी अपार भीड़

आयोजन में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। सभी भक्त भजन, कीर्तन और जयकारों में मगन होकर भक्ति रस में डूबे रहे। कथा स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। चारों ओर पुष्प और दीपों की छटा से भक्ति का अद्भुत वातावरण निर्मित हुआ।

धर्म पर संकट तब-तब भगवान लेते हैं अवतार

व्यासपीठ से कथा का रसपान कराते हुए शिव मंदिर कचनार सिटी (बड़े शंकर जी) के मुख्य आचार्य एवं मां दक्षिणेश्वरी धाम के संस्थापक पं. सुरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज ने कहा कि जब-जब धर्म पर संकट आता है, तब-तब भगवान अवतार लेकर भक्तों की रक्षा करते हैं। उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण ने इंद्र के कोप से वृंदावनवासियों की रक्षा के लिए सात दिनों तक गोवर्धन पर्वत उठाए रखा। इस दौरान भगवान को भोग नहीं लगाया जा सका। बाद में भक्तों ने उनकी कृपा के आभार स्वरूप एक साथ छप्पन भोग अर्पित किए, जो आज भी परंपरा के रूप में जीवंत है। शास्त्री महाराज ने कहा कि भगवान की भक्ति ही जीवन को सार्थक बनाती है और भक्त को उनके सान्निध्य का अनुभव कराती है। पूजन-अर्चन की विधि पंडित अमित उपाध्याय और पंडित संजय उपाध्याय द्वारा संपन्न कराई गई। व्यासपीठ का पूजन वायके शर्मा की स्मृति में हनी शर्मा, सरला शर्मा और रश्मि शर्मा ने किया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर शरद शर्मा, अभय शर्मा, प्रभव, शांतनु, शिवा विश्वकर्मा, शिवम, रिया, प्रिंसी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। बाल कृष्ण की लीलाओं को देखकर हर किसी ने अनुभव किया मानो स्वयं द्वापर युग का दृश्य उनके सामने सजीव हो उठा हो।

ओबीसी महासभा ने सौंपा ज्ञापन

सिहोरा। ओबीसी महासभा के तत्वावधान में प्रदेश व्यापी अभियान के तहत जिला इकाई ने तहसील कार्यालय में अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जिसमें मुख्य रुप से ओबीसी आरक्षण 27 प्रतिशत लागू करने,13 प्रतिशत होल्ड हटाने, समाज की जातिगत जनगणना कराने, संख्या के आधार पर सभी जगह हक अधिकार व प्रतिनिधित्व देने सहित अन्य मांगे शामिल थी। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश सचिव गिरानी लाल कुशवाहा,संभागीय अध्यक्ष रामराज पटेल, छोटे पटैल, संतराम पटेल,जितेन्द्र कुमार कुर्मी, मनोज पटैल, भारत लाल पटेल, शीतल काछी,संतकुमार पटेल, अजय पटैल, बीरेंद्र पटेल, महेंद्र पटेल, सुरेन्द्र पटैल, दीवान जितेन्द्र पटैल, अमित पटैल, सोनेलाल पटेल, डब्बल चौधरी, कोमल प्रसाद, प्रमोद मुकेश कुमार पटैल आदि उपस्थित थे।

अभियंताओं की हिंदी दिवस पर काव्य गोष्ठी आज

जबलपुर। द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), जबलपुर लोकल सेंटर के तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर एक अनूठी अभियंता काव्य गोष्ठी का आयोजन 14 सितंबर, रविवार को अपरान्ह 4:00 बजे से जबलपुर लोकल सेंटर, सिविल लाइन्स में किया जा रहा है। विशेष बात यह है कि यह कार्यक्रम गूगल मीट के माध्यम से हो रहा है, जिससे देशभर के अभियंता ऑनलाइन अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। गोष्ठी के संयोजक इंजी. सुरेन्द्र सिंह पंवार ने जानकारी दी कि इस काव्य गोष्ठी में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे इंजीनियर हिस्सा लेंगे, जिन्होंने इंजीनियरिंग के साथ-साथ हिंदी साहित्य और काव्य पाठ में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। गोष्ठी के आयोजन अध्यक्ष आचार्य संजीव वर्मा 'सलिल' होंगे। गोष्ठी में इंजी. अमरेन्द्र नारायण, इंजी. अरविंद मोहन नायक, इंजी. प्रियदर्शन खैरा (भोपाल), डॉ. दुर्गेश ब्योहार, इंजी. विवेक रंजन श्रीवास्तव (भोपाल), इंजी. कपिल चौबे (सागर), इंजी. अनिल कोरी (जबलपुर), इंजी. संजीव अग्निहोत्री (मंडला), प्रो. यशद गौर (बैंगलोर), इंजी. हेमन्त जैन, इंजी. सरस जैन, डॉ. उदय भानु तिवारी 'मधुकर' काव्य पाठ करेंगे।

प्रतियोगिता में जबलपुर जिले के 180 खिलाड़ियों ने भाग लिया

डिस्ट्रिक बैंच प्रेस प्रतियोगिता आयोजित

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक खेल संघ के जिला अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि अभी हाल ही में सम्पन्न हुई 25वीं डिस्ट्रिक बैंच प्रेस प्रतियोगिता का आयोजन सामुदायिक भवन, पुलिस लाइन में किया गया, जिसका उद्घाटन श्री हरि, सतवीर जाट जाट, जगदीश रजक के द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता में स्ट्रांग वुमेन का खिताब सुनीता, पूजा, नैन्सी, खेता और मोही ने प्राप्त किया। एवं स्ट्रांग मेन प्रजल, इंजमाम, शशांक एवं एस. तंडेलू ने खिताब प्राप्त किया। प्रतियोगिता का समापन अशोक रोहाणी विधायक केंट, कमलेश अग्रवाल, राम सोनकर की उपस्थिति में किया गया। प्रतियोगिता संपन्न कराने में विस्टन लाल, ललित जॉन, सुनील सोनकर, दीनू स्वामी, रोमित, अम्लेदु वर्मा, लॉरेंस मार्टिन, राकेश श्रीवास, मीनुकान्त शर्मा, रऊफ खान उपस्थित रहे। मंच संचालन दीपक टिंगरे और मानसिंह ने निभाया। प्रतियोगिता में जबलपुर जिले के 180 खिलाड़ियों ने भाग लिया और प्रतियोगिता को सफल बनाने में पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने अपना योगदान दिया।

श्री गिरिबापू करेंगे श्री शिव महापुराण कथा का वाचन

मां नर्मदा को प्रदूषण से बचाने महायज्ञ 17 नवंबर से

हरिभूमि जबलपुर।

मैं नर्मदा हूं। जब गंगा नहीं थी, तब भी मैं थी। जब हिमालय नहीं था, तब भी मैं थी। मेरे किनारों पर नागर सभ्यता का विकास नहीं हुआ। ऋषियों में से एक ने मेरा नाम रखा रेवा। रे० यानी कूदना। उन्होंने मुझे चट्टानों में कूदते फांदते देखा तो मेरा नाम रेवा रखा। एक अन्य ऋषि ने मेरा नाम नर्मदा रखा। नर्म यानी आनंद। आनंद देनेवाली नदी। मैं भारत की सात प्रमुख नदियों में से हूं। गंगा के बाद मेरा ही महत्व है। पुराणों में जितना मुझ पर लिखा गया है, उतना और किसी नदी पर नहीं। स्कंदपुराण का रेवाखंड तो पूरा का पूरा मुझको ही अर्पित है। मुझ पर कई बांध बांधे जा रहे हैं। शहरों की पूरी गंदगी मुझमें समा रही है। मेरे लिए यह कष्टप्रद तो है पर जब अकालग्रस्त, भूखे-प्यासे लोगों को पानी, चारे के लिए तड़पते पशुओं को, बंजर पड़े खेतों को देखती हूं, तो मन रो पड़ता है। आखिर में माँ हूं।

मां नर्मदा की इसी पीड़ा को समझते हुए मां नर्मदा अस्तित्व संरक्षण समिति ने मां नर्मदा को प्रदूषण से बचाने के अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में मां नर्मदा को प्रदूषण से बचाने के लिए 17 से 25 नवंबर तक श्री शिव समाराधन महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन नर्मदा कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस प्रांगण घड़ी चौक विजय नगर में किया जा रहा है। स्वामी महेन्द्रानंद महाराज ने बताया कि मां नर्मदा को शुद्ध करने और प्रदूषण से बचाने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में संत शामिल होंगे। इसमें प्रमुख रूप से अनंत श्री विभूषित जगद गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज(द्वारिका शारदा मठ) का पदर्पण होगा साथ ही जगद्गुरु राघवदेवाचार्य महाराज, जगद्गुरु डॉ स्वामी नरसिंहदेवाचार्य महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि महाराज, दादा पगलानंद महाराज, ब्रह्मचारी चैतन्यानंद महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी राधे चैतन्य महाराज, विदुषी ऋचा गोस्वामी, ऋषभ देव आदि हैं।

प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक श्री शिव महापुराण कथा का वाचन गिरिबापू करेंगे। वहीं प्रातः 8 से 10 बजे तक यज्ञ के अनुष्ठान होंगे। जिसमें यजमान आहुति प्रदान करेंगे। यह आयोजन नर्मदा अस्तित्व संरक्षण समिति एवं यज्ञ समिति के तत्वावधान में हो रहा है जिसके समायोजक स्वामी महेंद्रानंद महाराज एवं विधायक डॉ अभिलाष पांडे, नवनीत माहेश्वरी, कैलाश गुप्ता, प्रकाश मालपाणी, डॉ राजेश धीरावाणी, पंडित राम मूर्ति मिश्रा, कौशल यादव, हरकृष्ण पचौरी, श्याम मनोहर पचौरी, विष्णु शंकर पटैल, जीतेन्द्र पचौरी, रमन मिश्रा, गौरी शंकर तिवारी, ब्रजेश बादल, मुकेश ठाकुर, ओमकार दुबे, देवेंद्र पचौरी, शेखर सराफ, बलराम यादव, मनोज पटैल, विनय चौहान, सुदर्शन सोनकर (मुन्ना भैया), सोहित ठाकुर, राम किशोर करसोलिया, कैलाश साहू, आदि ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है।

महालक्ष्मी अष्टमी पर शोभायात्रा आज

जबलपुर। परमकृपालु, सर्वशक्तिशाली माँ कालचक्र महाकाली की असीम कृपा से समस्त श्रद्धालुजन एवं नगरवासियों को सूचित किया जाता है कि आगामी 14 सितम्बर 2025 (रविवार) को पावन महालक्ष्मी अष्टमी के शुभ अवसर पर एक दिव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह भव्य शोभायात्रा शीतला माई मंदिर से दोपहर 12:00 बजे आरंभ होगी, जिसमें माँ कालचक्र महाकाली की झांकी के साथ बैंड, डीजे एवं धमाल मंडल श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक माँ की अगवानी में सम्मिलित होंगे। शीतला माई मंदिर, घमापुर चौक, भानतलैया, राजा रसगुल्ला कोतवाली, खेरमाई मंदिर, हनुमानताल, कमानिया गेट, बड़ा फुहारा, लार्डगंज थाना, सुपर मार्केट, मालवीय चौक, तीन पत्ती चौराहा, शास्त्री ब्रिज, छोटी लाइन फाटक, गोरखपुर, कटंगा, विरमानी पेट्रोल पंप, गणेश चौक पेंटीनाका सदर, डिलाइट टॉकीज थाना सिविल लाइन।

श्री दुर्गा हनुमान मंदिर में नवरात्र पर्व पर होंगे धार्मिक आयोजन

जबलपुर। श्री दुर्गा हनुमान मंदिर सरस्वती कॉलोनी चेरीताल स्थित मंदिर प्रांगण में एक बैठक पं.वासुदेव शास्त्री के सानिध्य में आयोजित की गई। इस बैठक में शारदेय नवरात्रि पर्व पर नौ दिवसीय विविध कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में तय किया गया कि 22 सितम्बर बैठकी से 1 अक्टूबर दुर्गा नवमी तक प्रतिदिन प्रातः एवं सायं श्रृंगार आरती दर्शन भजन संकीर्तन प्रातः प्रभात फेरी सहित नवमीं तिथि पर हवन पूर्णाहुति कन्या भोज, महाप्रसाद वितरण (भंडारा)के साथ भव्य आयोजन होंगे। बैठक में समिति अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार नेमा, पं. वीरेंद्र दुबे, राजेश शर्मा, राजेंद्र तिवारी, राजीव दुबे, नवीन नेमा, सुनील ताम्रकार, प्रशांत गुप्ता, विकास चौहान, अरविंद तिवारी, संदीप नेमा, नितिन दुबे, अंकित बहरे, आशीष नेमा, संजय शर्मा आदि अनेक सदस्य गण उपस्थित रहे।

नवनियुक्त ननि आयुक्त को रविदास समाज ने मांग पत्र सौंपा

जबलपुर। संत रविदास समाज ने नवनियुक्त नगर निगम आयुक्त राम प्रसाद अहिरवार को मांगपत्र सौंपकर बताया कि पूर्व में दमोहनाका चौक पर 20 वर्ष पुराना रविदास मंदिर था, पूर्व कमिश्नर वेद प्रकाश शर्मा एवं समाज के लोग एकत्रित होकर ओवरब्रिज का भूमि पूजन कर रहे थे तब बोला गया था कि ब्रिज का कार्य पूर्ण होने पर आपको पुनः जगह देकर मूर्ति स्थापित की जाएगी, इसी संदर्भ को लेकर 12 सितम्बर को आयुक्त नगर निगम राम प्रसाद अहिरवार को ज्ञापन देकर अपनी मांग रखी गई। उन्होंने चर्चा कर आश्वासन दिया, कि जगह देखकर संत रविदास जी की मूर्ति लगाई जाएगी। इस अवसर पर महासचिव राजेंद्र चौधरी, किशोरी लाल भलावी, मनोज मास्टर, राकेश बुधवानी, अशोक चौधरी, राहुल चौधरी सहित बड़ी संख्या में रविदास समाज के लोग उपस्थित थे।

निधन

श्री सुरेश सुन्मरिया- श्री सुरेश सुन्मरिया छोटू भाई का निधन हो गया है उनका अतिंम संस्कार परिजनों द्वारा गवारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती मीना बाई- 126, ठक्करग्राम निवासी श्री भाई लाल की धर्मपत्नी श्रीमती मीना बाई (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रमाकांत यादव- सरकारी कुआं घमापुर निवासी श्री रमाकांत यादव (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री हीतेश बहादुर- पचपेढ़ी रोड निवासी श्री तेज बहादुर के पुत्र श्री हीतेश बहादुर (31) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुमित्रा बाई खटीक- भानतलैया खटीक मोहल्ला निवासी श्री मुन्ना लाल खटीक की धर्मपत्नी श्रीमती सुमित्रा बाई खटीक (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मीरा- गली नं. 2, बादशाह हलवाई मोड़ गौरीघाट रोड निवासी श्री रमेश की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अजय बंशकार- लालमाटी बंशकार मोहल्ला हनुमान मंदिर के पास निवासी श्री नरेश बंशकार के पुत्र श्री अजय बंशकार (29) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नंद किशोर चौधरी- गली नं. 2, बादशाह हलवाई मंदिर के पास निवासी श्री मधु चौधरी के पुत्र श्री नंद किशोर चौधरी (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरोज कोरी- भरतीपुर बड़ी ओमती निवासी श्री पूरन लाल कोरी की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज कोरी (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री किशन चंद बहरानी- बिलहरी निवासी श्री किशन चंद बहरानी (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजाराम ठाकुर- संजय नगर अधारताल निवासी श्री कल्लू ठाकुर के पुत्र श्री राजाराम ठाकुर (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सूर्य प्रसाद निगम- शंकरशाह नगर रामपुर निवासी श्री सूर्य प्रसाद निगम (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुरेश कुमार- पुरानी बस्ती कजरवारा निवासी श्री सुरेश कुमार (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती भागवती बाई- मांडवा शिवाजी नगर रामपुर निवासी श्री सरजू प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती भागवती बाई (98) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अमिता श्रीवास- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री ओम प्रकाश श्रीवास की धर्मपत्नी श्रीमती अमिता श्रीवास (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री रमेश रेड्डी- समदड़िया अभिनंदन आवासीय परिसर दमोहनाका निवासी श्री रमेश रेड्डी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में विगत दिवस संपन्न हुआ।

श्रीमती मोम बाई चौधरी- कजरवारा निवासी श्री शिवचरण चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती मोम बाई चौधरी (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में विगत दिवस किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308294, 9407362160

हिंदी में निहित है अनेकता में एकता और विश्व बंधुता की भावना: प्रो.अरुण शुक्ला

जबलपुर। पीएम प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय महाकौशल महाविद्यालय में राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर 1 सितंबर से 14 सितंबर तक आयोजित हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत शनिवार को विद्यार्थी कवि सम्मान का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां वीणा वादिनी की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम शुभारंभ किया गया। तदोपरांत महाविद्यालय के यशस्वी डॉ अलकेश चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में हिंदी की विशेषताओं को व्यक्त करते हुए नवोदित कवियों को शुभकामनाएं व्यक्त की। कार्यक्रम संयोजक प्रो अरुण शुक्ल ने अपने बताया कि हिंदी में राष्ट्र का विकाश निहित हैं तथा में ही अनेकता में एकता और विश्व बंधुता की भावना है कार्यक्रम में युवा कवि एवं शोधार्थी अमित जैन मौलिक, भाऊराम महंत, अजय मिश्रा अजेय, प्रतिभा पटेल, रंजना ब्रह्मवंशी, सुषमा मौर्य, दिनेश सेन शुभ, अनुराग दुबे , विद्यार्थी सक्षम सिंह, अमित यादव,निलेश चौधरी, नेहा भाटिया, लवकुश चौधरी सुदर्शन प्रजापति त्रिभुवन सिंह ने एक से बढ़कर एक कविताओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

घर पर गिरने से युवक की मौत

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत पावर हाउस कंचनपुर में घर पर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पावर हाउस कंचनपुर निवासी 58 वर्षीय मुन्ना गोटिया गत 8 सितंबर को घर में गिर जाने के कारण परिजनों द्वारा मेडीकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार दौरान गत शाम 7.15 बजे मुन्ना गोटिया की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

न्यायालय नायब तहसीलदार अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र./0930/अ-6/2025-26

आम इश्तहार

आवेदक अरविन्द चौबे पिता स्व. रमेश चौबे निवासी आनंदनगर गली-3, अधारताल द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र क्र./ दानपत्र क्रमांक/ वसीयत क्र./ फौत दि./.... दिनांक....के माध्यम से मौजा/ बैतला नजूल ब्लाक नं.बं. 52 प.ह.नं. 22/25 स्थित भूमि खसरा नं./प्लाट नं./ 3/1/8/1 रकवा 1800 वर्गफुट पर विक्रेता/ वसीयतकर्ता/फौत/दानकर्ता पवन कुमार भार्गव से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रयपत्र / दानपत्र / एवं फार्म पी-।। खसरा की छाया प्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्त नामांतरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति /संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक.... तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता द्वारा पेश कर सकता है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक.... इश्तहार किया गया।

जारी दिनांक-10/09/2025 नायब तहसीलदार
पेशी दिनांक-25/09/2025 तहसील अधारताल
मुद्रा जबलपुर

महाविद्यालयों में शुगर व ऑयल बोर्ड बताएंगे पिज्जा-बर्गर में कितना तेल?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सीबीएसई स्कूलों के बाद अब महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में भी शुगर बोर्ड लगेंगे। विशेष बात यह है कि स्कूलों में जहां सिर्फ शुगर बोर्ड ही लगाया गया है, वहीं कॉलेजों में शुगर के साथ ऑयल बोर्ड भी लगाया जाएगा। देश के सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के विद्यार्थी अब पिज्जा, समोसा, पकौड़ा, चिप्स, फ्रेंच फ्राइज, बर्गर खाने से तेल और शुगर की कितनी मात्रा ली, वह जानेंगे। छात्र-छात्राओं को लाइफस्टाइल संबंधित बीमारियों से बचाने के उद्देश्य से स्वस्थ भोजन खाने से जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया जा रहा।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षण संस्थानों के हॉस्टल, कैंटीन, मेस, कक्षाओं और कॉरिडोर में ऑयल और शुगर बोर्ड लगाने का निर्देश दिया है। डिब्बाबंद भोजन और जंक फूड की बोतल और पैकेट का डिस्प्ले भी होगा। इसमें जानकारी होगी कि किसमें कितना ऑयल और शुगर है। यूजीसी ने राज्यों के सचिव और मेडिकल, इंजीनियरिंग, फार्मेसी, विश्वविद्यालयों, मैनेजमेंट कॉलेजों के निदेशकों और कुलपतियों को पत्र लिखा है।

युवाओं को जागरूक करना जरूरी

यूजीसी ने अपने खत में लिखा है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रिपोर्ट के अनुसार युवा पीढ़ी खान-पान की गलत आदतों की वजह से टाइप टू डाइबटीज, हाइपरटेंशन, दिल की बीमारी समेत अन्य बीमारियों की चपेट में आ रही है। इनसे बचाव को जागरुकता ही बचाव ऑयल और शुगर बोर्ड में रोजमर्रा खाद्य पदार्थों में छिपे बसा और शुगर के बारे में जानकारी होगी। एक सर्वे के अनुसार, एक गुलाब जामुन में 203 कैलोरी और 32 ग्राम चीनी, डिब्बाबंद जूस में 36 ग्राम चीनी और 171 ग्राम कैरडेरी, चॉकलेट में 240 ग्राम कैलोरी व 25 ग्राम शुगर, पेस्ट्री में 212 ग्राम कैलोरी और 20 ग्राम शुगर, समोसा में 362 अम कैलोरी व 28 ग्राम फैट, कचौड़ी में 147 ग्राम कैलोरी व 10 अम फैट, बर्गर में 590 ग्राम कैलोरी और 20 ग्राम फैट, फ्रेंच फ्राइज में 342 कैलोरी तो 17. ग्राम फैट, पिल्या में 1377 ग्राम कैलोरी तो 40 ग्राम फैट होता है।

3 करोड़ जनता के 'आरोग्य' से होगा छत्तीसगढ़ विकसित

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 'डेंटल कॉन्फ्रेंस 2025' का भव्य शुभारंभ शनिवार को हुआ। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया। उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) छत्तीसगढ़ के प्रेसिडेंट डॉ. अरविंद कुमार, पूर्व प्रेसिडेंट डॉ. राजीव सिंह, कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन डॉ. वैभव तिवारी सहित देशभर से आए सैकड़ों दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। तीन दिवसीय इस आयोजन के दौरान स्माइल डिजाइनिंग, लेज़र डेंटिस्ट्री और अन्य आधुनिक दंत चिकित्सा तकनीकों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए जाएंगे, जो प्रतिभागियों को नवीनतम जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर दंत चिकित्सा उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और आईडीए की वार्षिक स्मारिका का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि मानव की मुस्कान सबसे कीमती है और उसे सुरक्षित रखने व सहेजने में दंत चिकित्सकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। दांतों की देखभाल और सुंदर मुस्कान देने में आपका योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नए विचारों और तकनीकी दृष्टिकोणों को साझा करने का एक उत्कृष्ट मंच है।

■ तीन दिवसीय आयोजन में आधुनिक दंत चिकित्सा तकनीकों पर होंगे व्याख्यान

सीमा पार हथियार तस्करी का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े सीमा पार हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 18 पिस्तौल और 1,847 कारतूस बरामद किए। पूरे क्रम का पता लगाने, सभी सदस्यों की पहचान करने और पूरे तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए जांच जारी है। डीजीपी ने कहा कि पंजाब को सुरक्षित रखने के लिए पुलिस सीमा पार अपराध और संगठित तस्करी नेटवर्क से लड़ने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद वारासिवनी, जिला बालाघाट (म.प्र.)

// निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
8.	क्र 2025_UAD_450574_1 दिनांक : 11.09.2025	Construction of Platform and shed in ward no. 11 Mokshadham and ward no. 13, 14 Mehendwada Road Mokshadhan at Waraseoni	समयावधि : 2 माह लागत : 5,97,957/-	नि.प्र. : 2000/- ईएमडी : 5,980/-	29.09.2025

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका परिषद
वारासिवनी, जिला बालाघाट

कार्यालय नगर पालिका परिषद् धनपुरी जिला-शहडोल म.प्र.

क्रमांक/ न.पा./लो.नि./2025-26/1194 धनपुरी दिनांक:-12/09/2025

ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक एवं टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	1140- DATE-03.09.2025 2025_UAD_449393_1	Construction of Beautification work of shopping Complex and supply/Flaxing of Decorative Poles at ward no 13 in front of SBI	120 दिन 101.01 लाख	12500/- एवं 50500/-	06-10-2025 05:30 PM
1.	1127- DATE-02.09.2025 2025_UAD_448745_1	Construction of BT Road and Supply/Fixing of Decorative Poles at ward no1,2,3 Girls hostel to Saraikapa Road	60 दिन 244.89 लाख	15000/- एवं 122500/-	06-10-2025 05:30 PM

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् धनपुरी
जिला शहडोल म.प्र.

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड कटनी

E_mail :- mp.eephedkat@gmail.com Phone no. 07622-225752

क्रमांक 3225 / का.यं. / निप्रको. / लो.स्वा.यां.परि.खण्ड/2024 कटनी, दिनांक 10.09.2025

निविदा आमंत्रण सूचना
क्रमांक 33 एवं 34/25-26

ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल http://www.mptender.gov.in पर जिले के विभिन्न विकासखंडो के ग्रामों में स्थापित हैण्ड पम्पों के संधारण कार्य हेतु निम्नानुसार निविदा म.प्र. लोक निर्माण विभाग में नवीन पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत फर्मो से आमंत्रित है।

हैण्ड पम्प संधारण कार्य

33/25-26	2025_PHED_450668	विकासखंड रीठी में स्थापित हैण्ड पम्पों के संधारण कार्य	26.78	50000	5000	एक वर्ष
34/25-26	2025_PHED_450669	विकासखंड कटनी में स्थापित हैण्ड पम्पों के संधारण कार्य	21.17	42340	5000	एक वर्ष

ऑन लाईन निविदा क्रय एवं बिड की तिथि - 25.09.2025 18.00 बजे
ऑन लाईन निविदा दर खोलने की तिथि - 26.09.2025 10.00 बजे

निविदा फार्म ऊपर दर्शित बेबसाईट पर (Online System) क्रेडिट कार्ड या ऑनलाईन भुगतान कर ही कय किये जा सकते है। निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दर्शाई गई बेबसाईट पर देखे।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग 'परियोजना
खण्ड कटनी फोन नं. -07622-225752

G-18629/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

ग्रामीणों को जालसाजों ने फांसा, महीनों ठगते रहे

जादुई कलश में डूब गए दो करोड़ रुपए से ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जशपुरनगर

जादुई कलश के नाम पर भोले-भाले ग्रामीणों को करोड़पति बनने का सपना दिखाकर करोड़ों रुपयों की चपत लगाने वाले चार आरोपियों को जशपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ठगों की बनाई हुई रोचक कहानी ने लोगों को इतना भ्रमित कर दिया कि उन्होंने अपनी गाढ़ी कमाई उन्हें सौंप दी। पुलिस ने चारों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है, जबकि दो आरोपी अब भी फरार बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार वर्ष 2021 से 2024 तक आरोपियों ने आरपी ग्रुप नामक फर्जी कंपनी बनाई।

गिरफ्तार आरोपी

पुलिस ने इस मामले में जिन चार ठगों को पकड़ा है उनमें राजेंद्र कुमार दिव्य (46), निवासी ग्राम जोरहा डबरी, कोरबा– वर्तमान में रायपुर। तुरेंद्र उर्फ मनीष कुमार दिव्य (38), निवासी ग्राम जोरहा डबरी, कोरबा। प्रकाश चंद्र धृतलहरे (40), निवासी ग्राम गोंढीकला, पत्थलगांव, जशपुर। उपेंद्र कुमार सारथी (56), निवासी लीचीरमा, सीतापुर, सरगुजा। पुलिस ने इनके कब्जे से कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज, एक कार और मोबाइल जब्त किया है, जिसकी कीमत लगभग 13 लाख रुपए बताई गई है।

पुलिस टीम की बड़ी सफलता

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देश पर एसडीओपी पत्थलगांव धुर्वेश कुमार जायसवाल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। इस टीम ने बिलासपुर, कोरबा और सीतापुर में दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

छग सीएम बोले- जीएसटी में बदलाव से अब 90 फीसदी सामान सस्ते

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने जीएसटी में बड़ा बदलाव कर देश की जनता को बड़ी राहत देने का काम किया है। जीएसटी के नए रीफार्म से 90 फीसदी सामान सस्ते होंगे। जिन परिवारों के घर का खर्च साल में तीन से साढ़े तीन लाख रुपए होता है, उनको हर साल 50 हजार रुपए बचेंगे। हर वर्ग को जीएसटी में बदलाव का फायदा मिलेगा।

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए सीएम साय ने कहा, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने आयकर में ऐतिहासिक छूट के बाद अब जीएसटी के स्लैब का सरलीकरण, इसके रेट में अभूतपूर्व सुधार आम आदमी के जीवन को खुशहाल करने वाले और व्यापार उद्योग को नई गति देने वाले हैं। इससे न सिर्फ लोगों की बचत में ऐतिहासिक वृद्धि होगी, बल्कि जीएसटी कानूनों के सरलीकरण से अब व्यापारी भी अधिक सुगमता के साथ अपना कार्य कर सकेंगे। मां शक्ति की आराधना के पावन पर्व नवरात्रि से लागू होने वाले यह नए प्रावधान देश को आर्थिक रूप से और शक्तिशाली बनाएंगे।

श्री साय ने कहा, 101वें संविधान संशोधन द्वारा 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने से पहले तक भारत में कांग्रेस के शासनकाल में 17 प्रकार के टैक्स और 13 प्रकार के सेस लागू थे।

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत शाखा, एकल निविदा
निविदा दिनांक 11.9.2025, ई–निविदा

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (टीआरएस) पश्चिम मध्य रेल नई कटनी जंक्शन, भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु ई–निविदा आमंत्रित करता है। निविदा सूचना क्रमांक : न.क.ज. एएमसी– एचवाईटीव्हीललेथ–टी25 दिनांक 11/09/2025, कार्य का नाम लोकेशन सहित : डीजल लोको शेड, नई कटनी जंक्शन में एचवायटी अन्डर फ्लोर व्हील लेथ मशीन का 03 वर्ष के लिये एकल निविदा आधार पर ओईएम के माध्यम से काम्प्रीहेन्सिव एनुअल मेन्टेनेंस कॉन्ट्रेक्ट। निविदा का अनुमानित मूल्य (रूपये में): रू.1,29,74,867.93/–, अर्नेस्ट मनी/बिड सिक्योरिटी राशि (रूपये में): रू. 2,14,900/–, समापन अवधि (माह) : 36 माह। निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय (12.00 बजे तक) : 07.10.2025। उपरोक्त ई–निविदा की संपूर्ण जानकारी वेबसाइड "http://ireps.gov.in" पर उपलब्ध है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।

हस्ता.
कृते वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर (टीआरएस)
पश्चिम मध्य रेल, नई कटनी जंक्शन

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी दक्षिण (सा.) वनमण्डल बालाघाट

E_mail:- dfotsbghat@mp.gov.in विज्ञप्ति Phone-07632-248414

श्री टीकाराम हनोते वनपाल पिता स्व. श्री मुशी हनोते वार्ड नं. 02 भटेरा चौकी पम्प हाऊस गली बालाघाट म.प्र. एवं श्री हिमाशु घोरमारे वनरक्षक पिता श्री डुलचंद घोरमारे ग्राम पोस्ट सारड़ा तह. लाजी जिला बालाघाट वर्तमान पता वार्ड नं. 33 मोती नगर कुमार फर्नीचर के पिछे बालाघाट।

श्री टीकाराम हनोते वनपाल की दक्षिण सामान्य वनमंडल के अन्तर्गत लालबर्रा सा. परिक्षेत्र में परिक्षेत्र सहायक लालबर्रा के पद पर पदस्थ थे एवं श्री हिमांशु घोरमारे वनरक्षक लालबर्रा सामान्य परिक्षेत्र में बहियाटिकुर बीट गार्ड के पद पर पदस्थ थे। उनकी पदस्थिति के दौरान कक्ष क्रमांक 440 में वन्य प्राणी बाघ का शव पाया जिसके सबंध में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 16036/06 दिनांक 02.08.2025 दर्ज कर विवचेना की कार्यवाही की जा रही है एवं दि. 03.08.2025 से आप कार्यालय से अनुपस्थित पाये गये एवं जांच कार्यवाही जो की आपके प्रभार कार्य क्षेत्र की है में आपके द्वारा किसी प्रकार का सहयोग एवं अन्य जानकारी साजा नही की जा रही है इसके साथ ही आपके द्वारा अपने मोबाईल नम्बर बंद करके रखा है, जो कृत्य म.प्र. सिविल सेवा आरचरण नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत है जो गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। इसके पूर्व भी आपको अपने कर्तव्य पर उपस्थिति होने हेतु विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया गया था, किन्तु आप लोगों के द्वारा दिनांक 03.08.2025 से बिना सूचना दिये लगातार आज दिनांक तक अपने कर्तव्य पर उपस्थित न होकर जांच में सहयोग प्रदान नहीं किया जा रहा है।

अत: आप दोनो को विज्ञप्ति के माध्यम से अंतिम बार सूचित किया जाता है, कि आप विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 02 दिवस के भीतर अपने कर्तव्य पर उपस्थित होवे, अन्यथा आपके विरूद्व सेवा से पृथक करने की नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी, जिसके लिये आप स्वंय जिम्मेदार होगें।

वनमंडलाधिकारी
दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट

G-18633/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड परासिया

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा जारी करने का दिनांक 11.09.2025

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-प्रोक्युरमेंट ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदाओ हेतु निविदा प्रपत्र डाउन लोड / क्रय करने की दिनांक 11.09.2025 से प्रारंभ है।

कार्य का नाम- छिन्दवाड़ा जिले के विकासखण्ड परासिया के 6 ग्राम एवं 3 कस्बों में संचालित पैंचव्हेली समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत मेनपॉवर एवं आवश्यकतानुसार रसायन उपलब्ध कराना तथा 16 एम. एल. डी. चरई समूह जल प्रदाय योजना के एक वर्ष का संधारण एवं संचालन और 33 केव्ही विद्युत उपकेंद्र संबंधित गांवों में डी.आई. ग्रेव्हिटी मेन ओर वितरण एवं अन्य कार्यो की निविदा

ई टेण्डर आई.डी. क्रमांक	निविदा क्रमांक/ दिनांक	अनुमानित लागत (रू) लाख में	अमानत राशि रूपये	निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपये	बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि/समय	बिड ओपन करने की तिथि/समय	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2025_PHED_450807_1	46/25-26/ 11.09.2025	158.11	158110	2000	25.09.2025 05:30 PM	26.09.2025 05:30 PM	लो.नि.वि. म.प्र. के नवीन केन्द्रीयकृत पद्धति पर"स" एवं उससे ऊपर	1 वर्ष

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क, केश - कार्ड, ए. टी. एम. कम डेबिट कार्ड अथवा इन्टरनेट बैंकिंग एकाउंट के माध्यम से उपरोक्त बेवसाइड पर भुगतान कर केवल ऑनलाईन पर ही क्रय किए जा सकते है।

विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित बेवसाईड पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड परासिया (म. प्र.)

G-18617/24

हिन्दुजा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कार्पोरेट कार्यालय: 167-169, द्वितीय तल, लिटिल माउंट मेट्रो स्टेशन, साईपेठ, चेन्नई- 600015
रीजनल ब्रांच ऑफिस: 101-बी, प्रथम तल एनआर के बिजिनेस पार्क विजय नगर, इंदौर (म.प्र.) 452010 Email - auction@hindujahousingfinance.com

परिशिष्ट IV कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)

जहां तक अधोहस्ताक्षरी के अधिकृत अधिकारी होने के नाते हिन्दुआ हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (HHFL) के प्राधिकृत अधिकारी और वित्तीय परिसंपत्तियो के पुर्ननिर्माण और सुरक्षा इंट्रेस्ट एक्ट 2002 के प्रवर्तन के तहत और सेक्शन 13(12) के तहत (प्रदत्त) शक्तियों के प्रयोग में सुरक्षा इंटेस्ट (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ा जाता है। उधारकर्ताओं को कंपनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किए गए नोटिस उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर नोटिस में उल्लेखित राशि को चुकाने के लिए नीचे दिए गए निर्देशों का उल्लेख किया गया है उधारकर्ता राषि को चुकाने में विफल रहा है, इस बात की जानकारी उधारकर्ताओं, गारंटरो और आम जनता को दी गई है कि अधोहस्ताक्षरी ने संपत्ति के अधिकार में नीचे वर्णित संपत्ति का अधिग्रहण कर लिया है, जो उस पर प्रदान की गई शक्तियों के खंड (4) के अधीन है। उक्त अधिनियम के 13 सुरक्षा इंट्रेस्ट प्रवर्तन नियम 2002 के सह नियम (8) के साथ पढ़े जाते हैं। आम तौर पर जनता को इस बात के सावधान किया जाता है कि उधारकर्ता संपत्ति का सौदा न करें और संपत्ति के साथ किसी भी सौदे के लिए एचएफएल के बदलाव का विषय होगा। राशि के अनुसार ब्याज के साथ यहां उल्लेख किया है।

नाम और पता उधारकर्ता गारंटर/सहउधारकर्ता	डिमांड नोटिस तिथि देय राशि	सुरक्षित संपत्ति का विवरण	कब्जा तारीख एवं प्रकार
MP/JBR/GDWR/A000000128 स्वर्गीय श्री दीपक दुबे के कानूनी उत्तराधिकारी श्रीमती मनीषा दुबे	26.06.2025 Rs. 5,60,9611/-	परिवर्तित भूमि के सभी टुकड़े मौजा हनुमान वार्ड गुरुदरवारा वार्ड क्रमांक 8 फोन नं. 99/18/1 एन.बी 119 ब्लॉक स्तर बाईखेड़ा तहसील अदम्य जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) पिन कोड 487551, कुल क्षेत्रफल -2610 वर्ग फीट, सीमाएं - पूर्व - शिंदेजी का मकान, पश्चिम - राजोरिया और दुबे जी का मकान, उत्तर - 2.0 मीटर चौड़ी सड़क, दक्षिण - लाई सिंह का प्लॉट	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000584 श्री सुनील तिवारी श्रीमती संगीता तिवारी	10-06-2025 Rs. 18,24,526/-	संपत्ति का पूरा हिस्सा, पी.एच. नं. 35, नायब नं. 162 आर.आई./ ब्लॉक नं. ए-2 फ्लेट नं. 308 मौजा चौकाताल जबलपुर एम.पी. कुल क्षेत्रफल - 885 वर्ग फीट। सीमाएं - पूर्व - फ्लेट नं. ए-2/307, पश्चिम - सीढ़ियां, उत्तर - गलियारा, दक्षिण - खुला क्षेत्र	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/CDWR/A000000102 श्री सुनील कोल्हटकर श्री रेखा कोलाहटकर श्री सीता कोलाहटकर	10-06-2025 Rs.4,09,970/-	मौजा लोधीखेड़ा बी.नं. 355 पी.एच. नं. 51 रन.म. सौसर जिला छिंदवाड़ा म.प्र. 480108 कुल क्षेत्रफल - 1136 वर्ग फीट सीमाएं - पूर्व - लूला कोष्टी का मकान, पश्चिम - लक्ष्मण धनोड़े का मकान, उत्तर - अब्बूलाल कोष्टी का मकान, दक्षिण - रोड	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000428 श्री सुरेंद्र रायकवार श्रीमती योगिता रायकवार	11-06-2025 Rs. 5,45,488/-	यह सब और संपत्ति का हिस्सा मौजा करेली सुभाष वार्ड फोन नं. 17/40, एनबी 50 तहसील करेली जिला नरसिंहपुर एमपी खसरा नं. 166/46, 166/47 का हिस्सा है। कुल क्षेत्रफल - 400 वर्ग फीट। सीमा - पूर्व - सड़क, पश्चिम - सुंदर का घर, उत्तर - क्रेता की भूमि, दक्षिण - सतीश रेकवार की भूमि	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000362 MP/JBR/JBLP/A000000532 श्री देवी सिंह ठाकुर श्रीमती पुष्पा ठाकुर	11-06-2025 Rs. 20,15,409/-	संपत्ति का वह हिस्सा जो प्लॉट है मौजा डोंगरिया पीएच क्रमांक 14/73 तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट खसरा 259/4 कुल क्षेत्रफल - 3200 वर्ग फीट। सीमाएं - पूर्व - पेट्रोल पंप, पश्चिम - सोनवाने एवं अन्य की संपत्ति, उत्तर - उदेलाल सिरसाम की संपत्ति, दक्षिण - बालाघाट वरसिंवनी पीडब्ल्यूडी रोड	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000246 MP/JBR/JBLP/A000000460 श्री धनि कुमार श्रीमती दुर्गा बाई नामदेव	11-06-2025 Rs. 25,83,344/-	भूखंड संख्या 57 क्रमांक के बाद खसरा क्रमांक 354 8ए 355 का भूमि भाग। 402 पी.0 नं. 16 आरएनएम महाराजपुर तहसील पनागर जिला जबलपुर म.प्र कुल क्षेत्रफल - 800 वर्गफीट। सीमाएँ - पूर्व - खुली भूमि, पश्चिम - साइड रोड, उत्तर - बजरी लाल, दक्षिण - विक्रेता की भूमि	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000643 श्री कल्पना राजेंद्र मिश्रा श्री राजेंद्र मिश्रा	11-06-2025 Rs 20,13,763/-	संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा जो प्लॉट है मौजा माधोताल पीएचनं 25/31 नया 01, आर.एन.एम जबलपुर 01 डायवर्सन भूमि खसरा बो 61/1 का हिस्सा, नामांतरण के बाद खसरा नं. 61/18 का नया हिस्सा पंडित दीन दयाल वार्ड नई बस्ती पुरानी तहसील जबलपुर नया अधारताल और जिला जबलपुर एमपी कुल क्षेत्रफल - 54.368 वर्गमीटर सीमा - पूर्व - सामुदायिक भवन, पश्चिम - साइड रोड, उत्तर - राजेंद्र अरोड़ा का प्लॉट, दक्षिण - साइड रोड	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000777 श्री महेश पटेल श्रीमती प्रीति पटेल	11-06-2025 Rs 19,09,676/-	संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा मोझा मानेगांव एन.बी.681 फोन 26/57 आवास महाराजपुर पुराना नया जबलपुर तहसील रांझी जिला जबलपुर खसरा नंबर 13/1, 14/1 प्लॉट नंबर 37/ए रकबा क्षेत्रफल - 54.368 वर्गमीटर सीमा - पूर्व - कंजरवेंसी, पश्चिम - सान्याल बनर्जी, उत्तर - 15 फीट साइड रोड, दक्षिण - लखन लाल	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/SEON/A000000153 MP/JBR/SEON/A000000227 श्री नारायण प्रसाद शर्मा श्रीमती सुषमा शर्मा	11-06-2025 Rs. 7,14,281/-	उक्त सम्पूर्ण सम्पत्ति मोझा डूंडा सिवनी पीएचनं 52/44 आर.आई.0 सिवनी -2 तहसील सिवनी जिला सिवनी म.प्र. कसरा नं. 452/135, कुल क्षेत्रफल - 960 वर्ग फीट है। सीमाएं - पूर्व - गुलाब बली का मकान, पश्चिम - सड़क, उत्तर - सड़क, दक्षिण - रितेश पटेल का मकान	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/NRSP/A000000254 श्री नरेन्द्र घारु श्रीमती पूजा घारु	11-06-2025 Rs.16,02,924/-	संपत्ति का वह सारा पार्सल मौजा इमलिया एन.बी. 22 पी.एच.एन.ओ. 93/18/2 आर.एन.एम. तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर नगरपालिका गाडरवारा राजेंद्र बाबू वार्ड नंबर 02 खसरा नंबर 19/7, कुल क्षेत्रफल - 760 वर्गफुट। सीमाएं - पूर्व - दुर्गा प्रसाद का घर, पश्चिम - पंडित जी का प्लॉट, उत्तर - कच्चा रोड, दक्षिण - नरेंद्र कौरव का प्लॉट	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/SEON/A000000100 श्री पवन राय श्री बसंत राय	11-06-2025 Rs.6,60,373/-	यह सम्पूर्ण सम्पत्ति मोजा मानेगांव पीएच. नं.106 आर एन एम बाबरिया थाना सिवनी जिला सिवनी खसरा नं. 156/24 600 वर्गफुट, सिवनी, मध्य प्रदेश, कुल क्षेत्रफल - 600 वर्गफुट। सीमाएं - पूर्व - सड़क, पश्चिम - मिसिया ढहेरिया का प्लाट, उत्तर - मोहन बरकड़े, दक्षिण - सड़क	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000510 श्री रवि कुमार श्रीवास्तव श्रीमती रंजीता श्रीवास्तव	11-06-2025 Rs. 24,28,389/-	मौजा छोटा छिंदवाड़ा पटवारी हल्का नं. 45/16, नायब- 175 तहसील - गोटेगांव जिला - नरसिंहपुर में खसरा नं. 203/16, 203/17, कुल क्षेत्रफल - 971 वर्ग फीट में फैली सम्पत्ति का पूरा टुकड़ा। सीमाएं - पूर्व - राहुल पटेल का मकान, पश्चिम - लक्ष्मी पाटकर का मकान, उत्तर - बगासपुर रोड, दक्षिण - नाथ का मकान	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/BLGT/A000000224 श्री डोलन सिंह गांगिन श्रीमती सुमित्रा बाई गंगिन	13-06-2025 Rs. 13,33,918/-	संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा प्लॉट गांव -सादरा पी.एच.नं. 10/32, आरएनएम सादरा, तहसील - लांजी और जिला - बालाघाट एम.पी. खसरा नं. 256/10/1 कुल क्षेत्रफल - 872 वर्ग फीट। सीमाएं - पूर्व - पंचायत रोड, पश्चिम - विक्रेता की शेष भूमि, उत्तर - पंचायत रोड, दक्षिण - विजय कुमार की भूमि	10/09/2025 Symbolic
MP/CDA/PDHA/A000000020 श्री ईश्वर चौरासे श्रीमती कलावती चौरासे	13-06-2025 Rs. 4,97,046/-	संपत्ति की पूरी भूमि खसरा नं. 121/25, पारद सिंघा पीएचएन 23, बी. नं. 236, आरएनएम सुआसर, तहसील सुआसर जिला:- छिंदवाड़ा कुल क्षेत्रफल - 1200 वर्ग फीट। सीमाएं - पूर्व - भुवन सोनवाने की भूमि, पश्चिम - 12 फीट कच्ची सड़क, उत्तर - लक्ष्मण की भूमि, दक्षिण - कच्ची सड़क	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/BLGT/A000000473 श्री नरेन्द्र उदयपुरे श्रीमती वन्दना उदयपुरे	13-06-2025 Rs. 8,90,000/-	संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा वार्ड क्रमांक-00, मौजा- मंगेझरी, खसरा नंबर-733, पीएचएन- 47, आरएनएम-मेढ़की, तहसील वारासिवनी, बालाघाट, वारासिवनी, ग्रामीण बालाघाट, मध्य प्रदेश, भारत - 481331 कुल क्षेत्रफल - 1722 वर्ग फीट। सीमाएं - पूर्व - नरबद पुत्र शिवचरण की भूमि, पश्चिम - मारुति पुत्र चित्रम का मकान, उत्तर - भट्टीटोला रोड, दक्षिण - सरकारी भूमि	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/KTNI/A000000179 श्री प्रभा सिंह श्रीमती कीर्ति राज सिंह	13-06-2025 Rs. 11,76,597/-	मकान नं. जूनियर लिग. 10, एम.पी. हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, झिंझरी, महाराणा प्रताप वार्ड नं. 44 के पास, जिला कटनी, मध्य प्रदेश, भारत - 483501 कुल क्षेत्रफल - 48.12 वर्ग मीटर सीमा - पूर्व - मकान नं. 9, पश्चिम - मकान नं. 11, उत्तर - सड़क, दक्षिण - मकान नं. 5	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000527 श्री श्याम लाल चौधरी श्रीमती मंजू चौधरी	11-06-2025 Rs. 11,82,616/-	यह सारी संपत्ति एमपी हाउसिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड पुरवा कॉलोनी जबलपुर हाउस नंबर लिग-09 महाराणा प्रताप वार्ड नंबर 16 तहसील और जिला जबलपुर एमपी, कुल क्षेत्रफल - 22.74 वर्ग मीटर है। सीमाएं - पूर्व - रोड, पश्चिम - LIG- 21, उत्तर - LIG- 08, दक्षिण - LIG-10	10/09/2025 Symbolic
MP/CDA/PDHA/A000000021 श्री राकेश ठाकरे श्री सुखदेव ठाकरे श्री वच्छला ठाकरे	10-06-2025 Rs. 5,13,391/-	मौजा बेरडी बी. नं. 280 पी.एच.नं.16 आर.एन.एम. और तह. सौसर जिला छिंदवाड़ा म.प्र. ख. क्रमांक 71/3/2, सौसर, सौसर, शहरी छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश, भारत - 480106, सौसर, शहरी छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश, भारत - 480106 कुल क्षेत्रफल - 0.005 हेक्टेयर। सीमाएँ - पूर्व - महादेव खन्यादेत की भूमि, पश्चिम - सड़क - उत्तर - विक्रेता की भूमि, दक्षिण - विक्रेता की भूमि	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/CDWR/A000000367 श्री अनीश खान श्रीमती फ़ैज़ा खान	10-06-2025 Rs. 13,46,469/-	वार्ड क्रमांक 09 मौजा चांद पीएच नंबर 24 एन.बी. नंबर 80 चासिद खसरा नंबर 460/19 आर.आई सर्कल चांद और तहसील चांद, जिला छिंदवाड़ा कुल क्षेत्रफल - 1500 वर्ग फीट सीमाएं - पूर्व - अखिलेश तिवारी का मकान, पश्चिम - सड़क, उत्तर - सड़क, दक्षिण - अंशुल तिवारी का मकान	10/09/2025 Symbolic
MP/KTN/SHDL/A000000133 श्री अरविंद कुमार पांडे श्रीमती किरण पांडे	10-06-2025 Rs. 13,96,902/-	मोंज़ा सोहागपुर पटवारी हल्का नंबर 77 खसरा नंबर 1813/1/3/2, जिला शहडोल कुल क्षेत्रफल - 133.269 वर्गमीटर सीमाएँ - पूर्व - ठाकुर साहब का घर, पश्चिम - सड़क, उत्तर - शुक्ला जी का घर, दक्षिण - शांति पांडे का घर	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/CDWR/A000000114 स्वर्गीय श्री उमाशंकर इनवाती के कानूनी उत्तराधिकारी श्रीमती स्नेहलता इनवाती	26.06.2025 Rs. 14,62,409/-	ग्राम अमरवाड़ा के सभी टुकड़े पार्सल बी.नं. 01 पी.एच.एन. 46 आरएनएम अमरवाड़ा 01 खसरा नं.234/1/7/4/4, तहसील अमरवाड़ा जिला छिंदवाड़ा एम.पी- 480001, कुल क्षेत्रफल -0.009 हेक्टेयर, सीमाएं - पूर्व - 8 फीट रोड, पश्चिम - शिवदयाल जावरिया का मकान, उत्तर - चंपालाल यादव का मकान, दक्षिण - कोमल वंशकार का मकान	10/09/2025 Symbolic
MP/KTN/SHDL/A000000240 श्री ब्रज किशोर यादव श्रीमती नीताशा यादव	25-06-2025 Rs. 10,87,917/-	फ्लैट संख्या 002, बी विंग, भूतल, वास्तु हिल्स, श्रीगांव गांव, बदलापुर पूर्व तालुका, अंबरनाथ जिला, ठाणे - 401107 में स्थित है। कुल क्षेत्रफल 525 वर्ग फुट। सीमा - पूर्व - फ्लैट की आंतरिक दीवार, पश्चिम - लॉबी/लिफ्ट, उत्तर - फ्लैट संख्या 01, दक्षिण - फ्लैट संख्या 02।	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000340 श्री संजय सिंह ठाकुर श्री शिवम सिंह श्रीमती ममता सिंह	10-06-2025 Rs. 43,32,379/-	नामांतरण के बाद भूमि संख्या 73/2, खसरा क्रमांक 73/1, मोंज़ा आमनपुर, स.नं. 5, पीसी क्रमांक 32, नरसिंह वार्ड, मकान क्रमांक 876, गली क्रमांक 5, प्लाट क्रमांक 38, तहसील व जिला जबलपुर, कुल क्षेत्रफल - 1800 वर्ग फीट, सीमाएं - पूर्व - सड़क किनारे, पश्चिम - नाला, उत्तर - दुर्गा रायकवार का मकान, दक्षिण - ओम श्रीवास्तव का मकान	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/GDWR/A000000023 श्री प्रमेश कुमार भार्गव श्री क्रांति कुमार भार्गव श्रीमती कुसुम भार्गव	10-06-2025 Rs. 13,06,935/-	मौजा - पाटलोन, नं. 248, पीएच.नं.93/18/1, गाडरवारा ब्लॉक साईखेड़ा, तहसील गाडरवारा, जिला-नरसिंहपुर, खसरा नं. 82/78, 114/103, रकबा 0.014 कुल क्षेत्रफल - 1500 वर्गफुट सीमाएँ - पूर्व - एल. एल. बाथरे का घर, पश्चिम - श्रीवास्तव जी का घर, उत्तर - 25 फीट" सीसी रोड, दक्षिण - विश्नोई जी का घर	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/GDWR/A000000144 श्री दीपक पटेल, श्रीमती उमा बाई श्री जगदीश प्रसाद	10-06-2025 Rs. 9,65,974/-	मौजा बिलथरी, पटवारी हल्का 23, नं. 326, तहसील तेंदूखेड़ा, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) कुल क्षेत्रफल - 1800 वर्ग फीट सीमाएं - पूर्व - भीकम और रामसेवक का मकान, पश्चिम - बद्री मेहरा और कल्याण सिंह का मकान, उत्तर - दण्डता का प्लाट, दक्षिण - दण्डता का प्लाट	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/NRSP/A000000139 श्री सम्यक लुनावत श्री रिखब चंद लुनावत श्रीमती किरण लुनावत	10-06-2025 Rs. 18,76,103/-	ग्राम पंचायत जनौर, मौजा जनौर, संपत्ति पटवारी हल्का 16/36, ऋण पुस्तिका क्रमांक एल-एनए- 18-0007296, जिला-नरसिंहपुर (मध्य प्रदेश) कुल क्षेत्रफल - 7500 वर्गफुट सीमाएँ - पूर्व - सीता राम का खेत, पश्चिम - महावीर पटेल का खेत, उत्तर - सीता राम का खेत, दक्षिण - सड़क	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/NRSP/A000000196 श्री हरिओम अग्रवाल श्रीमती बबीता अग्रवाल	10-06-2025 Rs. 21,76,774/-	मौजा डेडवारा, खसरा नं. 69/168, एन.बी. नं. 233, पीएचएन 16/42, आर.एन.एम. तहसील और जिला नरसिंहपुर का पूरा आवासीय परिसर, कुल क्षेत्रफल - 750 वर्ग फीट, सीमाएं - पूर्व - सड़क, पश्चिम - अकरम चौधरी का मकान, उत्तर - देवेश पांडे का मकान, दक्षिण - नेमा का मकान	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/NRSP/A000000200 श्री अनूप कुमार वर्मा श्रीमती प्रतीक्षा श्रीवास्तव	10-06-2025 Rs10,51,227/-	असर संख्या मौजा इमलिया, खसरा संख्या 95/64, 96/46, 95/65, 96/47, नं.बी.नं.17, फोन नं.13/35, तहसील करेली, जिला नरसिंहपुर कुल क्षेत्रफल - 487 वर्ग फीट सीमाएं - पूर्व - सुरेश मेहरा का मकान, पश्चिम - प्रीति श्रीवास्तव का मकान, उत्तर - महाराज जी का मकान, दक्षिण - सड़क	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/SEON/A000000192 श्री नीरज साहू श्रीमती नीतू साहू श्रीमती राधा साहू	10-06-2025 Rs. 18,00,991/-	संपत्ति के सभी टुकड़े और पार्सल मौजा आमानाला, पुराना खसरा नंबर 318/5/1 म्यूटेशन के बाद नया खसरा नंबर 318/5/1, पी.एच.नं. 54/16 आर.आई.सी.-धनौरा/तहसील जिला. सिवनी, मध्य प्रदेश कुल क्षेत्रफल - 571.62 वर्गमीटर सीमाएँ - पूर्व - प्रलाद / माणकलाल चौधरी का घर, पश्चिम - देवेन्द्र / नरेंद्र श्रीवास्तव का घर, उत्तर - धनारो से सुनवारा रोड, दक्षिण - हिम्मत चौधरी की भूमि	10/09/2025 Symbolic
MP/CDA/JAMI/A000000021 श्री प्रकाश मंडोकर श्रीमती पुष्पा मंडोकर	13-06-2025 Rs. 5,69,053/-	संपत्ति का वह पूरा हिस्सा मोझा-संतूर पीएचएन नं.23, एन.बी 376, तहसील सुआसर और जिला छिंदवाड़ा एम.पी. मकान नं. 180 का हिस्सा कुल क्षेत्रफल - 520 वर्ग फीट। सीमाएं - पूर्व - बालकृष्ण मांडेकर की खुली भूमि, पश्चिम - विक्रेता श्री दीवाकर का बचा हुआ मकान, उत्तर - बाबूराव चौधरी का मकान, दक्षिण - सी.सी. रोड	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/KTNI/A000000218 श्री सुनील कुमार डागोर श्री उमेश डागोर	13-06-2025 Rs. 11,98,941/-	संपति का वह सारा पार्सल मोझा-खिरहानी, पी.एच.नं. 41/44, एन.बी.-407, आरआईसी- मुरवारा, खसरा नंबर 1513/76 रोशन नगर वार्डनं. 18 खिरहनी कटनी तहसील एवं जिला कटनी म.प्र. कुल क्षेत्रफल - 520 वर्गफुट। सीमाएँ - पूर्व - सतीश डागोर का प्लॉट, पश्चिम - लक्ष्मण डागोर का प्लॉट, उत्तर - सड़क, दक्षिण - खुली भूमि	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/CDWR/A000000348 श्री विकास थोर श्रीमती श्रद्धा थोर	13-06-2025 Rs. 6,83,954/-	मोझा की जा रही सम्पत्ति का पूरा हिस्सा - खैरीताईगांव बी.नं. 87 पी.एच.नं 57 आर.आई. सर्किल लोधीखेड़ा तहसील सुआसर और जिला पांढुर्ना एम.पी. कुल क्षेत्रफल - 687 वर्ग फीट। सीमाएं - पूर्व - 12 फीट सीसी रोड, पश्चिम - विकास थोर का घर, उत्तर - 15 फीट सीसी रोड, दक्षिण - पुष्पा थोर का घर	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/CDWR/A000000377 श्री सोयल बख्श श्रीमती नफ़िश बख़्स	13-06-2025 Rs. 20,68,330/-	संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा मोझा- छिंदवाड़ा खसरा बी. नं. 177, आर.आई. सर्किल - तहसील- छिंदवाड़ा और जिला- छिंदवाड़ा पी.एच. नं. 22/19, खसरा नं. 2087/13 और 2087/38 कुल क्षेत्रफल - 306.69 वर्ग मीटर। सीमाएं - पूर्व - सुखाजी का खुला प्लॉट और रहीम खान का घर, पश्चिम - सड़क, उत्तर - रेलवे लाइन, दक्षिण - जाहिद खान का घर	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A0000000329 स्वर्गीय श्रीमती भावना कनौजिया के कानूनी उत्तराधिकारी श्री मयंक कनौजिया, श्री गोपाल रजक	26.06.2025 Rs. 15,47,483/-	सर्वे क्रमांक/मकान क्रमांक 1452, मौजा संजय गांधी वार्ड, वार्ड क्रमांक 41, ब्लॉक 26, प्लॉट क्रमांक 5/2, आर. सर्किल जबलपुर, जिला लैबलपुर (मप्र), 4-8 2008. कुल क्षेत्रफल - 0.049 हेक्टेयर, सीमाएं - पूर्व - हीरालाल भारती का प्लॉट, पश्चिम - संजय रायकवार का प्लॉट, उत्तर - विजय सिंह का मकान, दक्षिण - लेन	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000605 श्री अमित टेकाम श्री रमई सिंह टेकाम	11-06-2025 Rs. 17,44,752/-	यह सम्पूर्ण संपत्ति मोझा बिलपुरा पीएचएन 53 रांझी जबलपुर खसरा क्रमांक 53/1/2 मकान क्रमांक 14 मर्शी बाल्मिक वार्ड क्रमांक 78 बिलपुरा जबलपुर 1000 वर्ग मीटर है। सीमा - पूर्व - मकान क्रमांक 8, पश्चिम - मकान क्रमांक 13, उत्तर - साइड रोड, दक्षिण - पड़ोसी संपत्ति	10/09/2025 Symbolic
MP/IBR/JBLP/A000000626 श्री दिवाकर सिंह गौड़ ठाकुर श्रीमती अंजलि धुर्वे	10-06-2025 Rs. 23,32,223/-	संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा जो प्लॉट है मोजा बिलपुरा पी.एच.एन 53 द रांझी जबलपुर खारा एन. 593/1/2 प्लॉट एरिया 1000 वर्ग फीट, ग्राउंड फ्लोर एरिया 1000 वर्ग फीट, पाइंट फ्लोर 70 वर्ग फीट हाउस नंबर 8 मर्शी बाल्मीक वार्ड नंबर 78 बिलपुरा जबलपुर एम.पी. 1000 वर्ग फीट सीमाएं - पूर्व - हाउस नंबर 7, पश्चिम - हाउस नंबर 10 और 9, उत्तर - विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण - 20' साइड रोड	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/KTNI/A000000550 श्री अनुपम दुबे श्रीमती नरेंद्र दुबे	10-06-2025 Rs. 24,29,359/-	मौजा इंदिरा गांधी वार्ड मुरवारा, नायब तहसीलदार क्रमांक 493, पीएच क्रमांक 45/2, खसरा क्रमांक 35/11, तहसील एवं जिला कटनी, 1280 वर्ग फीट स्थित है। सीमा - पूर्व - विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम - विक्रेता की शेष भूमि, उत्तर - 15 फीट चौड़ी सड़क, दक्षिण - अन्य की भूमि	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/SEON/A000000045 श्री शुभम राजपूत श्री इंद्रपाल सिंह राजपूत	11-06-2025 Rs. 21,90,421/-	संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा मोझा प्रतापुर केवल पीएच नंबर 69/48 नया पीएचएन 115 आर.आई.सी नंबर सिवनी -2 तहसील सिवनी जिला सिवनी एम.पी. पुराना खसरा नंबर 87/35, नया केएच नंबर 87/48, कुल क्षेत्रफल - 1764 वर्ग फीट है। सीमाएं - पूर्व - रामेश्वर पटेल की भूमि, पश्चिम - सड़क, उत्तर - विक्रेता की भूमि, दक्षिण - अन्य व्यक्ति का क्षेत्र	10/09/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000530 श्री पवन कुमार विश्वकर्मा श्रीमती गीता विश्वकर्मा	11-06-2025 Rs. 6,97,673/-	मौजा बधान नंबर 328/46 पीएचएन 34/16 नया 20 (बढन) आरएनएम जबलपुर - 2 जबलपुर एनएच 7 से 500 मीटर। वीर दुर्गा दास राठौड़ वार्ड नं. 71 पुरानी तहसील जबलपुर नवीन तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर खसरा नंबर 143/2 रकबा 0.1300, कुल क्षेत्रफल- 600 वर्गफीट। सीमाएं - पूर्व - साइड रोड, पश्चिम - प्लॉट नंबर 22, उत्तर - प्लॉट नंबर 15, दक्षिण - प्लॉट नंबर 13	10/09/2025 Symbolic

वैधानिक नोटिस उधारकर्ताओं / जमानतदार

उधारकर्ताओं / जमानतदारों को स्टेटमेंट नोटिस द्वारा सावधानी पूर्वक कहा जाता है कि संपत्ति को किसी भी समय सार्वजनिक नीलामी / निविदाओं के माध्यम से बेंचा जा सकता है और इस तरह इसे सुरक्षा (बयाज) प्रवर्तन नियम 2002 नियम 6, 8 और 9 के तहत एक नोटिस के रूप में भी माना जा सकता है। प्राधिकारी अधिकारी मोबाईल नं.- Vaibhav Shrivastav - 7987969803, Rajesh Chakotiya - 84355 71111, Gaurav Naik 7587748188

दिनांक - 14/09/2025 प्राधिकृत अधिकारी, हिन्दूजा हाऊसिंग, फायनेंस लिमिटेड

नेपाल में 'जेन जी' आंदोलन प्रथम दृष्टया एकदम स्वतः स्फूर्त प्रतीत हो रहा था। किंतु कुछ ही घंटों के पश्चात स्पष्ट हो गया कि आंदोलन केवल एक विरोध भर नहीं है। क्योंकि नौजवान आंदोलन में बहुत भारी संख्या में हिंसक उपद्रवी दाखिल हो गए। राजतंत्र की पुनर्स्थापना के हिंसक समर्थक और विदेशी एजेंट बड़ी तादाद में नेपाल में जनतंत्र विरोधी एजेंडे को अंजाम देने के लिए विध्वंस में उतर गए। नेपाल में सन् 2008 के बाद से अभी तक के 17 वर्षों के दौरान 13 प्रधानमंत्री राजसत्ता के शिखर पर आसीन हुए। तकरीबन सभी नेपाली राजनेताओं के भ्रष्टाचारी दलदल में आकंठ तक डूब जाने के कारण विद्यार्थियों में विद्रोह की विकट भावना को जाग्रत कर दिया। एक तरफ नेपाल में राजनेताओं के परिवारों की विलासपूर्ण जिंदगी की तस्वीरें और दूसरी तरफ नेपाली नौजवानों में 21 प्रतिशत बेरोजगारी और गुरबत। इन विकट हालात ने नौजवानों में बगावत की आग उत्पन्न की। संसदीय जनतंत्र के 17 वर्ष के दौर में राजनेताओं द्वारा नौजवानों की बेरोजगारी और उचित मांगों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अख्तियार किया गया। नेपाली जनतंत्र के नेताओं और नौजवानों के मध्य ऐसी गहरी खाई उत्पन्न हो गई कि जिसे पाटना तकरीबन नामुमकिन हो गया। यही आंदोलन का कारण रहा। नेपाल के आंदोलन का विश्लेषण करता आजकल का खास अंक...

नेपाल में युवा विद्रोह की जड़ें कहां

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में नौजवानों के हिंसक विद्रोहों के मध्य बहुत कुछ एक सा घटनाक्रम प्रतीत होता है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल तीनों देशों के नौजवान बड़े पैमाने पर बेरोजगारी से संत्रस्त रहे हैं। तीनों देशों के नौजवानों में बेरोजगारी की दर तकरीबन 20 प्रतिशत रही है अर्थात पांच नौजवानों के मध्य से एक नौजवान बेरोजगारों की कतार में हताश-निराश खड़ा हुआ है। नौजवानों के हिंसक विद्रोह का शिकार बने तीनों देशों के शासक रणनीतिक और राजनीतिक तौर पर कम्युनिस्ट चीन के अत्यंत निकट रहे थे और भ्रष्टाचार के संगीन इल्जामों से घिरे रहे। दक्षिण एशिया का जो भी राष्ट्र चीन के निकट हो जाता है, वो स्वतः ही अमेरिका को खटकने लगता है।

श्रीलंका में जुलाई 2022, इसके पश्चात बांग्लादेश में अगस्त 2024 और नेपाल में सितंबर 2025 में नौजवान विद्रोहियों द्वारा राजसत्ता के प्रतिष्ठानों पर भीषण हिसंक आक्रमण अंजाम दिया गया। अंततः तीनों देशों के शासकों को राजसत्ता से बेदखल कर दिया गया। तमिल टाइगरों के विरुद्ध सैन्य संग्राम जीतने वाले श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को नौजवानों के हिंसक आक्रमण से जान बचाकर श्रीलंका से पलायन करना पड़ा। श्रीलंका में राष्ट्रपति भवन पर नौजवान विद्रोहियों ने आधिपत्य स्थापित कर लिया था। महिंदा राजपक्षे के प्रधानमंत्री कार्यालय को जला कर खाक कर दिया गया। बांग्लादेश में नौजवान विद्रोहियों द्वारा सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ प्रारम्भ किए गए आंदोलन की विध्वंसकारी हिंसा के कारणवश बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपनी जान बचाकर भारत में राजनीतिक शरण लेनी पड़ी। बांग्लादेश में भी शेख हसीना के प्रधानमंत्री निवास का विध्वंस करके उपद्रवियों ने लूटपाट अंजाम दी थी। नेपाल में हिंसक युवा उपद्रवियों द्वारा 8 और 9 सितंबर को दुर्भाग्यपूर्ण तौर पर नेपाल को विध्वसंकारी आग में झोंक दिया गया। नेपाल का संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट, सिंह दरबार का शासकीय सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय सहित आदि अनेक अत्यंत महत्वपूर्ण शासकीय इमारतों को महज दो ही दिनों में जला कर खाक़ कर दिया गया। हिंसक उपद्रवों की ज्वालाओं से सरकारी संस्थानों में केवल काठमांडू का एयरपोर्ट ही अब शेष बच सका।

जनतांत्रिक राजसत्ता का आत्मसमर्पण

यक्ष प्रश्न है कि नेपाली सैन्य दस्तों की सशक्त उपस्थिति में नेपाली जनतंत्र के इन समस्त महत्वपूर्ण स्तंभों को हिंसक उपद्रवियों द्वारा विध्वंसक आग के हवाले आखिरकार कैसे कर दिया? नेपाल के वित्तमंत्री को बेरहमी से पीटा गया। इंतहा तो ये हुई कि हिंसक उपद्रवियों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल की पत्नी राजलक्ष्मी को उनके निवास में जिंदा जला दिया गया। नेपाल में अनेक वरिष्ठ राजनीतिक लीडरों केपी शर्मा ओली, शेरबहादुर देऊबा, पुष्प कमल प्रचंड आदि के जीवन को हिंसक उपद्रवियों की आक्रामक हिंसा से किसी तरह से बचाया जा सका। तत्पश्चात 10 सितंबर को नेपाल की जनतांत्रिक राजसत्ता ने आत्मसमर्पण कर दिया। नेपाली सरकार की कमान को कुछ दिनों के लिए सेना द्वारा संभाल लिया गया। फिलहाल रिटायर्ड चीफ जस्टिस सुशीला कार्की को नेपाल का अंतरिम प्रधानमंत्री मनोनीत कर दिया गया। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में नौजवानों के हिंसक विद्रोहों के मध्य बहुत कुछ एक सा घटनाक्रम (पैटर्न) प्रतीत होता है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल तीनों देशों के नौजवान बड़े

पैमाने पर बेरोजगारी से संत्रस्त रहे हैं। तीनों देशों के नौजवानों में बेरोजगारी की दर तकरीबन 20 प्रतिशत रही है अर्थात पांच नौजवानों के मध्य से एक नौजवान बेरोजगारों की कतार में हताश-निराश खड़ा हुआ है। नौजवानों के हिंसक विद्रोह का शिकार बने तीनों देशों के शासक रणनीतिक और राजनीतिक तौर पर कम्युनिस्ट चीन के अत्यंत निकट रहे थे और भ्रष्टाचार के संगीन इल्जामों से घिरे रहे। दक्षिण एशिया का जो भी राष्ट्र चीन के निकट हो जाता है, वो स्वतः ही अमेरिका की निगाहों में खटकने लगता है। तीनों देशों में अमेरिका द्वारा पोषित और प्रेरित कथित स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से नौजवानों के मध्य फैले हुए गहन असंतोष और आक्रोश को चीन समर्थक राजसत्ता के विरुद्ध खड़ा किया जाता है।

नेपाल में 'जेन जी' का आंदोलन

बांग्लादेश में जेहादी आतंकवादी तंजीम हिजबुल तहरीर के एक सरगना महफूज आलम के माध्यम से जमात-ए-इस्लामिया से संबद्ध इस्लामी छात्र शिबिर संगठन को अमेरिका द्वारा करोड़ो डॉलरों की अकूत फंडिग की गई, ताकि शेख हसीना की हुकूमत का तख्ता पलट किया जा सके। आजकल जेहादी सरगना रहा महफूज आलम बांग्लादेश की मोहम्मद यूनूस हुकूमत में एक उच्च पद पर आसीन है। नेपाल में 8 सितंबर को 36 वर्षीय सुदन गुरंग के स्वयंसेवी संगठन 'हमी नेपाल' द्वारा संगठित और संचालित 'जेन जी' के परचम तले नौजवान विद्यार्थियों का आंदोलन प्रारम्भ हुआ। उल्लेखनीय है कि सूदन गुरंग के कथित स्वयंसेवी संगठन 'हमी नेपाल' को करोड़ों डॉलर की अकूत राशि अमेरिका से प्राप्त होती रही है। नेपाल में आकस्मिक तौर पर उत्पन्न हुई राजनीतिक अस्थिरता और अराजकता वस्तुतः भारत के लिए गहन गंभीर चिंता और सोच विचार का विषय है। नेपाल में निरंतर गति से बढ़ती हुई आर्थिक विषमता, नौजवानों के मध्य फैली भयावह बेरोजगारी, राजनेताओं का बेलगाम भ्रष्टाचार और परिवारवाद वस्तुतः युवा आक्रोश की बुनियाद में निहित रहा है।

आंदोलन में हिंसक उपद्रवी हुए दाखिल

युवा विद्यार्थियों की जायज मांगों को लेकर प्रारम्भ हुआ 'जेन जी' आंदोलन प्रथम दृष्टया एकदम स्वतः स्फूर्त प्रतीत हुआ। किंतु कुछ ही घंटों के पश्चात स्पष्ट हो गया कि आंदोलन कदाचित स्वतः स्फूर्त नहीं रह गया। क्योंकि नौजवान आंदोलन की पांतों में 8 सितंबर की दोपहर तक बहुत भारी संख्या में हिंसक उपद्रवी दाखिल हो गए। नेपाल में राजतंत्र की पुनर्स्थापना के हिंसक समर्थक और विदेशी एजेंट बड़ी तादाद में नेपाल में जनतंत्र विरोधी एजेंडे को अंजाम देने के लिए विध्वंस में उतर गए। हिंसा रोकने के प्रयास में 8 सितंबर को पुलिस फायरिंग में 20 उपद्रवी हलाक हो गए और तकरीबन चार सौ जख्मी हो गए। अभी तक हलाक होने वालो की संख्या 50 से अधिक हो चुकी है। बड़े पैमाने पर नेपाली सैनिक टुकड़ियों की मौजूदगी में हिंसक उपद्रवियों ने महत्वपूर्ण शासकीय भवनों को जला कर खाक कर दिया। उल्लेखनीय है कि नेपाली सेना का मुख्यालय संसद भवन के ठीक पीछे स्थित है। संसद भवन को जब उपद्रवियों द्वारा जलाया जा रहा था, तो उस वक्त सैन्य दस्ते वहां पर बड़ी संख्या में तैनात थे, किंतु हिंसक उपद्रवियों के विरुद्ध कोई सैन्य कार्रवाई अंजाम नहीं दी गई। दीर्घ कालीन जन संघर्षों के तत्पश्चात 28 मई 2008 को नेपाल की धरा पर 239 वर्ष पुराने राजतंत्र को दफ़ना कर संसदीय जनतंत्र का उदय हुआ। सन् 1996 में पुष्प कमल प्रचंड की कयादत में प्रारम्भ हुए गुरिल्ला युद्ध द्वारा 2008 में राजतंत्र को उखाड़ फेंका गया। प्रचंड के नेतृत्व वाली गुरिल्ला सेना ने राजा ज्ञानेंद्र के नेतृत्व वाली नेपाली शाही सेना को करारी शिकस्त दी और राजधानी काठमांडू को चारों तरफ से घेर लिया। नेपाल में माओवादी कम्युनिस्टों की सैन्य फतह से अमेरिका हतप्रभ होकर रह गया। प्रचंड की कयादत में कम्युनिस्ट यदि चाहते तो उसी वक्त नेपाल में अपनी तानाशाह हुकूमत कायम कर सकते थे, किंतु कम्युनिस्टों ने संसदीय जनतंत्र स्थापित करने का शानदार निर्णय लिया, क्योंकि कम्युनिस्ट तानाशाही के भयंकर दुष्परिणाम सोवियत संघ में देख चुके थे। संविधान निर्माण के बाद 2015 में राजतंत्र के स्थान पर बाकायदा संसदीय जनतंत्र स्थापित किया गया। नेपाल की धरा पर राजतंत्र विरोधी जनतांत्रिक इंकलाब का एक दौर कामयाब हो गया। जनतंत्र स्थापन के वक्त से ही राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रति-क्रांतिकारी नेपाल के जनतंत्र का खात्मा करने की खातिर सक्रिय हो गए। नेपाल में राजतंत्र के विरुद्ध कम्युनिस्टों की ऐतिहासिक कामयाबी और समूचे नेपाल में वामपंथ की जबरदस्त लहर से विश्वपटल पर नव साम्राज्यवाद का सरगना मुल्क अमेरिका अत्यंत चिंतित हो गया।

चीन समर्थक वामपंथी सत्ता के खिलाफ अमेरिका

चीन समर्थक वामपंथी सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए अमेरिका ने बड़े धीरज के साथ वाजिब वक्त का लंबा इंतजार किया। नेपाल में सन् 2008 के बाद से अभी तक के 17 वर्षों के दौरान 13 प्रधानमंत्री राजसत्ता के शिखर पर आसीन हुए। तकरीबन सभी नेपाली राजनेताओं के भ्रष्टाचारी दलदल में आकंठ तक डूब जाने के कारण नेपाल के नौजवान विद्यार्थियों में विद्रोह की विकट भावना को जाग्रत कर दिया। एक तरफ नेपाल में राजनेताओं के परिवारों की विलासपूर्ण जिंदगी की तस्वीरें और दूसरी तरफ नेपाली नौजवानों के मध्य फैली हुई 21 प्रतिशत बेरोजगारी और गुरबत। इन विकट हालात ने नौजवानों में बगावत की आग उत्पन्न की। संसदीय जनतंत्र के 17 वर्ष के दौर में राजनेताओं द्वारा नौजवानों की बेरोजगारी और उचित मांगों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अख्तियार किया गया। नेपाली जनतंत्र के नेताओं और नौजवानों के मध्य ऐसी गहरी खाई उत्पन्न हो गई कि जिसे पाटना तकरीबन नामुमकिन हो गया। नेपाल के जनतंत्र का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण वृतांत है कि माओवादी गुरिल्ला युद्ध का सर्वोच्च लीडर रहा पुष्प कमल दहल प्रचंड भी भ्रष्टाचारी लीडरों की इस जमात में शामिल हो गया। इसकी कयादत करने के लिए हुकूमत को कोई भी ईमानदार प्रधानमंत्री हासिल नहीं हो सका।

हिंसक वारदातों से गहन सबक ले भारत

नेपाल में राजतंत्र के मुकम्मल खात्मे और जनतंत्र में वामपंथियों के सत्तासीन हो जाने से सबसे अधिक तकलीफ अमेरिका को रही। 28 फरवरी 2003 को वाशिंगटन में अमेरिका के विदेश मंत्री डोनाल्ड कैंप ने एक समारोह में तक़रीर करते हुए फरमाया था कि यदि नेपाल में कम्युनिस्टों को कामयाबी मिल जाती है तो इससे दक्षिण एशिया में अमेरिका के राष्ट्रीय हितों को गहन क्षति पहुंचेगी। उन्होंने यह भी कहा था कि नेपाल की स्थिति पर अमेरिका 'हर लम्हा' अपना ध्यान केंद्रीत किए हुए है। यह उस वक्त की बात है, जब नेपाल में भीषण गृहयुद्ध चल रहा था। नेपाल में संसदीय जनतंत्र की स्थापना के तत्पश्चात अमेरिका ने नेपाली सेना की पांतों में शनैः शनैः घुसपैठ प्रारम्भ की और जनतंत्र की स्थापना के बाद यह काम अत्यंत तेजी के साथ अंजाम दिया गया। अब तक परंपरागत तौर पर माना जाता रहा है कि भारत और नेपाल की सैन्य शक्तियों के मध्य एक बिरादराना संबंध कायम रहे हैं। भारत की गोरखा रेजिमेंट में नेपाल के तकरीबन पचास हजार सैनिक विद्यमान रहे हैं। लेकिन अमेरिका की सैन्य घुसपैठ पर आम तौर पर नेपाल के भी राजनेताओं ने ध्यान नहीं दिया। अगर इस तरफ प्रचंड का ध्यान दिलाया गया किंतु इसे कदाचित गंभीरता से नहीं लिया। राजतंत्र के दौर से ही नेपाली सेना के 200 से भी ज्यादा सैन्य सलाहकार अमेरिकी रहे हैं। सर्वविदित है कि अमेरिका की डीप स्टेट का मुख़्तलिफ़ मुल्कों में तख्ता पलट कराने में ऐतिहासिक किरदार रहा है। अमेरिका भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक देश रहा है। आजकल भारत और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक कटुता कायम है। भारत को भी नेपाल के जनतंत्र विरोधी हिंसक वारदातों से गहन सबक हासिल करना चाहिए।

पड़ोसी देशों में तख्तापलट का खेल

कूटनीति

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

शासन विस्थापन के लिए एक वर्ष पहले बांग्लादेश में जो अराजकतापूर्ण व हिंसक आंदोलन हुआ था, उसकी आड़ लेकर कठमुल्लों ने हिंदुओं पर अत्याचार आरंभ कर दिया था, तो उस देश के बारे में भारत में चिंतायें उभर आई थीं। किंतु नेपाल तो सामाजिक व सांस्कृतिक रूप में हिंदू राष्ट्र ही है, तब वहां शासन विस्थापना की हिंसक अराजकता क्यों उत्पन्न हुई और चार-पांच दिन क्यों फैली रही। तथ्यों के आधार पर यही कारण सामने आया है कि वहां वामपंथी विचारधारा के नेताओं ने नेपाल के सार्वजनिक जीवन व लोगों के लिए कुछ नहीं किया। परिणाम में बहुत दिनों से सत्तारूढ़ नेताओं के प्रति जनविद्रोह पनप रहा था और चार-पांच दिन पहले वह चरम पर पहुंच गया।

भारत के दायें-बायें तथा यहां-वहां जो छोटे-छोटे देश हैं वहां जैसे-तैसे स्थापित शासन जनांदोलन द्वारा उखाडे. जाते रहे हैं। नेपाल से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका जैसे देश ऐसी अराजकताएं झेल चुके हैं। दक्षिण एशिया के ये देश अभी तक तो अमेरिका, चीन और रूस के राजनीतिक, आर्थिक एवं रणनीतिक प्रयोजन के लिए शासन विस्थापन की अराजकतायें झेल रहे थे, किंतु अब भारत के वर्चस्व को कम या समाप्त करने के लिए भारत के चहुंओर स्थित छोटे-छोटे देशों को अस्थिर करने का कुचक्र चलाया जा रहा है।

कुचक्रव्यूह में अमेरिका शामिल

इस कुचक्रव्यूह में प्रथम भूमिका अमेरिका की है। अमेरिका से आशय वहां के उन डीप स्टेट्स यानी छुपे हुये गुप्त शासकों से है जो भारत में अपनी पसंद के शासन की स्थापना करने में बार-बार विफल हो रहे हैं। ये डीप स्टेट्स वही हैं जो ट्रंप शासन के माध्यम से भारत को अपने डेयरी उत्पाद खरीदने के समझौते करने को बाध्य कर रहे हैं। ये चाहते हैं कि सबसे अधिक जनसंख्या धारी भारत उनके उन सभी उत्पादों को उनकी शर्तों पर खरीदने के अनुबंध कर ले, जो भारत में धार्मिक-सांस्कृतिक-आध्यात्मिक जीवन पद्धतियों के अनुरूप पूर्णरूपेण बड़ी मात्रा में अनुचित एवं वर्जित ही होंगे। हां, भारत का नास्तिक जनसमूह तथा इनके राजनीतिक प्रतिनिधि अपने जनसंचारिक ईकोसिस्टम के माध्यम से अमेरिका स्थित डेयरी तथा अन्य कंपनियों के डीप स्टेट्स तक अवश्य ही ये सूचनायें भेजते रहते हैं कि भारत में हमारे सत्तारूढ़ होने पर अमेरिकी उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाएंगे। इसी लिए अमेरिकी तथा इनके अनुसरणकर्ता यूरोपीय देशों के डीप स्टेट्स द्वारा भारतीय शासन को अस्थिर करने व अपनी पसंद के शासक को सत्तारूढ़ करने की परिस्थितियां निर्मित करने के लिए नेपाल, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान के माध्यम से आंदोलन का वातावरण बनाया जाता रहा है।

डीप स्टेट्स की मंशा अधूरी

विगत दस-बारह वर्षों से भारत के विभिन्न प्रदेशों के विधानसभा चुनावों एवं लोकसभा चुनावों से पहले अलग-अलग तरह के विद्रोही गुटों को यहां-वहां सड़कों पर बैठाकर धरना-प्रदर्शन किए जाते रहे हैं। जब इस स्वदेशी विधि से भारत से

लेकर अमेरिका तक फैले डीप स्टेट्स की मंशा पूरी नहीं हुई, तो उन्होंने कभी श्रीलंका, कभी बांग्लादेश, कभी अफगानिस्तान तथा कभी पाकिस्तान में कराये गये अराजक आंदोलनों का सहारा लिया और अब वे नेपाल में आंदोलन कराकर भारत के लिये भूराजनीतिक संकट खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु भारत अडिग है। भारतीयता की शक्ति अजेय है। भारत में या विदेश में कहीं कोई भी डीप स्टेट या अनेक डीप स्टेट्स हों, वे अंततः पराजित ही होंगे।

शुक्र है कि अब तक उनकी पराजय भारत के संयम एवं धैर्यबंध से ही हो रही है। जिस दिन भारत, विरोधियों की भांति अराजकतापूर्ण ढंग से आक्रमण करेगा, उस दिन दुनिया की छुपी हुई मक्कार शक्तियों को खुले में सबके सामने उनके किए का मृत्युदंड मिल रहा होगा। नेपाल की घटना के संदर्भ में एक स्वाभाविक जिज्ञासा ये भी उभरती है कि जब ऐसे देशों के शासक अपना शासकीय पदाधिकार सुरक्षित रखने में असमर्थ हैं और उग्रवादियों के सामने घुटने टेक भागने व अन्य देश में शरण लेने को विवश हो जाते हैं, तो फिर इन देशों के अस्तित्व की आवश्यकता ही क्यों है। यह बात बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान तथा शक्तिशाली देशों की मर्जी पर जैसे-तैसे चल रहे सभी देशों पर लागू होती है। ये बातें बाद की हैं कि शासन भ्रष्ट है, जनता से विमुख है और सार्वजनिक कल्याण की नीतियों का क्रियान्वयन नहीं कर रहा।

पहली विचारणीय बात तो ये है कि जो शासन और शासक अपने शासकीय धन, साधन, संसाधन तथा अन्य शक्तियों द्वारा उग्रवादियों, हिंसक आंदोलनकारियों को रोकने में पूर्णतः असमर्थ है तो फिर उनकी आवश्यकता ही क्या है और जिस देश पर वे शासन कर रहे हैं, उन देशों की भी क्या आवश्यकता है। बांग्लादेश और नेपाल की भांति अराजक हो जाने पर भारत के संदर्भ में भी यही जिज्ञासा उठेगी। जब नेपाल के शासक अपनी सेना के माध्यम से अराजकता नहीं रोक पाते हैं तो फिर नेपाली शासन और नेपाल देश का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है। जब उग्रवादियों व आंदोलनकारियों को विदेशी शक्तियां अपने स्वार्थ के लिए उपयोग कर रही हैं, तो फिर ऐसे उग्रवादियों-आंदोलनकारियों के प्रतिनिधि तख्तापलट के बाद सत्तारूढ़ होने पर नेपाल का प्रतिनिधित्व थोड़े ही कर रहे होंगे। वे तो विदेशी शक्तियों के हाथों की कठपुतली होंगे। उग्र आंदोलन तथा अराजक वातावरण निर्मित करके नेपाल के जिस कम्युनिस्ट शासन को विस्थापित किया गया है वो भी खुद कई वर्षों से चीन की कठपुतली बना रहा है। नेपाल ने जब पहले चीन के अनुसार और अब किसी नई डीप स्टेट शक्ति के अनुरूप चलना है, तो इस संदर्भ में गहन प्रश्न ये है कि ऐसे में नेपाल की आवश्यकता ही क्या है। जिस छुपी हुई शक्ति ने नेपाली युवाओं को भड़काया, उकसाया और अपने ही देश के साधनों-संसाधनों को जलाने-नष्ट करने के लिए दुष्प्रेरित किया है, वही शक्ति सामने आए और बना दे नेपाल को अपना उपनिवेश।

दिखावटी लोकतंत्रात्मक शासन

ऐसी शक्तियां द्विअर्थी तंत्र, सत्ता, शासन का खेल क्यों खेल रही हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर जब इनका विशेषाधिकार व नियंत्रण है, तो फिर ये किससे डरकर अपने तख्तापलट खेल को गुप्त रूप में खेलने को विवश हैं। ऐसी स्थितियों-परिस्थितियों में तथाकथित छोटे-मोटे देशों के निकृष्ट व दिखावटी लोकतंत्रात्मक शासन से श्रेष्ठ तो फिर उत्तर कोरियायी शासन तंत्र है, जो बिना लाग-लपेट के अपनी भूमि, अपने हिस्से के भूभाग पर अपना शासन चलाता है। लोकतंत्र अंगीकार किए हुए देशों की अराजकता देखकर अमेरिका जैसे पेशेवर ठग लोकतंत्र तथा नेपाल जैसे खिलौना लोकतंत्र की तुलना में उत्तर कोरियायी सीधा-सपाट एक अर्थ की बात करने वाला शासन तंत्र ही अधिक शासन संगत प्रतीत होता है।

अब भावी सत्ता के स्वरूप पर निगाहें

व्यवस्था

डॉ. एन. के. सोमानी

वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर सरकार के नियंत्रण के खिलाफ शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों ने जिस खतरनाक ढंग से सरकार का तख्तापलट किया है उसने शासन व्यवस्थाओं के तौर-तरीकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया से बैन हटाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ जेन-जी ने अलग-अलग समय सत्ता में भागीदार रहे नेताओं के घरों को निशाना बनाया, उससे साफ है कि गुस्से का तात्कालिक कारण सोशल मीडिया पर सरकार के नियंत्रण का फैसला ही नहीं है और भी कई वजह रही हैं। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री और मौजूदा मंत्रियों के आवास और दफ्तरों पर धावा बोलकर जेन-जी ने क्रांति का जो बिगुल फूंका देखते ही देखते वह जिस गति से 'सिंहासन खाली करो जनता आती है' तक पहुंचा, उससे साफ हो गया कि जेन-जी के भीतर किस कदर नेपाली नेताओं और उनकी नीतियों के खिलाफ नफरत भरी हुई थी।

धूं-धूं कर जलती संसद, आग की लपटों से घिरा राष्ट्रपति भवन और सुप्रीम कोर्ट से उठ रहा धुएं का गुब्बार बता रहा है कि नेपाल के युवाओं के भीतर पनपा यह उबाल हफ्ते-दस दिन का नहीं है। साल 2008 में राजा ज्ञानेंद्र के सत्ता से हटने के बाद नेपाल में अढाई सौ साल से चली आ रही राजशाही का तो अंत हो गया परन्तु लोकतंत्र का वह स्वरूप निकल कर नहीं आ सका जिसकी उम्मीद नेपाल के नागरिकों ने की थी। कहने को तो राजतंत्र संघीय गणतंत्र में बदल गया लेकिन शासकों की कार्य शैली में अहं का भाव जस का तस बना रहा। बड़ा दुर्भाग्य यह कि राजशाही खत्म होने के बाद कोई भी सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। देश पूरी तरह से राजनीतिक अस्थिरता के दलदल में धंस गया।

17 सालों में 13 प्रधानमंत्री बदले

पिछले 17 सालों में 13 प्रधानमंत्री बदले। सत्ता प्रचंड, देउबा और ओली के बीच झुलती रही। जेन-जी की नाराजगी काा बड़ा कारण भ्रष्टाचार था। किसी भी दक्षिण एशियाई देश के नेताओं की तुलना में नेपाल के नेता अधिक भ्रष्ट हैं। करप्शन इंडेक्स में 180 देशों में नेपाल 107वें स्थान पर है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के पास 300 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। भ्रष्टाचार का आलम यह कि लोगों में यह धारणा पुख्ता हो गई कि 'नेपाल भूकंप से तो कभी-कभी, भ्रष्टाचार से हर रोज हिलता है।' पिछले एक सप्ताह से काठमांडु की सड़कों पर करप्शन बैन करो, कनेक्शन नहीं' का नारा गूंज रहा था। संक्षेप में कहें तो नेपाल में करप्शन कल्चर हो गया जबकि सरकार का आरोप है कि कुछ लोग सोशल मीडिया के जरिए कल्चर को करप्ट कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार बना मूल कारण

भ्रष्टाचार के परिणामस्वरूप देश में अमीरी-गरीबी की खाई बढ़ती चली गई। बेरोजगारी 11 फीसदी से ऊपर हो गई। 2024 में 15-24 आयु वर्ग में बेरोजगारी दर 20.8 प्रतिशत है। कुल मिलाकर कहा जाए तो ओली की भ्रष्ट हुकूमत अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से नहीं कर पाई। इन सबका मिलाजुला असर यह हुआ कि लोगों

के भीतर नाराजगी पनपती रही लेकिन सत्ता के अहं में अंधी ओली सरकार को इसका भान नहीं हुआ। विद्रोह की जो चिंगारी धीरे- धीरे धधक रही थी वो समय पाकर सुलग गई और तमाम संवैधानिक संस्थाओं को अपनी जद में ले लिया। कहने को तो सरकार कह रही है कि डिजिटल अकाउंटेबिलिटि के रेग्यूलेशन बनाने और लागू करने के लिए 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगाने के आदेश दिए। सरकार का कहना था कि प्लेटफार्म ने सरकार के नए कानून के मुताबिक रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। दूसरा सरकार का यह भी कहना था कि सोशल मीडिया पर उकासने वाले कंटेंट (फर्जी खबरें और अवैध गतिविधियों) को रोकने के लिए उन्हें नियंत्रित करना जरूरी था। लेकिन सच यह है कि हैशटैग्स नेपोकिड्स और नेपोबेबी के नाम से वायरल वीडियो लगातार नेपाली नेता और उनके परिजनों की लग्जरी जीवन शैली लोगों के सामने ला रहे थे। उससे नागरिकों को भीतर बेचैनी बढ़ रही थी। यही वजह है कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को आधार बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बैन लगाने का फैसला किया। सरकार का यह फैसला केवल तकनीकी नहीं था, यह सीधे तौर पर लोगों की जिन्दगी में दखल था। दरअसल, नेपाल की 3 करोड़ की आबादी में करीब 40 लाख लोग विदेशों में काम करते हैं। विदेशों में रह रहे नेपाली लोगों को अपने परिजनों से संपर्क साधने और रेमिटेंस (प्रवासी आय) का पैसा भेजने के लिए सोशल मीडिया बड़ा माध्यम है। परिणामस्वरूप सरकार के इस फैसले की व्यापक आलोचना हुई। जेन-जी ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया। लोगों का कहना है कि यह प्रतिबंध राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शनों और सरकार विरोधी भावना को दबाने के लिए लगाया गया है। कुछ हद तक यह सही भी है। कहा जा रहा है कि सरकार के इस फैसले का विरोध करने के लिए 'हामी नेपाल' नाम का एनजीओ चलाने वाले सुदान गुरंग ने इंस्टाग्राम पर युवाओं से स्कूल यूनिफॉर्म और स्कूली बैग लेकर सड़कों पर उतरने को कहा। 8 सितबर को नेपाल की संसद के सामने प्रोटेस्ट शुरू हुआ। यहां ओली सरकार ने भी बड़ी चूक कर दी। उसने जेन-जी को समझाने व बातचीत के जरिए किसी नतीजे तक पहुंचने के बजाए आंदोलनकारियों से सख्ती से निबटने और गोली चलाने के आदेश दे दिए। पुलिस की गोलीबारी में 22 लोग मारे गए, जिसमें कई बच्चे भी शामिल हैं। बच्चों पर गोली चलाए जाने की खबर ने आग में घी का काम किया। आंदोलन और ज्यादा हिंसक हो गया जिसकी परिणति पूरी दुनिया ने देखी। हालांकि, अब स्थिति सामान्य हो गई है। सुशीला काकी ने अंतरिम सरकार की मुखिया के रूप में शपथ ले ली है लेकिन जेन-जी ने आंदोलन के नाम पर जो घाव और दाग संवैधानिक संस्थाओं को दिए हैं उनका क्या होगा? नेपाल में जिस तरह से राजनीतिक दलों ने अपनी आवाम का भरोसा खोया है उसे देखते हुए सवाल यह भी उठ रहा है कि अंतरिम सरकार के नेतृत्व में होने वाले चुनाव में यही पार्टियां फिर से लड़ती हुई दिखेंगी या नई और छोटी पार्टियों के नेतृत्व में सरकार बनेगी। निर्दलीय प्रत्याशियों के भी बड़ी संख्या में चुनाव लड़ने की संभावना है।

नेपाल में चाहिए न्यूटल सरकार

ऐसे में नेपाल में बनने वाली भावी सरकार का स्वरूप और उसकी उम्र कितनी होगी, यह प्रश्न विचारणीय है। दूसरा, नई पार्टियां और कम राजनीतिक अनुभव वाले लोगों से मिलकर बनने वाली सरकार देश को राजनीतिक अस्थिरता के दौर से बाहर निकालने के लिए किस रोडमैप पर आगे बढ़ेगी। जहां तक भारत का सवाल है, भारत नेपाल में सीधे-सीधे हस्तक्षेप से बचेगा। लेकिन भारत इतना जरूर चाहेगा कि सरकार के निर्माण में चीन का दखल न हो। नेपाल में जो भी सरकार आए वो न्यूटल हो।

एसडीएम कटनी के आदेश पर तहसीलदार एवं टीआई ने दिलाया वृद्धा को घर में कब्जा

दो बेटों और बहू ने वृद्ध महिला को घर से बाहर निकाला प्रशासन ने की कार्यवाही, बेटों को बेदखल करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

एक वृद्ध महिला को उनके ही पुत्रों और पुत्रवधू द्वारा घर से बाहर निकालने और मारपीट करने के मामले में न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी ने ₹माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक का भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007₹ के तहत इस मामले की सुनवाई करते हुये पुत्र एवं पुत्रवधू द्वारा वृद्ध महिला को 10 हजार रूपये का प्रतिमाह भरण पोषण भत्ता देने का आदेश जारी किया है।

अल्फर्ट गंज कटनी निवासी राजकुमारी पति स्व. उत्तम सिंह ठाकुर ने माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक का भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 के तहत न्यायालय में आवेदन करते हुये बताया था कि उनके पुत्र आशीष ठाकुर और शिव सिंह ठाकुर, और पुत्रवधू आरती ठाकुर ने उन्हें जबरन घर से निकाल दिया। वे घर को तोड़कर गोदाम बनाना चाहते हैं। इसके अलावा, वे अक्सर उनके साथ मारपीट करते और उन्हें वृद्धाश्रम जाने के लिए कहते हैं।

न्यायालय में मामले की सुनवाई करते हुये एसडीएम चतुर्वेदी ने आवेदिका (राजकुमारी) और अनावेदकों (पुत्र-पुत्रवधू) दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए गए। हल्का पटवारी की जांच रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजों के आधार पर यह पाया गया कि घर आवेदिका राजकुमारी के नाम पर ही दर्ज है।

आवेदिका वृद्ध होने के कारण अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं, जबकि उनके पुत्र और पुत्रवधू अच्छी आय अर्जित करते हैं। उनके बड़े पुत्र शिव सिंह की मासिक आय 25 हजार रूपये, छोटे पुत्र आशीष की 30 हजार रूपये और पुत्रवधू आरती की 10 हजार रूपये है। इस आधार पर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री चतुर्वेदी ने दोनों पुत्रों को आदेश दिया कि वे वृद्ध आवेदिका को हर महीने 10 हजार रूपये का भरण-पोषण भत्ता दें। इसमें से 5 हजार रूपये आशीष और 5 हजार रूपये शिव सिंह ठाकुर को देना होगा। यह राशि हर महीने की 1 से 5 तारीख के बीच देनी होगी। इसके साथ ही, न्यायालय ने तहसीलदार, कटनी नगर को तत्काल प्रभाव से अनाधिकृत कब्जा हटाकर अनावेदकों को घर से बेदखल करने का आदेश दिया।

न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया है कि अनावेदक आवेदिका के सम्मान को किसी भी प्रकार से ठेस न पहुंचाएं और उनके स्वास्थ्य और भोजन का उचित ध्यान रखें, ताकि वे अपना शेष जीवन सम्मानपूर्वक व्यतीत कर सकें।

अपनी वृद्ध मां को घर से बाहर निकालने और उनके साथ मारपीट करने के मामले में सुनवाई के बाद एसडीएम कटनी श्री प्रमोद कुमार चतुर्वेदी द्वारा दिये गये आदेश के पालन में शनिवार को तहसीलदार आशीष अग्रवाल और टीआई कोतवाली अजय सिंह ने कार्रवाई करते हुये वृद्ध महिला राजकुमारी को उनके घर का कब्जा वापस दिलाया।

यह मामला तब सामने आया था जब अल्फर्ट गंज निवासी राजकुमारी ने ₹माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक का भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007₹ के तहत न्यायालय में आवेदन किया। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके दोनों बेटे, आशीष ठाकुर और शिव सिंह ठाकुर, और उनकी बहू आरती ठाकुर ने उन्हें घर से निकाल दिया है और वे घर को तोड़कर गोदाम बनाना चाहते हैं।

एसडीएम श्री चतुर्वेदी ने मामले की सुनवाई करते हुए पाया कि घर राजकुमारी के नाम पर ही दर्ज है। इसके बाद श्री चतुर्वेदी ने आदेश दिया था कि दोनों बेटे अपनी मां को हर महीने 10 हजार रुपये का भरण-पोषण भत्ता दें। साथ ही उन्होंने तहसीलदार को तुरंत अनाधिकृत कब्जा हटाकर बेटों को घर से बेदखल करने का आदेश दिया गया था। शनिवार को इस आदेश का पालन करते हुए, तहसीलदार और टीआई ने मौके पर पहुंचकर वृद्ध मां को उनके घर का कब्जा वापस सौंपा।

तालाब में डूबा युवक लापता

शहडोल। जिले के सीधी थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। ग्राम पंचायत छपरा टोला निवासी 35 वर्षीय कैलाश सिंह पिता गेंदलाल सिंह की तालाब में डूबने से लापता हो गया है। घटना रिमार कुदरा टोला तालाब की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, कैलाश तालाब में नहाने के लिए गया था, इसी दौरान अचानक गहरे पानी में डूब गया और बाहर नहीं निकल सका। स्थानीय लोगों ने बताया कि कैलाश के साथ अन्य लोग भी तालाब में नहा रहे थे,जब वह डूब रहा था तो उसे निकालने की कोशिश की गई,लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका और वह देखते ही देखते तालाब में डूब गया।स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सीधी थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से सर्चिंग अभियान शुरू किया गया। हालांकि तालाब में पानी अत्यधिक भरे होने के कारण शव का पता नहीं चल सका। वही पुलिस के साथ गांव के लोगों ने जेसीबी से तालाब की मेड को कटवा कर पानी निकलवाने की कोशिश कर रहे है। जिससे पानी कम हो सके और रेस्क्यू दल जल्द लापता की तलाश कर सके।

अटल कार्यकर्ताओं का घर-घर जाकर किया जा रहा सम्मान

अशोकनगर। श्रद्धेय अटलजी की जन्म शताब्दी वर्ष पर अटल कार्यकर्ता सम्मान अभियान के तहत प्रभारी धीरज पटैरिया ने जनसंघ के समय से पार्टी से जुड़े अटल कार्यकर्ताओं का उनके घर पर जाकर सम्मान किया जा रहा है। इसी क्रम में गत दिवस अशोकनगर के मुगावली मे अटल कार्यकर्ता सम्मान कार्यक्रम में जनसंघ से भाजपा तक निरंतर सक्रिय रहते हुए समाज एवं संगठन के लिए समर्पित योगदान देने वाले गुना जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व विधायक चंद्रमोहन रावत (एडवोकेट) के निवास पर जाकर शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान दुर्गेश कटारे जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा, पं. घनश्याम शर्मा, अजय तोमर, संदीपजी, संजीव मिश्रा सहित कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

छेड़छाड़ के आरोपी को चार साल का सश्रम कारावास

शहडोल।

महिला सुरक्षा के मामलों में अदालतों का सख्त रुख एक बार फिर सामने आया है। माननीय अपर सत्र न्यायाधीश, ब्यौहारी जिला शहडोल* की अदालत ने छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के गंभीर प्रकरण में आरोपी कौशलेन्द्र सिंह पिता अवधेश प्रताप सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी सरसी रोड ग्राम हिरवार थाना पपौंध को चार वर्ष का सश्रम कारावास एवं 2,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। जिला मीडिया प्रभारी राकेश कुमार पाण्डेय** ने बताया कि घटना दिनांक 29 सितंबर 2021 की है। उस दिन पीड़िता, जो कक्षा 11वीं की छात्रा थी, जीवविज्ञान की परीक्षा देकर अपनी सहेली के साथ स्कूल के बाहर खड़ी थी। तभी आरोपी कौशलेन्द्र सिंह अपने साथी आलोक वर्मन के साथ मोटरसाइकिल से वहां आया और पीड़िता को जबरन पीछे बैठने के लिए दबाव बनाने लगा। पीड़िता के मना करने पर आरोपी ने उसका हाथ पकडक़र घसीटने की कोशिश की, हाथ मरोड़ा और अभद्र गालियां देते हुए उसके पिता को गंभीर नुकसान पहुँचाने की धमकी भी दी।

ट्रेन से गिरकर घायल हुए व्यक्ति को डायल-112 ने पहुँचाया अस्पताल

सतना। उचेहरा थाना क्षेत्र में एक 50 वर्षीय व्यक्ति चलती ट्रेन से गिरकर घायल हो गया।डायल-112 की टीम ने तत्काल मौके पर पहुँचकर घायल को सिविल अस्पताल उचेहरा पहुँचाया। यह घटना 12 सितंबर को पथरठा के पास हुई थी। डायल-112 के आरक्षक कौशल गुर्जर और पायलट अरविंद प्रताप सिंह ने घायल व्यक्ति को पटरी से उठाकर रोड तक लाया और फिर एफआरवी वाहन से अस्पताल में भर्ती कराया।

युवक से मारपीट के 4 आरोपित हुए गिरफ्तार

कटनी। रंगनाथ नगर पुलिस ने एक बेगुनाह को पीटने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पाठक वार्ड से अपनें घर बावली टोला के लिये पैदल जा रहे संदीप कोल पिता राजकुमार कोल उम्र 19 वर्ष के साथ वंशस्वरूप वार्ड के कुछ असमाजिक तत्वो के द्वारा चोर चोर की अफवाह फैलाकर संदीप कोल के साथ मारपीट की गई थी।

चोरों ने उड़ाई बिजली की लाइन, 18 स्थानों से काट ले गए 3800 मीटर विद्युत केबल

रीवा।

जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में चोरों ने आरडीएसएस योजना के तहत बिछाई जा रही 3800 मीटर विद्युत केविल चोरी कर ली। यह घटना 18 विभिन्न स्थानों पर एक ही फीडर लाइन पर हुई है। जानकारी के अनुसार, अशोका बिल्डकॉन लिमिटेड कंपनी द्वारा रीवा जिले में आरडीएसएस योजना के तहत विद्युत लाइन का कार्य किया जा रहा है। यह लाइन बैकुंठपुर सब स्टेशन से मनगवां एजी फीडर तक बिछाई जा रही थी। इसी लाइन के अंतर्गत माड़ी हरिजन बस्ती से लेकर खमरिया तालाव तक कुल 18 अलग-अलग स्थानों से चोरों ने विद्युत केवल काटकर चोरी कर ली। फरियादी यादवेंद्र सिंह जो विद्युत विभाग के ठेकेदार है, ने बैकुंठपुर थाना पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि चोरों ने करीब 3800 मीटर लंबी विद्युत केबिल पार कर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं

सोने का आभूषण और नकदी चोरी का आरोपी गिरफ्तार, मनगवां पुसिल ने की कार्रवाई

रीवा। जिले के मनगवां थाना पुलिस ने चोरी के आरोपी को सोने के आभूषण और नकदी के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी प्रफुल्ल तिवारी उर्फ राम तिवारी को गिरफ्तार कर चोरी किया गया मंगलसूत्र, नकदी रुपये सहित आरोपी को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेजा गया है। आरोपी को पकडऩे में मनगवां थाना प्रभारी गजेन्द्र सिंह धाकड, प्रआर. अवधेश तिवारी, प्रआर जय सिंह सहित पुलिस स्टाप की भूमिका रही।

ऑटो में सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े की लूटपाट और चाकू से हमला

भूटान से लौटे युवक को बनाया निशाना, नकदी और मोबाइल लूटकर हुए फरार

रीवा।

शहर में एक ओर जहां बाइकर्स गैंग की दहशत कायम है, वहीं अब ऑटो में सक्रिय लुटेरों का गिरोह भी सामने आया है। ताजा मामला रेलवे स्टेशन रोड का है, जहां दिनदहाड़े ऑटो में सवार बदमाशों ने भूटान से लौटे एक यात्री पर चाकू से हमला कर लूट की वारदात को अंजाम दिया। हमले में युवक घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंनगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगेव निवासी जितेंद्र गिरी, जो भूटान स्थित जेपी सीमेंट फैक्ट्री में कार्यरत हैं, छुट्टी लेकर भारत लौटे थे। दिल्ली में अपने कार्य से संबंधित बिल पास कराने के बाद वे ट्रेन से रीवा पहुंचे। रेलवे स्टेशन से शहर की ओर जाने के लिए उन्होंने एक ऑटो लिया, लेकिन यह सफर उनके लिए भयावह साबित हुआ। जैसे ही ऑटो रेलवे स्टेशन रोड पर पहुंचा, चालक और उसके दो अन्य साथियों ने जितेंद्र के साथ मारपीट शुरू कर दी और चाकू से हमला कर दिया। बदमाशों ने जितेंद्र की जेब से 2600 रुपये नकद और मोबाइल फोन लूट लिया, जबकि भूटान की करेंसी जेब में ही छोड़ दी। हमले में जितेंद्र के हाथ में गहरी चोट आई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। जितेंद्र ने बताया कि घटना इतनी तेजी से घटी कि वह संभल भी नहीं पाए। पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है और अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।बॉक्सशहर में बढ़ रही लूट की वारदातेंबता दे हाल के दिनों में लगातार ऐसी वारदातें सामने आ रही हैं, जिनमें ऑटो या बाइक सवार बदमाश सवारी बनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। खासकर रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यह गिरोह सक्रिय नजर आ रहा है। दिनदहाड़े इस प्रकार की वारदात होने से शहरवासियों में भय और आक्रोश का माहौल है। सवाल उठ रहे हैं कि जब स्टेशन से चंद कदम की दूरी पर इस तरह की वारदातें हो रही हैं, तो पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था कहां है? घटना के बाद से पुलिस अज्ञात लुटेरों की तलाश में जुट गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है।

ई-रिक्शा को कंटेनर ने रौंदा 18 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल

रिक्शा चालक हादसे के बाद मौके से फरार

छतरपुर। शनिवार को पठापुर तिगड़ा स्थित पंजाब नेशनल बैंक के सामने एक तेज रफ्तार कंटेनर ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे रिक्शा में सवार 18 वर्षीय करण अहिरवार, निवासी गौरगांव, गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा ई-रिक्शा चालक की लापरवाही से हुआ। बताया जा रहा है कि चालक ने ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करते हुए अचानक सड़क पार करने की कोशिश की, तभी सामने से आ रहे कंटेनर ने रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के तुरंत बाद रिक्शा चालक मौके से फरार हो गया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही ट्रैफिक थाना प्रभारी बृहस्पति साकेत मौके पर पहुंचे और मौके पर लगे लंबे जाम को व्यवस्थित रूप से हटवाया। उनकी तत्परता से आवागमन कुछ ही समय में सामान्य हो गया।

छतरपुर में रामपाल बाबा के पोस्टरों पर बवाल, हिंदू संगठनों ने किया प्रदर्शन

बजरंग दल और विहिप कार्यकर्ताओं ने फाड़े बैनर, पुलिस ने दी समझाइश

छतरपुर। शनिवार को शहर में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं ने संत रामपाल जी महाराज के प्रचार पोस्टरों और बैनरों को फाड़ते हुए खुला विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि रामपाल बाबा के विचार हिंदू धर्म और सनातन परंपराओं के विरुद्ध हैं, जिससे समाज में भ्रम और असंतोष की स्थिति पैदा हो रही है।बजरंग दल के जिला संयोजक सूरज बुंदेला ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा रामपाल जैसे लोग मंदिरों और देवी-देवताओं की पूजा का विरोध करते हैं। वे मां को मां और बहन को बहन कहने जैसी मूल हिंदू परंपराओं को नकारते हैं। ऐसे व्यक्ति को संत कहना हमारे धर्म का अपमान है। छतरपुर की भूमि पर हम ऐसे लोगों को मान्यता नहीं देंगे। विरोध की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाइश देते हुए शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस अधिकारियों ने पोस्टर नहीं फाडऩे की सलाह दी, लेकिन कार्यकर्ताओं ने दो टूक कहा कि वे धर्म विरोधी प्रचार को किसी भी हाल में सहन नहीं करेंगे।

शिक्षिकाओं ने प्रधानपाठक पर मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

आदिवासी कन्या आश्रम (अंग्रेजी माध्यम) चूनाभट्टी की शिक्षिकाओं ने प्रधानपाठक राजकुमार शर्मा पर कार्यस्थल पर मानसिक उत्पीडऩ एवं अनुचित व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए हैं। श्रीमती सुभा हेडाउ, माध्यमिक शिक्षक सहित अन्य शिक्षिकाओं ने संयुक्त आवेदन पत्र के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। दिनांक 10 सितम्बर 2025 को हुई समक्ष सुनवाई में शिक्षिकाओं ने बताया कि प्रधानपाठक श्री शर्मा द्वारा महिला शिक्षिकाओं को अनावश्यक रूप से परेशान किया जाता है, उनसे हाथ पकडऩे तथा एकांत में बात करने का दबाव बनाया जाता है तथा धमकी भरे शब्दों का प्रयोग किया जाता है। अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 11 सितम्बर 2025 को अपरान्ह आदेश जारी कर राजकुमार शर्मा को आदिवासी कन्या आश्रम चूनाभट्टी, सिवनी के प्रधानपाठक के प्रभार से कार्यमुक्त कर दिया।

आवारा कुत्तों का आतंक, अनेक बच्चों को किया घायल

सिवनी शहर और आसपास के इलाकों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे जनता में दहशत और गुस्सा है। हाल ही में हुई एक दुखद घटना ने इस समस्या को और भी गंभीर बना दिया है। लोग सीधे तौर पर नगरपालिका प्रशासन की अनदेखी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं और चेतावनी दे रहे हैं कि अगर कोई और बड़ी घटना होती है, तो इसके लिए सिर्फ और सिर्फ प्रशासन ही जिम्मेदार होगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

प्रशासन की अनदेखी पर जनता का गुस्सा नागरिकों का कहना है कि उन्होंने आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को लेकर कई बार नगरपालिका में शिकायत की है, लेकिन प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। शहर के अलग-अलग हिस्सों से आ रहे वीडियो इस बात का सबूत हैं कि कुत्तों के झुंड सडक़ों पर घूमते रहते हैं, जिससे राहगीर, खासकर बच्चे और बुजुर्ग, असुरक्षित महसूस करते हैं।

फाईल फोटो

प्रशासन की लापरवाही से भडक़ा आक्रोश

जनता का कहना है कि उन्होंने आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को लेकर कई बार नगरपालिका में शिकायत की है, लेकिन प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। नागरिकों का आरोप है कि बच्चों और बुजुर्गों के लिए घर से बाहर निकलना भी खतरनाक हो गया है। शहर के अलग-अलग हिस्सों से आ रहे वीडियो इस बात का सबूत हैं कि कुत्तों के झुंड सडक़ों पर घूमते रहते हैं, जिससे राहगीर, खासकर बच्चे, असुरक्षित महसूस करते हैं।

इस समस्या से परेशान एक स्थानीय नागरिक ने गुस्से में कहा, यह कोई पहला मामला नहीं है। अगर प्रशासन ने पहले ध्यान दिया होता, तो आज यह मासूम बच्चा हमारे बीच होता। अगर कोई और बड़ी घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी नगरपालिका की होगी और हम चुप नहीं बैठेंगे।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

जनता का आरोप है कि नगरपालिका प्रशासन सिर्फ कागजी कार्रवाई में उलझा हुआ है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हो रहा है। लोगों का कहना है कि प्रशासन की उदासीनता ने इस समस्या को और भी खतरनाक बना दिया है।

इस घटना के बाद से सिवनी की जनता में भारी रोष है। लोग अब इस मामले में तत्काल कार्रवाई, कुत्तों की नसबंदी और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर रखने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया और प्रशासन ने सख्त कदम नहीं उठाए, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। यह घटना प्रशासन के लिए एक चेतावनी है कि इस गंभीर समस्या को अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इनका कहना हैं

नगर में आवारा कुत्तों को पकडऩे का अभियान शुरू हो चुका हे वर्तमान में कुत्तों को पकडऩे वाली जाली कुत्तों द्वारा काट दी जाती हे हम अब कुत्तों को पकडऩे वाली स्टीलजाली मंगवा रहे ।

ज्ञानचंद सनोडिया कार्यकारी अध्यक्ष नगर पालिका

महिला की शिकायत पर पति सहित दो लोगों के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

छतरपुर। चार दिन पहले सिविल लाइन थाना क्षेत्र में ग्राम ढड़ारी के पास रेल्वे ब्रिज के समीप एक महिला संदिग्ध अवस्था में पड़ी मिली थी, जिसके हाथ-पैर बंधे हुए थे। पुलिस ने महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां होश में आने के बाद महिला ने अपने पति और उसके दो साथियों पर सामूहिक बलात्कार और मारपीट करने के बाद सड़क किनारे फेकने के आरोप लगाए। महिला की शिकायत पर सविलि लाइन थाना में महिला के पति सहित तीन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को दिए गए अपने बयान में महिला ने कहा है कि उसका पति लक्ष्मी राजपूत उसे बाजार ले जाने की बात कहकर साथ लेकर घर से निकला था। रास्ते में एक जगह पति ने उसे मोमोज खिलाए, जिसके बाद वह बेहोश हो गई। महिला का आरोप है कि बेहोशी की हालत में उसके पति ने अपने दो अन्य साथियों के साथ पहले सामूहिक बलात्कार किया और इसके बाद मारपीट की। महिला के मुताबिक मारपीट के बाद आरोपी उसके हाथ-पैर बांधकर उसे ढड़ारी रेल्वे पुल के पास फेककर भाग गए। सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि महिला की शिकायत पर उसके पति और दो अन्य लोगों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस आरोपियों की तलाश करने के साथ-साथ मामले की विवेचना में जुटी हुई है।

दो दिन पहले पति ने थाने में दिया था आवेदन

इसी मामले में महिला के पति लक्ष्मी राजपूत ने दो दिन पहले सिविल लाइन थाना में एक आवेदन दिया था। लक्ष्मी राजपूत ने बताया था कि उसकी पत्नी ने दो विवाह किए हैं। पहला विवाह भारत राजपूत के साथ किया था और दूसरा उसके साथ। लक्ष्मी राजपूत ने बताया कि उसकी पत्नी लोगों पर इस तरह से झूठे मामले दर्ज कराने में माहिर हैं। पहले भी वह कई लोगों पर इस तरह के मामले दर्ज करा चुकी है। पैसे ऐंठने की मंशा से उसने झूठे आरोप लगाए हैं। उल्लेखनीय है कि संबंधित महिला द्वारा पूर्व में कई थानों में गंभीर आरोपों के तहत मामले दर्ज कराए गए हैं, जिनमें दमोह में गैंगरेप (धारा 376 डी), बड़ामलहरा में धारा 354, गुलगंज में धारा 376 और बिजावर में मारपीट का एक मामला शामिल है। इतना ही नहीं महिला के खिलाफ भी बिजावर में मारपीट का एक मामला दर्ज है। उसने 22 मई 2025 को एसपी कार्यालय और कलेक्ट्रेट में भरतपुर गांव के सरपंच और सचिव पर दुष्कर्म व मारपीट के आरोप लगाए थे, जिसका बाद में समझौता हो गया था।

मुख्यमंत्री ने झाबुआ को 350 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी

राजगढ़ पारा-राणापुर पेट्रोल पंप तक बनेगी 55 किमी टू-लेन रोड

झाबुआ जिले में 25 करोड़ की लागत से बनाए जाएंगे छात्रावास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशवासियों को जीएसटी से छूट मिली है। वे भारत को आत्मनिर्भर बनाते हुए दुनिया के सामने चट्टान की तरह खड़े हैं। दुनिया के हर मंच पर प्रधानमंत्री के पहुंचने से ही रोशनी आती है। पूरी दुनिया भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। भारत सरकार देश के 85 करोड़ जरूरतमंदों को निः शुल्क राशन वितरित कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि झाबुआ को लगभग 350 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। राज्य सरकार ने इस अंचल के पारम्परिक भगौरिया पर्व को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा दिलाया है। मुख्यमंत्री ने बहनों को बधाई देते हुए कहा कि आगामी चुनावों में बहनों को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। इससे देश की संसद और विधानसभाओं में बहनों का प्रतिनिधित्व और बढ़ेगा।

ग्राम पारा में नवीन नलजल योजना से निर्माण की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पेटलावद में सर्वसुविधायुक्त बस स्टैंड, श्रंगेश्वर तीर्थस्थल में घाट निर्माण एवं सौंदर्यीकरण, राजगढ़-पारा-राणापुर-पिटोल मार्ग 55 किमी 2 लेन मार्ग निर्माण, एनएच-47 दत्तीगांव फाटे से उमरकोट-बोलासा रायपुरिया 2 लेन मार्ग निर्माण 30.80 किमी, एनएच-47 से माछलिया मृगारुंडी मार्ग पर उच्च स्तरीय पुल एवं मार्ग, झाबुआ-कल्याणपुरा-रायपुरिया मार्ग पर ग्राम कदवाली में टूटी पुलिया का निर्माण, ग्राम धतुरिया जिला झाबुआ से माही नदी पर पुलिया एवं लाबरिया जिला धार तक मार्ग निर्माण और ग्राम पारा विकासखंड रामा में नवीन नलजल योजना के निर्माण की घोषणा की गई। उन्होंने कहा कि झाबुआ जिले में 25 करोड़ की लागत से विभिन्न छात्रावास बनाए जाएंगे। झाबुआ के जनजातीय बच्चे डॉक्टर और इंजीनियर बनें और राज्य सरकार उनके देश से लेकर विदेश तक पढ़ाई का पूरा खर्च उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत जल्द मैं झाबुआ में मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास करने आऊंगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को नियुक्ति-पत्र वितरित

पेटलावद में 10 साल पहले एक बड़ा ब्लास्ट हुआ था। मुख्यमंत्री ने इस दुःखद हादसे के मृतकों और उसके परिजन के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण सहित महिला एवं बाल विकास विभाग में नव चयनित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को नियुक्ति-पत्र वितरित किए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

खबर संक्षेप

ई-केवाईसी शीघ्र पूर्ण कराए जाने के लिए दिए निर्देश

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने नगरीय निकायों को उनके क्षेत्र में पेंशनधारियों को समग्र आईडी ई-केवाईसी की प्रक्रिया को पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में अपर आयुक्त कैलाश वानखेड़े ने नगरीय निकायों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय में यह बात सामने आई कि पेंशन योजनाओं से लाभान्वित हो रहे बड़ी संख्या में पेंशनधारियों की समग्र आईडी की ई-केवाईसी प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। ऐसी स्थिति में जिन पेंशनधारियों की ई-केवाईसी पूर्ण नहीं होगी, उनकी आगामी माह से पेंशन रोकी जा सकती है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ प्राप्त करने के लिए समग्र आईडी की ई-केवाईसी अनिवार्य है। सामाजिक न्याय विभाग की ओर से इस कार्य के लिए 31 अगस्त तक की समय-सीमा निर्धारित की गई थी। जानकारी के अनुसार प्रदेश में 3 लाख 50 हजार से अधिक पेंशनधारियों की ई-केवाईसी शेष है।

हिंदी राष्ट्रीय सौहार्द की भाषा, राष्ट्रीय एकता की सबसे अच्छी कड़ी

भोपाल। हिंदी सौहार्द्र की भाषा है। यह राष्ट्रीय एकता की सबसे अच्छी कड़ी बन सकती है। यह बात माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में हिंदी दिवस की उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने एक स्वर से कही। हिंदी दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों द्वारा हिंदी भाषा के महत्व पर विचार प्रस्तुत करने से हुई। विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी कविताओं, लघु कथाओं और शोध पत्रों के माध्यम से हिंदी की संवेदनशीलता, विविधता और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उत्सव के दौरान प्रस्तुत किए गए रचनात्मक योगदानों ने न केवल भाषा के सौंदर्य को उजागर किया बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सरोकारों को भी सामने रखा।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

कबीरधाम। जिले के थाना सिंघनपुरी जंगल पुलिस ने हत्या के आरोपी को मलैदा जंगल से गिरफ्तार कर जेल भेजने में सफलता प्राप्त की है। गौरतलब है कि 8 सितंबर की शाम 6:30 बजे ग्राम बैगापारा भेंड्रानवागांव निवासी रामचरण बैगा उम्र 47 ने अपने ही गांव के शत्रुहन बैगा उम्र 42 को गांव से बाहर जाने की धमकी दी और जान से मारने की नीयत से हाथ, मुक्का से हमला कर दिया। हमले से शत्रुहन बैगा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना पर थाना सिंघनपुरी जंगल में मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया गया। मर्ग जांच में आरोपी रामचरण बैगा द्वारा हत्या किया जाना पाए जाने से थाना सिंघनपुरी जंगल में धारा 103(1) दर्ज कर विवेचना में लिया गया। घटना के बाद आरोपी फरार होकर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (केसीजी) जिले के मलैदा जंगल में छुपा हुआ था। थाना सिंघनपुरी जंगल की टीम ने साइबर सेल कबीरधाम की तकनीकी मदद से आरोपी का पता तलाश कर मलैदा जंगल से गिरफ्तार किया। इसके बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

सीएम डॉ. यादव ने कहा, किसान चिंता न करें, प्रभावित हर खेत का होगा सर्वे

मुख्यमंत्री ने किसानों को गले लगाया-ढांढस बंधाया और कहा, सरकार देगी हर संभव मदद

डॉ. मोहन प्रभावित फसलों का जायजा लेने पहुंचे खेतों में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अतिवृष्टि से जहां भी फसलों को नुकसान हुआ है, वहां हर खेत का सर्वे कर किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। किसान भाई चिंता न करें, राज्य सरकार उनके साथ खड़ी है। किसान भाई जरा भी चिंता न करें, सरकार हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे क्षेत्र में जहां भी नुकसान हुआ है हर खेत का पारदर्शिता के साथ पूरा सर्वे होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को रतलाम जिले की सैलाना तहसील के करिया गांव में अतिवृष्टि एवं पीला मोजेक से प्रभावित फसलों का अवलोकन किया। उन्होंने जिला कलेक्टर को खराब हुई फसलों का सर्वे कराए जाने के निर्देश दिए। किसानों की मांग पर ग्राम रियावन से ग्राम कालूखेड़ा की सड़क बनाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने किसान मनोहर लाल मालवीय और राधेश्याम पाटीदार के खेतों में जाकर सोयाबीन की फसल का जायजा लिया और उन्हें आश्वस्त किया कि राज्य सरकार इस संकट से किसानों को उबारेगी।

सैलाना तहसील के ग्राम करिया में प्रभावित फसलों का किया अवलोकन

किसान से किया संवाद

खेतों में फसल निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान चौपाल में किसान भाइयों से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि किसानों के प्रति केन्द्र एवं प्रदेश सरकार संवेदनशील है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों के हित के लिए किसान सम्मान निधि दी जा रही है। साथ ही प्रदेश सरकार की ओर से भी किसानों को सहायता राशि दी जा रही है। प्रदेश के 30 लाख किसानों को सोलर पंप प्रदान किए जाएंगे। गायों के लिए गो-शालाएं बनाई गई है, जिससे निराश्रित गाय खेतों को नुकसान नहीं पहुंचा सकें।

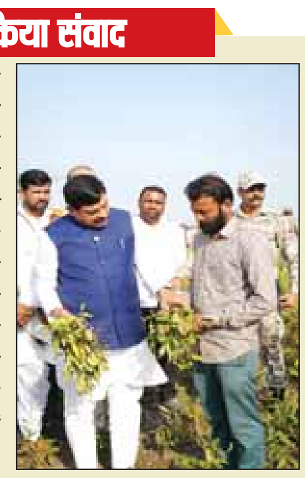

सरकार आपके साथ में चिंता मत करें: सीएम

हम आपके साथ में है, चिंता मत करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने करिया गांव में किसान राधेश्याम पाटीदार को ढांढस बंधाते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने राधेश्याम पाटीदार सहित अन्य किसानों के खेत में जाकर प्रभावित फसलों का मुआयना किया और कहा कि मुसीबत की इस घड़ी में सरकार किसानों के साथ में हैं और सरकार से हर संभव मदद दी जाएगी। भ्रमण के दौरान जिले के प्रभारी एवं जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह सहित जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव ने ली तैयारियों संबंधी बैठक

मप्र में 2 अक्टूबर से शुरू होगा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप प्रदेश के किसानों की पशुपालन के माध्यम से आय बढ़ाने और दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने के लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से प्रदेश में 2 अक्टूबर से दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत गांव-गांव पशुपालकों से व्यक्तिशः सम्पर्क किया जाएगा और उन्हें पशुओं में नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में जागरूक किए जाने के साथ आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा। अभियान 3 चरणों में चलाया जाएगा। इसकी शुरूआत 2 अक्टूबर को ग्राम सभाओं से की जाएगी।

नौ तक चलेगा अभियान

अभियान 9 अक्टूबर तक चलेगा। प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास उमाकांत उमराव ने शुक्रवार को मंत्रालय में अभियान की तैयारियों संबंधी बैठक ली। बैठक में सभी संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि अभियान का प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया तथा अन्य संचार माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए। गांवों में मुनादी पिटवाकर इसकी जानकारी दी जाए।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भर्ती के 270 पदों पर हुई 12 करोड़ की वसूली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश महिला बाल विकास विभाग की प्रदेश भर में की गई आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार होने का आरोप लगा है। दलित पिछड़ा समाज संगठन (डीपीएसएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आजाद समाज पार्टी के नेता दामोदर सिंह यादव ने शुक्रवार को पत्रकारवार्ता में भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए बताया कि जिला दतिया के तीनों विकासखंडों में 270 पदों की भर्ती

हुई, जिसमें करीब 10 से 12 करोड़ रुपए की वसूली की गई। यादव ने कहा कि मांग को लेकर हमारा प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव महिला बाल विकास, मुख्य सचिव से मिलकर मांग पत्र सौंपने जा रहा है। फिर भी कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन एवं पार्टी भोपाल में उग्र आंदोलन करेगी।

कई साल बस्तर में रही, दे चुकी बड़ी वारदातों को अंजाम

एक करोड़ की महिला नक्सली ने किया सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

नक्सली संगठन को फिर एक बार बड़ा झटका लगा है। कुख्यात नक्सली कमांडर किशनजी की पत्नी सुजाता ने तेलंगाना में आत्मसमर्पण किया है। सुजाता पर सरकार ने एक करोड़ रुपये का इनाम रखा था।

उसके सरेंडर को सुरक्षा एजेंसियां नक्सल मोर्चे पर बड़ी कामयाबी मान रही हैं। बताया जाता है कि सुजाता नक्सली संगठन के सेंट्रल कमेटी की मेंबर है। वह नक्सलियों के दक्षिण सब जोनल ब्यूरो की इंचार्ज के साथ ही और लंबे समय से छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में कई नक्सली वारदातों में सक्रिय रही है। उनके नाम पर

पहले

अब

कई बड़ी नक्सली वारदातें दर्ज हैं। इतना ही नहीं उसकी तुलना 'चंदन तस्कर' वीरप्पन से की जाती थी। माना जाता है कि वह खूंखार नक्सली हिड़मा को ट्रेनिंग दे चुकी है। सुरक्षा बलों की लिस्ट में वो टॉप रैंक की महिला नक्सली मानी जाती है। कई साल तक बस्तर में सक्रिय रहकर कई बड़ी नक्सली वारदातों को अंजाम दे चुकी है।

आठ-आठ लाख के दो इनामी नक्सली ढेर

बीजापुर। जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 8-8 लाख रुपये के दो इनामी नक्सली मारे गए हैं। घटना स्थल से भारी मात्रा में हथियार व नक्सली सामग्री भी बरामद की गई है। बीजापुर पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि माओवादी कैडर की गतिविधियों की विश्वसनीय सूचना के आधार पर डीआरजी बीजापुर की टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया। अभियान के दौरान 12 सितम्बर की सुबह सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान पुलिस बल और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ होती रही। मुठभेड़ समाप्त होने के बाद जब घटनास्थल की तलाशी ली गई, तो वहां से दो माओवादियों के शव बरामद किए गए। प्रारंभिक पहचान के अनुसार मृत नक्सलियों की पहचान हिड़मा पोड़ियाम यह पीपीसीएम कंपनी नंबर 02, प्लाटून नंबर 01 का सक्रिय सदस्य था। इस पर सरकार द्वारा 8 लाख रुपये का इनाम घोषित था। दूसरा मुन्ना मड़कम, यह भी कंपनी नंबर 02, प्लाटून नंबर 01 का सदस्य था और उस पर भी 8 लाख रुपये का इनाम घोषित था। सुरक्षा बलों को 01 नग 303 रायफल, 01 मैग्जीन व 04 जिंदा राउंड, 01 नग 12 बोर बंदूक व 04 जिंदा राउंड, बैटरी, कार्डेक्स वायर, स्कैनर सेट, माओवादी साहित्य एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्री प्राप्त हुई है।

नाबालिग के साथ मिलकर दिया था वारदात को अंजाम, दो दिन में पकड़ाए आरोपी

पड़ोसी निकला आदिवासी परिवार का हत्यारा, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

एक आदिवासी परिवार के पति-पत्नी और दो बच्चों की हत्या करने वाले कातिल को आखिरकार रायगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार करके सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। चरित्र शंका के कारण आरोपी ने नाबालिग के साथ मिलकर पूरे परिवार की हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपियों ने अपना गुनाह कबुल कर लिया है।

11 सितंबर को ग्राम ठुसेकेला राजीव नगर में ग्रामीणों ने खरसिया पुलिस को सूचना दी थी कि बुधराम उरांव का घर अंदर से बंद है और भीतर खून के धब्बे दिख रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, एडिशनल एसपी आकाश मरकाम, डीएसपी अनिल विश्वकर्मा, एसडीओपी प्रभात पटेल समेत खरसिया, छाल, कोतरारोड़, पूंजीपथरा, जोबी पुलिस, एफएसएल, डॉग स्क्वाड और बीडीएस की टीमें मौके पर पहुंचीं। जांच में बुधराम उरांव (42), उसकी पत्नी सहोद्रा (37) और दोनों बच्चों अरविंद (12) और शिवांगी (5) के शव बाड़ी में खाद के गड्ढे से बरामद हुए।

पुलिस को शुरू से ही था पड़ोसी पर शक

एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या मामले में अलग-अलग थानों के प्रभारी और स्टाफ की विशेष टीमें बनाकर जांच की जा रही थी। इसी दौरान जांच टीम को पड़ोसी लकेश्वर पटैल पर संदेह हुआ। साक्ष्य मिलने पर पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल करते हुए बताया कि राजमिस्त्री का काम करता है, उसका पडोसी बुधराम उराँव भी राजमिस्त्री का काम करता था जो अपने परिवार के साथ रहता था। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से कई कारणों से विवाद हुआ था।

जमीन सहित कई बातों पर थी रंजिश

आरोपी ने बताया कि वह पड़ोसी बुधराम के बाडी जमीन को खरीदना चाहता था जिसे कई बार बुधराम से मांगा, बुधराम ने जमीन बेचने से इंकार किया था, करीब 6 माह पूर्व लकेश्वर के लड़के ने बुधराम के घर में घुसकर चोरी किया था जिसे आपस मे सुलझा लिये थे। लकेश्वर पटैल उसके पडोसी बुधराम के चरित्र पर शंका करता था, इन सभी बातों को लेकर लकेश्वर पटेल बुधराम से रंजिश रखे हुआ था और बुधराम की हत्या की योजना बनाकर मौके की ताक में था। इसने घटना के पूर्व बुधराम और उसकी पत्नी की गैर मौजूदगी में उसके घर की रैकी की थी।

रॉड, गेंती, फावड़ा, कपड़े जब्त

09 सितंबर की रात उसने बुधराम को खूब नशे में देखा था, उसी रात प्लान के मुताबिक आरोपी लकेश्वर और नाबालिग, बुधराम के घर घुसे और सोये बुधराम और उसकी पत्नी, बच्चों की हथियार से हमले कर हत्या कर दी। फिर शवों को घर के दूसरे कमरे में जमीन खोद कर दफनाना चाहा पर जमीन सख्त होने से गड्ढा नहीं कर पाये और फिर शवों को घसीटते हुए बाड़ी की ओर ले जाकर खाद में गड्ढा कर दफन करने का प्रयास किया। पुलिस ने घटनास्थल ले जाकर आरोपियों से पूरी घटना का री-क्रिएशन कराई गई। आरोपियों के मेमोरेंडम पर टंगिया, रॉड, गैंती, फावड़ा, कपड़े आदि महत्वपूर्ण साक्ष्यों की जब्ती कर दोनों को हत्या के मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

एलन मस्क का नया प्लान, अब सीधे सैटेलाइट से जुड़ेंगे फोन

वॉशिंगटन। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने बड़ा कदम उठाया है। 8 सितंबर को स्पेसएक्स ने इकोस्टार नाम की कंपनी से 17 अरब डॉलर में कुछ लाइसेंस खरीदे हैं। इस डील से स्पेसएक्स को अपनी कर्ज चुकाने और सैटेलाइट फोन तकनीक को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। स्पेस ने एक्स बैंड और एमएसएस फ्रीक्वेंसी बैंड खरीदे हैं जो सीधे स्मार्टफोन को सैटेलाइट से जोड़ने के लिए बहुत जरूरी हैं। यह स्टारलिंक के लिए बड़ा मौका साबित हो सकता है। स्पेसएक्स की अध्यक्ष शॉटवेल ने बताया कि, इन लाइसेंसों से वो स्टारलिंक के लिए नए जनरेशन का सैटेलाइट बना पाएंगे।

कब शुरू किया था ये प्रोग्राम?

कंपनी ने 2024 की शुरुआत में ही अपने डायरेक्ट टू सेल सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में भेजना शुरू किया था। इनका मकसद यह है कि किसी भी स्मार्टफोन को डायरेक्ट सैटेलाइट से जोड़ा जा सके, जिससे लोग बिना किसी एंटीना या ऐप के भी टेक्स्ट भेज सकें, कॉल करें और इंटरनेट का इस्तेमाल कर सकें। अभी तक 600 से ज्यादा सैटेलाइट्स काम कर रहे हैं जो 5 महाद्वीपों में हैं। हालांकि, इन सैटेलाइट्स से सिग्नल पहुंचने में शहरी इलाकों की तुलना में ज्यादा समय लगता है।

ये नेटवर्क कैसे होंगे?

स्पेसएक्स के मुताबिक, अगली पीढ़ी के सैटेलाइट 20 गुना तेज डाटा स्पीड दे सकेंगे और उनकी कुल क्षमता भी 100 गुना ज्यादा होगी। ये सैटेलाइट बिल्कुल 5G नेटवर्क जैसा अनुभव देंगे। स्पेसएक्स अपनी फ्रीक्वेंसी का इस्तेमाल और ज्यादा बढ़ाना चाहता है, ताकि भविष्य के डायरेक्ट-टू-सेल सैटेलाइट्स एक साथ और ज्यादा कनेक्शन संभाल सकें और बेहतर स्पीड दे सकें।

क्या है डिजिटल डिवाइड?

जैसे-जैसे स्पेसएक्स अपनी सैटेलाइट की क्षमता को बढ़ा रहा है, पूरी दुनिया में कनेक्टिविटी पर इसका बहुत बड़ा असर पड़ सकता है। सैटेलाइट को सीधे स्मार्टफोन से जोड़ने की तकनीक उन जगहों पर संचार की नई संभावनाओं को पैदा करेगा, जहां इंटरनेट नहीं पहुंच पाया है। इस तकनीक का इस्तेमाल इमरजेंसी में मदद करने, आपदा के समय बचाव कार्य में और गांव-देहात में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। यह डिजिटल डिवाइड यानी इंटरनेट की कमी को ऐसे तरीकों से खत्म करेगा जिसकी कल्पना नहीं की गई हो।

अब अंतरिक्ष में लंबी यात्रा करना होगा मुमकिन!

433 साल तक चलेगी नासा की ये नई बैटरी

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष में गहरी खोज के लिए नासा ने एक नई परमाणु तकनीक विकसित की है। इस तकनीक में रेडियोआइसोटोप थर्मोइलेक्ट्रिक जेनरेटर का इस्तेमाल होता है जिसे आमतौर पर परमाणु बैटरी कहा जाता है। ये बैटरीज रेडियोधर्मी पदार्थों के गर्म होने से बनी गर्मी को बिजली में बदलती है। पहले नासा इन बैटरियों के लिए प्लूटोनियम-238 का इस्तेमाल करता था जिससे वॉयेजर जैसे मिशन को सफलता मिली। लेकिन, अब नासा की ये नई खोज अंतरिक्ष की यात्रा को और दूर ले जाने में मदद कर सकती है।

क्या इसका परीक्षण शुरू हो गया?

नासा की ग्लेन रिसर्च सेंटर और ब्रिटेन की लीसेस्टर यूनिवर्सिटी मिलकर एक प्रयोग कर रहे हैं। वो जांच कर रहे हैं कि अमेरिकियम-241 का इस्तेमाल परमाणु ईंधन के तौर पर किया जा सकता है या नहीं। वे इस पदार्थ को स्टर्लिंग इंजन जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ मिलकर देख रहे हैं। यह खास डिजाइन अंतरिक्ष में काम करने के लिए बहुत अच्छा है। इस साल जनवरी में नासा ने अमेरिकियम-241 को भविष्य के आरटीजी के लिए मुख्य ईंधन के तौर पर परखना शुरू कर दिया है।

कैसे काम करता है आरटीजी?

रेडियोआइसोटोप थर्मोइलेक्ट्रिक जेनरेटर अंतरिक्ष यान को बिजली देने का अहम तरीका है। ये परमाणु बैटरी उन अंतरिक्ष यानों के लिए बहुत जरूरी है जो सौरमंडल के बाहर जाते हैं, जहां सूरज की रोशनी भी नहीं होती। ये बैटरी प्लूटोनियम-238 का इस्तेमाल करती है, जो धीरे-धीरे गर्म होकर गर्मी पैदा करता है, फिर इस गर्मी को बिजली में बदल दिया जाता है। प्लूटोनियम-238 की आधी उम्र 88 साल होती है, इसलिए बैटरी लंबे समय तक चलती है।

कितनी पावरफुल है आरटीजी?

आरटीजी की क्षमता सिर्फ प्लूटोनियम-238 तक ही सीमित नहीं है, इसके अलावा एक और पदार्थ अमेरिकियम-241 भी अच्छा ऑप्शन साबित हो सकती है। इसकी आधी उम्र 433 साल ही जो प्लूटोनियम-238 से 4 गुना ज्यादा है। इसका मतलब है कि अगर नासा इसका इस्तेमाल करे तो उनके अंतरिक्ष यान ब्रह्मांड में और भी दूर जा सकते हैं और सदियों तक काम भी कर सकते हैं।

स्वयंश्री सम्मेलन में सर्वोत्तम प्रथाओं का एक संग्रह लांच

रिलायंस मप्र में 3.8 लाख महिलाओं को बनाएगा सशक्त लखपति दीदी

वाणिज्य डेस्क ▶▶ भोपाल

रिलायंस फाउंडेशन और गेट्स फाउंडेशन द्वारा एमपीएसआरएलएम (मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन) के सहयोग से संचालित स्वयंश्री कार्यक्रम ने अब तक मध्य प्रदेश में 3.8 लाख से अधिक महिलाओं को "लखपति दीदी" बनने की दिशा में सशक्त बनाया है।

इस अवसर पर भोपाल में स्वयंश्री सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें नीति निर्माताओं, सामाजिक संस्थाओं, उद्योग जगत और महिला समूहों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और महिलाओं की आजीविका को मज़बूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। सम्मेलन में बोलते हुए एमपीएसआरएलएम की सीईओ हर्षिका सिंह (आईएएस) ने कहा कि स्वयंश्री कार्यक्रम ने महिलाओं को अपनी पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़कर नए सपने देखने की

प्रेरणा दी है। उन्होंने बताया कि स्वयं सहायता समूहों और संघों के माध्यम से लाखों महिलाएँ अपनी आय बढ़ाने के काम में जुड़ी हैं और यह मॉडल जिले और राज्य स्तर पर भी अपनाया जा सकता है। रिलायंस फाउंडेशन की महिला सशक्तिकरण प्रमुख एन. दीप्ति रेड्डी ने कहा कि यह कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाने और उनकी आय में सुधार करने का एक मज़बूत साधन है।

स्थायी आय के अवसर बना रहा

गेट्स फाउंडेशन के निदेशक अलकेश वाधवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री के "लखपति दीदी" विजन से प्रेरित होकर स्वयंश्री कार्यक्रम महिलाओं के लिए स्थायी आय के अवसर बना रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार, निजी क्षेत्र और सामाजिक संगठनों का मिलकर काम करना ही बड़े पैमाने पर महिलाओं के जीवन में बदलाव ला सकता है। कार्यक्रम के दौरान 'महिलाओं की आजीविका को मजबूत बनाने के लिए मध्य प्रदेश की सर्वोत्तम प्रथाएं' नामक एक संग्रह भी जारी किया गया। इसका उद्देश्य मध्य प्रदेश, गुजरात और ओडिशा की दस लाख महिलाओं तक पहुंचना है और उनकी घरेलू आय को न्यूनतम एक लाख रुपए वार्षिक तक बढ़ाना है। यह कार्यक्रम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से लागू किया जा रहा है।

यहां बिकते हैं मेंढक के पकौड़े, चांव से खाते हैं लोग!

बैंकाक। आपने अब तक आलू, पनीर, प्याज या मिर्च के पकौड़े तो ज़रूर खाए होंगे, लेकिन आज हम आपको एक ऐसे अजीब पकौड़े के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे सुनकर ही कई लोग चौंक जाएंगे। जी हां, हम बात कर रहे हैं मेंढक के पकौड़े की। थाईलैंड, वियतनाम और कुछ एशियाई देशों में मेंढक का मांस बड़े चाव से खाया जाता है। वहां के लोग इसे बेहद स्वादिष्ट और प्रोटीन से भरपूर मानते हैं। इसी से बना एक व्यंजन है फ्रॉग पकोड़ा यानी मेंढक का पकौड़ा।

इसे बनाने का तरीका भी लगभग वैसे ही होता है, जैसे हम भारत में पकौड़े बनाते हैं। वीडियो में एक महिला मेढ़क का पकौड़ा बनाते हुए दिखाई दे रही है। महिला सबसे पहले मेंढक से सभी खराब हिस्सों को हटा देती है, ताकि लोग बिना किसी समस्या के इसे आराम से खा सकें। इसके बाद वह मेंढक के अंदर भरने के लिए हल्दी, नमक, मिर्च और मसालों का मिश्रण तैयार करती है। फिर इस मिश्रण को मेंढक के पेट में भर देती है। इसके बाद इन्हें गर्म तेल में डालकर कुरकुरा होने तक तलती है और अंत में ऊपर से मसाले छिड़ककर गर्म-गर्म परोस देती है।

क्यों है खास फ्रॉग सॉसेज?

बता दें कि, फ्रॉग सॉसेज थाईलैंड के कई इलाकों में खाने का हिस्सा है। यहां के गांवों में लोग मेंढक को स्वादिष्ट और सेहतमंद भोजन मानते हैं। उनका कहना है कि मेंढक का मीट हल्का, प्रोटीन से भरपूर और पचाने में आसान होता है। यही वजह है कि यह डिश धीरे-धीरे शहरों में भी फैमस हो गई है। फ्रॉग सॉसेज की लोकप्रियता का एक और कारण इसका स्ट्रीट फूड कल्चर है। थाईलैंड में लोग महंगे रेस्टोरेंट की बजाय गलियों में बिकने वाले फूड को ज़्यादा पसंद करते हैं। सस्ता, जल्दी तैयार होने वाला और स्वाद से भरपूर- यही इनकी खासियत है।

तकनीकी खामियों से परेशान टैक्सपेयर्स

भोपाल। इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की डेडलाइन जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे कि राज्यों की चार्टर्ड अकाउंटेंट एसोसिएशन के द्वारा डेडलाइन को आगे बढ़ाने की मांग की जा रही है। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआईए) भोपाल के वरिष्ठ कर सलाहकार और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स राजेश जैन ने बताया कि आयकर पोर्टल से एआईएस एवं टीआईएस डाउनलोड नहीं हो रहे हैं इस कारण से आयकरदाता आयकर विवरणी के लिए तैयार डेटा को एआईएस एवं मिलान नहीं कर पा रहे हैं। आयकर विभाग का कहना है कि एआईएस से मिलान के उपरांत ही अपनी आयकर विवरणी दाखिल करें।

राशिफल

मेष — मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन — कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क — किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह — परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या — संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला — नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक — मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर — किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ — आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते

मीन — शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

एसबीआई ने ऑटो स्वीप की सीमा बढ़ाकर 50 हजार की

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी ऑटो-स्वीप सुविधा में बदलाव किया है। इस सुविधा के तहत बचत खाते में अतिरिक्त राशि को फिक्स्ड डिपॉजिट में बदला जाता है। अब ग्राहकों को अपने बचत खाते में कम से कम 50,000 रुपए रखने होंगे। पहले यह सीमा 35,000 रुपए थी। इस बदलाव से उन ग्राहकों पर असर पड़ेगा जो कम बैलेंस रखते थे और इस सुविधा का फायदा लेते थे। एसबीआई की इस सुविधा को मल्टी ऑप्शन डिपॉजिट योजना कहा जाता है। इसके तहत बचत खाते में 50 हजार रुपए से ज्यादा की राशि को ऑटोमैटिकली फिक्स्ड डिपॉजिट में ट्रांसफर कर दिया जाता है। यह राशि 1,000 रुपए की इकाइयों में बदलती है। इन डिपॉजिट पर बचत खाते से ज्यादा ब्याज मिलता है। यह ब्याज सामान्य टर्म डिपॉजिट की दरों के बराबर होता है। इस सुविधा की खास बात यह है कि अगर बचत खाते में बैलेंस कम हो जाता है, तो बैंक ऑटोमैटिकली एमओडी से पैसे वापस ट्रांसफर कर देता है। इसे रिवर्स स्वीप कहा जाता है। इससे ग्राहकों को जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसे मिल जाते हैं।

क्रेडाई नेटकॉन-2025 में चमका भोपाल अभियान की पहल

अंतरराष्ट्रीय मंच पर शशि थरूर ने की रिपोर्ट के कंटेंट की प्रशंसा, आशुतोष ने किया अवलोकन

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

सिंगापुर के मरीना बे सैंड्स में चल रहे क्रेडाई नेटकॉन-2025 में राजधानी भोपाल की पहल 'कमाल का भोपाल' अंतरराष्ट्रीय मंच पर चर्चा का विषय बनी। नेटकॉन में क्रेडाई भोपाल अध्यक्ष मनोज मीक ने डॉ. शशि थरूर और अभिनेता आशुतोष राणा से विशेष मुलाकात की।

शहरी विकास, साहित्य और राजधानी की पहल 'कमाल का भोपाल' पर विस्तार से बातचीत हुई। भारतीय राजनीतिज्ञ और पूर्व राजनयिक डॉ. शशि थरूर ने रिपोर्ट के कंटेंट की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह राज्यों कीराजधानियों के बेहतर विकास के लिए मॉडल बन सकती है। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र तिरुवनंतपुरम के लिए ऐसी रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश अपने चीफ ऑफ स्टाफ को दिए। जबकि आशुतोष राणा ने कहाकि महालक्ष्मी सरस्वती के साथ आती हैं। हमारी राजधानी बेहद खूबसूरत है और खूबसूरती को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता है। उन्होंने दुष्यंत कुमार संग्रहालय आने का आमंत्रण स्वीकार किया।

अभियान अब राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बन रहा

इस अवसर पर क्रेडाई नेशनल प्रेसिडेंट शेखर पटेल को औपचारिक रूप से 'कमाल का भोपाल' रिपोर्ट सौंपी गई। पटेल ने कहा कि वे केंद्र सरकार से होने वाली चर्चाओं में भोपाल का पक्ष शहरी विकास मंत्रालय के समक्ष रखेंगे। मनोज मीक ने कहाकि नेटकॉन-2025 ने हमें भोपाल राजधानी क्षेत्र के लिए अपना नजरिया साझा करने का अवसर दिया। 'कमाल का भोपाल' अभियान अब राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बन रहा है।

द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड ने अपना पहला फ्लेक्सी कैप फंड लांच किया

मुंबई। पैंटोमैथ ग्रुप की कंपनी द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड ने फ्लेक्सी कैप फंड नाम से एक नया फंड ऑफर (एनएफओ) के लॉन्च की घोषणा की है। यह 24 सितंबर को खुलेगा और 8 अक्तूबर को बंद होगा। इसे लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में निवेश कर अवसरों का लाभ उठाने के लिए बनाया गया है। द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड चुस्ती, साइंटिफिक डिलिजेंस और वितरक-प्रधान इकोसिस्टम के साथ निवेश में विश्वास करती है। वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड भारतीय निवेश परिदृश्य में संस्थागत-गुणवत्ता वाले शोध, पीई-स्टाइल के उचित परिश्रम और रिटेल फर्स्ट पहुंच का एक अनूठा मिश्रण प्रदान करती है।

आवश्यकता

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:- 9229187457 (रायपुर/19/सितंबर/25)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वधु चाहिए- बंगाली डायवोसी विदुर 40/5'3" इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्टर प्रतिमाह इनकम- 50000/- हेतु वधु चाहिए। जातिबंधन नहीं, बच्चे वाले संपर्क ना करें (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) मो.- 9826294381, 9389024361 (671)

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5988

बाएँ से दाएँ
1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे
1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली- 5987 का हल

सूडोकु नवताल- 5998

★★★☆☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SENADHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5997 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा हिंदी की जड़ें प्राचीन भारतीय आर्य भाषा परिवार की है, जिसकी जननी संस्कृत है। संस्कृत, जिसे 'देववाणी' भी कहा जाता है। इसकी विशिष्टताओं ने हिंदी को आज विश्व के कोने-कोने तक पहुंच दिया है। अगर इसके प्रसार के लिए कुछ और प्रयास किए जाएं तो निस्संदेह इसका वर्चस्व और भी बढ़ेगा।

भारत की आत्मा है हिंदी

आवरण कथा / भूपेंद्र शर्मा

आज हिंदी भाषा भारत तक सीमित नहीं है। यह विश्व भर में एक सशक्त पहचान बना चुकी है। दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों द्वारा बोली जाती है। भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में, हिंदी सीखने से भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से के साथ संवाद एवं जुड़ने का अवसर मिलता है। भारत की विविध संस्कृति, जीवंत अर्थव्यवस्था तथा समृद्ध विरासत हिंदी को यात्रा, कार्य एवं सांस्कृतिक खोज के लिए एक श्रेष्ठ माध्यम बनाती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण हिंदी में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां, विशेष रूप से जिनके भारत में निर्माण, उत्पादन कार्य या ग्राहक हैं, उन कर्मचारियों को महत्व देती है, जो हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद कर सकते हैं। हिंदी सीखना करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है, खासकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, पत्रकारिता, अनुवाद एवं कूटनीतिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में।

क्षेत्रीय भाषाओं का प्रवेश द्वार

हिंदी का विकास कई चरणों में हुआ। अपभ्रंश से होते हुए, इसने अपनी वर्तमान पहचान बनाई। मध्यकाल में खड़ी बोली के रूप में इसने अपनी नींव रखी, जो आगे चलकर आधुनिक हिंदी का आधार बनी। हिंदी भारत में बोली जाने वाली विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं को समझने एवं सीखने के लिए एक प्रवेश द्वार की तरह है। बंगाली, मराठी, गुजराती एवं पंजाबी सहित कई भारतीय भाषाएं व्याकरण, शब्दावली तथा लिपि के मामले में हिंदी के साथ समानताएं साझा करती हैं।

फिल्म उद्योग तक पहुंच

भारतीय फिल्म उद्योग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में फिल्मों का निर्माण होता है, जिन्हें भारत में ही नहीं, विश्व के अनेक देशों में देखा जाता है। हिंदी सिनेमा की विश्व में अद्भुत लोकप्रियता है। विदेशों में हिंदी के प्रसार में हिंदी फिल्मों का बड़ा योगदान है। हिंदी फिल्में, हिंदी गीत एवं टीवी शो की जीवंत दुनिया हिंदी सीखने वालों के लिए बड़ा सरल माध्यम है। वहीं इनके माध्यम से विश्वभर में फैले भारतीय प्रवासियों के साथ भारत एवं भारतीय संस्कृति के अटूट, मधुर संबंध स्थापित होते हैं। इसीलिए हिंदी को भारत की आत्मा कहते हैं।

विश्व में 61 करोड़ हिंदी भाषी

वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के अनुसार, हिंदी भाषा वर्तमान समय में 61 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस में स्थित है। यह सचिवालय हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए 11 फरवरी 2008 से कार्यरत है। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

राजभाषा विभाग के प्रयास

सन 2019 से सभी 59 मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया। अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन भी किया जा चुका है। विदेशों में भी लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई एवं पोर्ट-लुई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां बनाई गई हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने की भी पहल की है। पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन बनारस में 13-14 नवंबर, 2021 को तथा 14 सितंबर 2022 को सूरत में दूसरा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस साल पुणे में तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। विभाग ने कुल 90 हजार शब्द का एक 'ई-महाशब्दकोष' मोबाइल एप तथा लगभग 9 हजार वाक्य का 'ई-सरल' वाक्यकोष भी तैयार किया है।

हिंदी की विशिष्टताएं

देवनागरी लिपि: हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है, जो देखने में मनमोहक और ध्वन्यात्मक रूप से सटीक है। इसमें 11 स्वर एवं 33 व्यंजन हैं, जिनमें प्रत्येक ध्वनि का अलग स्वर एवं उच्चारण है।

स्वर की लंबाई: हिंदी में कुछ स्वर ध्वनियों का उच्चारण विस्तारित अवधि के साथ किया जा सकता है, जिससे शब्दों का अर्थ बदल जाता है। उदाहरण के लिए, 'मा' का अर्थ 'मां' है, जबकि 'मान' का अर्थ 'सम्मान' है।

मानद रूप: हिंदी व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक संबोधित करने के लिए मानद रूपों को शामिल करती है। बड़ों, सम्मानित व्यक्तियों या उच्च सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों से बात करते समय सम्मानजनक सर्वनामों, क्रिया रूपों एवं वाक्य संरचनाओं का उपयोग भाषा के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मान एवं शिष्टाचार के साथ प्रदर्शित करता है।

लिंग वाली संज्ञा: हिंदी में संज्ञाओं के तीन लिंग हैं। पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग। एक संज्ञा का लिंग अकसर विशेषणों, क्रियाओं तथा सर्वनामों के समझौते को निर्धारित करता है, जो इसके साथ उपयोग किए जाते हैं।

सर्वनाम का अंतर: हिंदी एकवचन के लिए औपचारिक एवं अनौपचारिक सर्वनामों के बीच अंतर करती है। औपचारिक सर्वनाम 'आप' का प्रयोग सम्मान दिखाने या उच्च पदस्थ व्यक्ति को संबोधित करने के लिए किया जाता है, जबकि अनौपचारिक सर्वनाम 'तुम' का प्रयोग समान सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ किया जाता है।

जटिल क्रिया प्रणाली: हिंदी की क्रिया प्रणाली में विभिन्न क्रिया रूप एवं काल हैं। क्रियाओं का संयोजन तनाव, पहलू, मनोदशा एवं विषय के साथ समझौते जैसे कारकों से प्रभावित होता है, जिससे भाषा की क्रिया संरचना जटिल तथा अभिव्यंजक हो जाती है।

संस्कृत का प्रभाव: हिंदी पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। कई हिंदी शब्दों की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है, जो शब्दावली को समृद्ध करती है तथा भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं दार्शनिक परंपराओं के साथ गहरा संबंध प्रदान करती है।

ध्वनि विविधता: हिंदी में ध्वनियों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसमें स्वर, व्यंजन एवं नासिक्य ध्वनियां हैं। इसकी ध्वन्यात्मक सूची विविध मधुर उच्चारण प्रवाहित करती है।

क्षेत्रीय विविधता: भारत के विभिन्न हिस्सों में हिंदी की विभिन्न क्षेत्रीय बोलियां तथा शैली है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी शब्दावली, उच्चारण एवं व्याकरणिक विविधताएं हैं, जो हिंदी भाषी जनमन के भीतर भाषाई विविधता को दर्शाती हैं।

अभी अधूरा है विकास

हिंदी अपनी वैश्विक पहचान रखती है, किंतु इसके विकास के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

तकनीकी विकास: हिंदी में तकनीकी शब्दावली को अधिक विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग बढ़ सके।

मानकीकरण एवं सरलता: बोल-चाल एवं लेखन में एकरूपता लाने के लिए मानकीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सरकारी प्रोत्साहन: सरकार को हिंदी के उपयोग को सभी क्षेत्रों में बढ़ावा देना चाहिए, विशेषकर शिक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में।

वैश्विक मंचों पर उपयोग: अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास होने चाहिए। *

हिंदी दिवस और संविधान में स्थान

हिंदी दिवस मनाने का इतिहास भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है। 14 सितंबर 1949 को, भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। यह निर्णय हिंदी को राष्ट्र की एकता के सूत्र के रूप में स्थापित करने के लिए लिया गया था। पहला हिंदी दिवस 1953 में मनाया गया। यह दिन हमें भाषा के महत्व और उसके संरक्षण की याद दिलाता है। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी उपबंध हैं। अनुच्छेद 120 (संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा) भाग 17 में अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संसद में कार्य हिंदी में या अंग्रेजी में किया जाएगा। अनुच्छेद 343 (संघ की राजभाषा) संघ की राजभाषा हिंदी एवं लिपि देवनागरी होगी, संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा।

विचारणीय / लोकमित्र गौतम

इसे विडंबना ही कहना चाहिए कि जिस हिंदी को बोलने, जिसमें मनोरंजन करने में युवा पीढ़ी खूब आनंद लेती है, उसे ही लिखने और पढ़ने में असहज रहती है। हालांकि इसके लिए सिर्फ वही नहीं जिम्मेदार है। ऐसे में इस समस्या के निराकरण के लिए परिवार, समाज से लेकर व्यवस्था तंत्र को भी विचार करना होगा।

हिंदी को लेकर सहज नहीं युवा पीढ़ी

भारत की कुल आबादी में से 65 फीसदी से ज्यादा युवा हैं, जिनकी उम्र 35 साल या इससे कम है। इनमें से 60 से 65 फीसदी युवा फर्राटे से हिंदी बोलते-समझते हैं। ये आमतौर पर हिंदी फिल्में भी देखते हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी के कार्यक्रम चाव से देखते हैं। मगर इनकी एक ऐसी कमजोरी है, जिस पर आम लोगों का यकायक ध्यान नहीं जाता। इनमें से करीब आधे युवा ऐसे हैं, जो हिंदी बोलते हैं, समझते हैं, लेकिन प्रवीणता से हिंदी पढ़ और लिख नहीं पाते। कुछ पढ़ते भी हैं तो सहजता से शुद्ध-शुद्ध नहीं पढ़ पाते।

आधी युवा आबादी है असहज: देश में हिंदी बोलने वाले करीब आधे युवा हिंदी में कतई सहज नहीं है। ऊपर से देखने में यह कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं लगती। यहां तक कि हिंदी भाषी मां-बाप को भी अपने हिंदी लिख और पढ़ न पाने में असहज बच्चों से किसी तरह की भावनात्मक परेशानी नहीं होती, लेकिन सच बात यह है कि हिंदी की सबसे कमजोर कड़ी यही युवा पीढ़ी है, जो ऊपर से तो हिंदी में बहुत सहज दिखती है, मगर भीतर से हिंदी को लेकर बिल्कुल असहज है। दरअसल, यही वह पीढ़ी है, जो अप्रत्यक्ष रूप में हिंदी को मौखिक भाषा तक सीमित करने में लगी है।

शैक्षिक-सांस्कृतिक विडंबना: यह सचमुच हिंदी के साथ बड़ी भाषाई विडंबना है, क्योंकि हिंदी बोलने वाले, हिंदी पढ़ने वाले, हिंदी में मनोरंजन करने वाले युवा बाहरी तौर पर यह प्रभाव देते हैं कि जैसे वो हिंदी सेवी हों। पर वास्तव में वो हिंदी सेवी नहीं होते। दक्षिण भारत में खासकर बेंग्लुरु, चेन्नई में जिन उत्तर भारतीय युवाओं की पहचान हिंदीभाषी होने से है, वास्तव में ये हिंदीभाषी समझे जाने वाली युवा पीढ़ी का बड़ा हिस्सा भी उन्हीं की तरह हिंदी में असहज है। भले यह बाहरी तौर पर हिंदी वाले लगते हों, पर सचमुच में ये हिंदी वाले नहीं हैं, हिंदी को इनसे फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि हिंदी बोलना, हिंदी में बातें करना, हिंदी में मनोरंजन करना, लेकिन हिंदी लिख और पढ़ न पाना या इसमें सहज न हो पाना, सिर्फ भाषाई समस्या नहीं है। यह सांस्कृतिक और शैक्षिक त्रासदी भी है।

नहीं है हिंदी की गहरी समझ: दक्षिण या पश्चिम भारत के बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के भी बड़े शहरों में ऐसे युवाओं की भरमार है। दिल्ली में भी 25 से 30 फीसदी ऐसे युवा हैं, जो बस हिंदी में बातें करते हैं, गाने सुनते हैं, वेब सीरीज देखते हैं, लेकिन सौ शब्दों का आवेदनपत्र हिंदी में नहीं लिख सकते। घंटों हिंदी में बहस करने वाले उस विषय पर एक पेज भी हिंदी में नहीं लिख पाते। यह इसलिए बड़ी समस्या है कि इससे हिंदी की असली समस्या पर पर्दा पड़ा रहता है। यह भ्रम बना रहता है कि हिंदी, बोलने, जानने और समझने वाले बहुत बड़ी तादाद में लोग हैं। लेकिन यह ऐसी ढोल के भीतर पोल वाली खोखली पीढ़ी है, जो न तो हिंदी का साहित्य जानती है, न कविता जानती है, न हिंदी के अखबार पढ़ती है और न ही हिंदी के ऐतिहासिक दस्तावेजों से ही इसका कोई परिचय है। ऐसे में भला यह पीढ़ी हिंदी का कैसे भला करेगी? यह तो उल्टा हिंदी में रह कर ही हिंदी को कमजोर करती है।

पहचान होती है मातृभाषा: अगर आप ऐसी पृष्ठभूमि से आते हैं कि आपके घर की भाषा यानी मातृभाषा हिंदी है और पढ़ाई और कामकाज की भाषा अंग्रेजी है, तो भले रोज के कामकाजी घंटों में आपको यह खुशफहमी रहती हो कि अपनी कमजोर हिंदी को लेकर आपमें किसी तरह की असहजता नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह होती है कि अगर हम अपनी मातृभाषा को पढ़ने और लिखने में सहज नहीं होते तो हमारे अंदर एक स्वतः जन्मी हीन भावना हर समय रहती है। जो लोग अपनी मातृभाषा को सही से लिखना, पढ़ना नहीं जानते, उन्हें अपनी दुनिया के सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों का भी पता नहीं होता। दिन रात अंग्रेजी पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय अंग्रेजी के मुहावरों, उसकी लोकोक्तियों में मौजूद गहरे सांस्कृतिक संदर्भों से कभी नहीं जुड़ पाते, इसलिए बहुत सी बातों को वो कभी भी गहराई से समझ नहीं पाते। हमें लिपि की कठिनाई का बहाना बनाकर अपनी भाषा से नहीं कटना चाहिए। एक बार अगर हम अपनी भाषा से कट गए, तो हम अपनी स्मृतियों से, पीढ़ीगत धरोहरों से और साहित्यिक विरासत से भी कट जाते हैं।

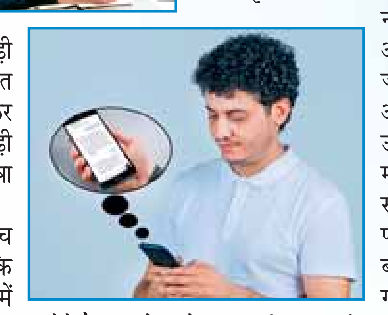

डिजिटल जीवनशैली का प्रभाव: इसमें आज की डिजिटल लाइफस्टाइल और बाहर के देशों से आने वाली तकनीकी का भी हाथ है। लेकिन इस आरोप से तो हम अपनी भाषा के साथ लगाव न रख पाने को सही नहीं ठहराते। माना कि डिजिटल युग में मोबाइल और सोशल मीडिया में रोमन लिपि में लिखे, पढ़े जाने का चलन है, जिससे देवनागरी की प्रैक्टिस खत्म होती है। लेकिन यह यूं ही स्वतः नहीं पैदा हो गया। इस स्थिति के पैदा होने में बकायदा सांस्कृतिक संदर्भों का योगदान है। आज जिस तकनीक का आप अपने जीवन में इस्तेमाल कर रहे हैं, वह किसी हिंदी भाषी ने नहीं विकसित की, वह इस तकनीक को हिंदी के अनुकूल क्यों विकसित करता? अतः हिंदी के साथ अपने सहज और आत्मीय रिश्ते आपको खुद ही रखने है, इसके लिए किसी तकनीकी कमी या उसके संकट को बहाना नहीं बना सकते। *

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं।

हिंदी हमारी मदर टंग है

मुझे हिंदी दिवस के एक कार्यक्रम में जाना पड़ा। मैं जैसे ही माइक के सामने हुआ खड़ा, आयोजक ने कहा, 'आज आपको हिंदी पर एक कविता जरूर सुनानी है।'

मैंने कहा, 'तो सुनिए, जो हिंदी की कहानी है। हिंदी समस्त भारतीय भाषाओं की रानी है। हिंदी का बड़ा सम्मान है। यह हमारी आन-बान-शान है। इस पर हमें गर्व है, दर्प है, अभिमान है। क्योंकि हिंदी महान है।

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं। वर्ष भर पूजाघरों में मूर्तिवत सजाकर-संवार कर धरते हैं। इस भाषा में नहीं है कोई खोट। इसे साल के बाकी दिनों में तलाशो तो हिंदी वैसे ही मिला करती है, जैसे किसी माफिया के पूजाघर में रखे हुए नंबर दो के करेंसी नोट।

हिंदी हमारी अभिलाषा है। यह हमारी राजभाषा है। इसलिए इसकी पूजा करना हमारी मजबूरी है। जैसे आज की सियासत में अशालीन होना जरूरी है।

हिंदी का बड़ा महत्व है। हिंदी से हमें ममत्व है। हिंदी हमारे लिए वैसे ही है, जैसे गांव वालों के लिए मेला, जैसे मजदूरों के लिए ठेला और रैली में रेला। हिंदी हमारी शोभा है, हमारा अलंकार है। हिंदी हमारा अंतिम प्यार है। हिंदी का नाम लेते ही हमारे अधरों पर फूल खिलते हैं। हिंदी हमारे लिए इसलिए भी प्यारी है

क्योंकि हिंदी में मांगों तो वोट भी आसानी से मिलते हैं। इसीलिए तो हर राजनेता हिंदी के साथ दिखता है। अहिंदी भाषी सियासातदान भी हिंदी सीखता है।

हिंदी पर अब और कितना सुनाऊं मेरे भाई? हिंदी हमारे भाल की बिंदी है, और लोग हैं कि इतनी-सी बात समझ पाते नहीं कि मर्द बिंदी लगाते नहीं। तो आधी आबादी को छूट, बच गई आधी तो उसको भी है आजादी कि फैशन से फुर्सत हो तो बिंदी लगाएं। इस विदेशी कल्चर की क्यारी में हम कैसे हिंदी का प्लांट लगाएं? कहिए, आयोजक जी, अभी भी आपका मन नहीं भरा हो तो हम हिंदी पर और भी सुनाएं।'

आयोजक बोला, 'अब आप कृपापूर्वक जाएं और नेक्स्ट ईयर अगेन हिंदी पर ऐसी ही एक नई कविता लिखकर अवश्य लाएं।' *

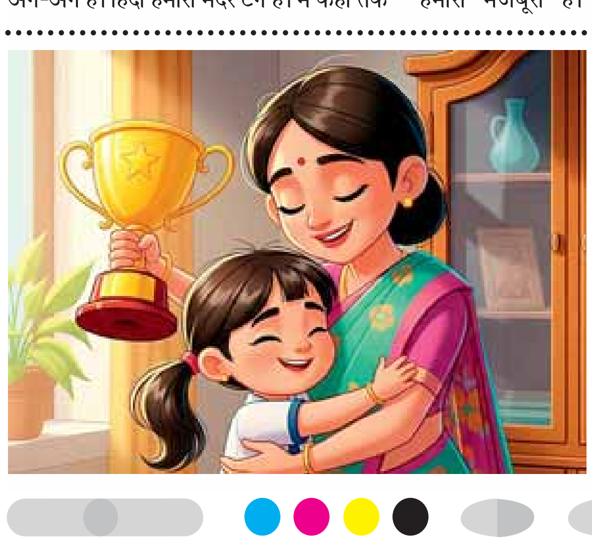

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

हिंदी बनाम इंग्लिश

रिया बहुत देर से अपने कमरे में चहलकदमी कर रही थी। नमिता ने पूछा, 'क्या बात है बेटी, क्यों परेशान हो?'

'मेरे स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग है, और पापा घर पर नहीं हैं।' रिया खीझे स्वर में अपनी मम्मी से बोली।

'अरे तो क्या हुआ? मैं हूं ना। मैं चलती हूं पैरेंट्स मीटिंग में।' मां बोलीं।

'आप तो रहने ही दें। आपको इंग्लिश बोलना कहां आती है? आप आएंगी तो मेरा स्कूल में मजाक ही बनेगा।' रिया का जवाब सुनकर मां स्तब्ध रह गई। इस बात के लिए वह अकसर अपने पति से भी खरी-खोटी सुनती थी, आज बेटी ने भी सुना दिया। कुछ दिनों बाद स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर एक प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला था, जिसका शीर्षक था, 'हिंदी बनाम इंग्लिश।' रिया जानती थी, मम्मी की हिंदी पर बहुत अच्छी पकड़ है। उसने पहले मम्मी से अपने पिछले बर्ताव के लिए मांफी मांगी फिर बोली, 'मम्मी, प्लीज आप मेरे लिए एक स्पीच लिख कर दे दीजिए।' मां पूरे मनोयोग से स्पीच लिखने में जुट गई। उसकी मेहनत रंग लाई। रिया को प्रथम पुरस्कार मिला। स्कूल से आते ही रिया अपनी मम्मी के गले लग गई, बोली, 'आपके लिखे स्पीच ने आज मुझे स्कूल में फेमस कर दिया। यूं आर ग्रेट मम्मी! यह पुरस्कार मैं आपको समर्पित करती हूं।'

अपनी बेटी की नजरों में अपने लिए सम्मान देख मां की आंखें खुशी से छलक आईं। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजनरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

सिर्फ 38 मिनट में जीता सेमीफाइनल, 483 दिनों बाद किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

हांगकांग। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार बैडमिंटन जोड़ी ने अपना लंबा इंतजार खत्म करते हुए शनिवार को हांगकांग ओपन 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। यह 483 दिनों के बाद उनका पहला फाइनल है।
एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट जोड़ी ने ताइवान के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई को सीधे गेमों में हराकर केवल 38 मिनट में 21-17, 21-15 से जीत हासिल की। थाईलैंड ओपन 2024 के बाद सात्विक और चिराग का यह पहला फाइनल है और इस साल की शुरुआत में यह जोड़ी पांच सेमीफाइनल से बाहर हो गई थी। उन्हें छठी कोशिश में सफलता मिली।

अब भारतीय जोड़ी का सामना चीन की छठी वरीयता जोड़ी से

शुरुआती गेम में ताइवानी खिलाड़ियों ने पेश की चुनौती

सेमीफाइनल मुकाबले में शुरुआती गेम में चेन और लिन ने जबरदस्त चुनौती पेश की और अंतर कम करने की कोशिश की। हालांकि सात्विक और चिराग ने लगातार तेज स्मैश और सटीक नेट प्ले से वापसी करते हुए नियंत्रण हासिल किया और गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने अपनी रफ्तार बदली और शुरुआत में ही बढ़त बना ली। अपनी लय बरकरार रखते हुए 21-15 से आसान जीत हासिल कर ली। अब भारतीय जोड़ी का सामना चीन की छठी वरीयता प्राप्त लियांग वेई केंग और वांग चांग या ताइवान की सहोदर जोड़ी ली फांग-चिह और ली फांग-जेन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता जोड़ी से होगा।

अब लक्ष्य सेन से उम्मीद

भारत के लक्ष्य सेन की नजर सिंगल्स के फाइनल में पहुंचने पर है। सेमीफाइनल में उनका सामना चीनी ताइपे के चोउ तिएन-चेन से होगा। चोउ ने अल्वी फरहान को 22-20, 16-21, 21-14 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। लक्ष्य ने अपने अभियान की शुरुआत ताइवान के वांग त्जु-वेई पर कड़े मुकाबले में 22-20, 16-21, 21-15 से जीत के साथ की। इसके बाद उन्होंने राउंड ऑफ़ 16 के एक रोमांचक मुकाबले में हमवतन एचएस प्रणॉय को 15-21, 21-18, 21-10 से हराया। क्वार्टर फाइनल में 24 साल के लक्ष्य ने आयुष शेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

खबर संक्षेप

मिस्र ओपनः अभय ने फ्रांस के मार्चे को हराया

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ी अभय सिंह ने गीजा में 366,000 डॉलर इनामी राशि के पीएसए विश्व टूर डायमंड स्पर्धा मिस्र ओपन के शुरुआती दौर में फ्रांस के दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी ग्रेगोइरे मार्चे पर सीधे गेम में शानदार जीत दर्ज की। यह अभय के करियर की सबसे बड़ी जीत है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी और कई बार के राष्ट्रीय चैंपियन अभय ने 36 मिनट में 12-10, 11-9, 11-3 से जीत हासिल की। यह प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी की रैंकिंग के हिसाब से उनका अब तक का सबसे अच्छा परिणाम है। अभय के सामने अब अंतिम 32 दौर में मिस्र के 10वीं वरीयता प्राप्त यूसुफ इब्राहिम की चुनौती होगी। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन वेलवन सेंथिलकुमार को हालांकि निराशा हाथ लगी।

ओडिशा में 11 अक्टूबर से टेबल टेनिस चैंपियनशिप

नई दिल्ली। यूएई के हटने के बाद 22 देशों ने भुवनेश्वर में होने वाली 28वीं आईटीटीएफ-एटीटीयू एशियाई टेबल टेनिस टीम चैंपियनशिप में भाग लेने की पुष्टि की है। आयोजकों ने 500 से ज्यादा प्रतिभागियों के इसमें भाग लेने की उम्मीद जताई। ओडिशा पहली पर एशियाई स्तर की टेबल टेनिस चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 15 अक्टूबर तक कलिंगा स्टेडियम में होगा। ओडिशा राज्य टेबल टेनिस संघ 500 से अधिक प्रतिभागियों का स्वागत करेगा, जिनमें 450 खिलाड़ी और सहयोगी कर्मचारी के साथ 70 से 80 की संख्या में एशियाई टेबल टेनिस संघ के अधिकारी शामिल होंगे। यह चैंपियनशिप 16 वर्षों के बाद भारत में आयोजित हो रही है, जिसमें एशिया के शीर्ष खिलाड़ी अपना दबदबा बनाने की कोशिश करेंगे। चीन, जापान और कोरिया की मजबूत टीमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 10-10 सदस्यीय टीमें उतारेंगी, जिनके साथ बड़ी संख्या में सहयोगी टीमें भी होंगी। इस आयोजन को लंदन में 2026 में होने वाली विश्व टीम चैंपियनशिप की महत्वपूर्ण तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

हिताशी-रिद्धिमा ने हासिल किया कट

जुग (स्विट्जरलैंड)। भारत की दो गोल्फरों रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी ने वीपी बैंक स्विस लेडीज ओपन में कट हासिल किया। दोनों भारतीय गोल्फर 71 और 69 के कार्ड खेलकर दो अंडर 140 के कुल स्कोर से संयुक्त 23वें स्थान पर बनी हुई हैं। अन्य भारतीयों में वाणी कपूर (74-70), स्नेहा सिंह (70-75), पिछले साल की उप विजेता त्वेसा मलिक (72-74) और प्रणवी उर्स (74-76) कट हासिल करने से चूक गईं।

एशिया कपः आज रात 8 बजे से भारत और पाकिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी, जमीनी स्तर पर उत्साह की कमी

दुबई। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम रविवार को एशिया कप में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में प्रबल दावेदार होगी और दिलचस्प बात है कि पिछले कुछ महीनों में सीमा पर बढ़े तनाव के बावजूद इस मुकाबले को लेकर किसी तरह की 'हाइप' नहीं है।
चार महीने बाद भारत में टी20 विश्व कप को देखते हुए मुकाबला महत्वपूर्ण है। लेकिन कई साल में पहली बार भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच में उस तरह के उत्साह का अभाव है, जो दोनों देशों के बीच मैच में अक्सर होता है जबकि यह रविवार को खेला जा रहा है।

भारतीय टीम मजबूत

भारत के अंतिम एकादश में शुभमन गिल, सूर्यकुमार, अभिषेक शर्मा जैसे बल्लेबाज, जसप्रीत बुमराह जैसा तेज गेंदबाज, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिनर मौजूद हैं। कागज पर भारतीय टीम पाकिस्तान की तुलना में कहीं अधिक खतरनाक दिखती है, जो नए कप्तान सलमान अली आगा के नेतृत्व में अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है। हालांकि इस प्रारुप की बदलने वाली प्रकृति को देखते हुए उलटफेर की संभावना हमेशा बनी रहती है लेकिन इस मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ इसकी संभावना कम ही है।

मैच को लेकर उत्साह गायब

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में कड़वाहट भरी है। इसके बाद हुए सैन्य अभियान और जनता के गुस्से ने महाद्वीपीय क्रिकेट के इस सबसे 'हाई-प्रोफाइल' मैच की तैयारी को बहुत फीका बना दिया। मैच के हजारों टिकट अब भी उपलब्ध हैं और शुक्रवार को भारत के अभ्यास सत्र में बहुत कम दर्शक पहुंचे। मैच को लेकर पहले की तरह उत्साह भी गायब है।

पाकिस्तानी टीम में स्पिनरों की तिकड़ी

पाकिस्तानी टीम के सबसे प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में से एक सलामी बल्लेबाज सैम अयूब, मध्यक्रम के बल्लेबाज हसन नवाज तथा अबरार अहमद, सूफियान मुकीन और मोहम्मद नवाज की स्पिनरों की तिकड़ी नए लुक वाली टीम में यह बात साबित करना चाहेंगे कि उन्होंने बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान पर पूरी तरह निर्भर रहने की नीति को त्याग दिया है।

संभावित टीम

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह।
पाकिस्तानः फखर जमां, हसन नवाज, खुशदिल शाह, साइम अयूब, सलमान आगा, हुसैन तलत, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस, साहिबजादा फरहान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन अली, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, मोहम्मद वसीम जूनियर।

स्पिनरों की होगी अहम भूमिका

आमतौर पर भारत-पाक मैच में भारतीय बल्लेबाजों और पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों के बीच मुकाबला होता है लेकिन इस बार दोनों टीमों के स्पिनरों की अहम भूमिका होगी जबकि जसप्रीत बुमराह और शाहीन शाह अफरीदी ही एकमात्र विशेषज्ञ तेज गेंदबाज हैं, जो रविवार को मैदान में उतरेंगे।
पिच में हालांकि ज्यादा टर्न नहीं है लेकिन दोनों टीमों में एक-एक दाएं हाथ के कलाई के स्पिनर और एक-एक बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर की मौजूदगी एक दिलचस्प कहानी बनाती है।
सूफियान मुकीम एक अच्छे गेंदबाज हैं लेकिन कुलदीप यादव जैसे चतुर गेंदबाज के आस-पास भी नहीं हैं, जिनकी गुगली खेलना आसान नहीं है।

चक्रवर्ती की रहस्यमयी गेंदबाजी

वरुण चक्रवर्ती की रहस्यमयी गेंदबाजी पाकिस्तान के बल्लेबाजों के लिए खतरनाक हो सकती है। वह साइम अयूब और साहिबजादा फरहान जैसे युवाओं के लिए मुश्किल साबित हो सकते हैं, जो स्पिनरों को समझ नहीं पा रहे हैं। बाए हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाल आईसीसी रैंकिंग में 30वें स्थान पर हैं लेकिन अक्षर पटेल के मुकाबले कहीं नहीं टिकते। अक्षर भारतीय टीम में सबसे अहम हैं लेकिन 'लो प्रोफाइल' खिलाड़ी हैं।

सॉल्ट ने खेली 141 रन की नाबाद पारी

सॉल्ट ने 39 गेंद में मारी सेंचुरी, दक्षिण अफ्रीका को 146 रनों से हराया

मैनचेस्टर। फिल सॉल्ट के इंग्लैंड के लिए सबसे तेज टी20 शतक और इस प्रारुप की सबसे बड़ी पारी के बूते इस टीम ने दक्षिण अफ्रीका पर रिकॉर्ड 146 रन की बड़ी जीत दर्ज की। सॉल्ट के नाबाद 141 रन और जोस बटलर की 83 रन की ताबड़तोड़ पारी से इंग्लैंड ने दो विकेट पर 304 रन बनाए। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस प्रारुप का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इंग्लैंड की पारी में 18 छक्के और 30 चौके लगे। सॉल्ट ने 39 गेंद में शतक पूरा कर इंग्लैंड के लिए सबसे कम गेंद में सैकड़ा पूरा करने रिकॉर्ड अपने नाम किया। यह सॉल्ट का इंग्लैंड के लिए चौथा शतक था। इंग्लैंड के किसी अन्य खिलाड़ी के नाम एक से अधिक शतक नहीं है। ग्लेन मैक्सवेल और रोहित शर्मा (प्रत्येक के पांच) ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में सॉल्ट से अधिक शतक जड़े है। सॉल्ट ने 119 रन का आंकड़ा पार करते ही अपना और इंग्लैंड के लिए सर्वोच्च टी20 व्यक्तिगत स्कोर कायम कर लिया।
158 रनों पर सिमटी दक्षिण अफ्रीका की टीमः दक्षिण अफ्रीका ने लक्ष्य का पीछा करते हुए तीन विकेट पर 64 रन बना लिए थे लेकिन आठवें ओवर में कप्तान एडेन मारक्रम की 20 गेंदों में 41 रनों रन की पारी पर विराम लगने के बाद टीम की हार तय हो गई। दक्षिण अफ्रीका की पारी 17वें ओवर में 158 रन पर सिमट गई। मारक्रम शीर्ष स्कोरर रहे। दक्षिण अफ्रीका के लिए यह रनों के हिसाब से सबसे बड़ी टी20 हार है जबकि इंग्लैंड के लिए यह रनों के हिसाब से सबसे बड़ी जीत है।

यानसेन की तीन गेंदों पर मारे लगातार तीन चौके

दक्षिण अफ्रीका ने हवा की नमी का फायदा उठाने की उम्मीद में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन सॉल्ट और बटलर की सलामी जोड़ी ने ओल्ड ट्रैफर्ड के अपने घरेलू मैदान में उनके गेंदबाजों की जमकर धुनाई की।
सॉल्ट ने मार्को यानसेन की पहली तीन गेंदों पर लगातार तीन चौके मारे, लेकिन जल्द ही बटलर उनसे आगे निकल गए। बटलर ने लगातार चार चौके जड़ 18 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया जो इंग्लैंड के लिए तीसरा सबसे तेज

भारत ने लगातार दूसरी बार जापान के साथ खेला ड्रॉ

भारत ने बढ़त गंवाते हुए जापान के साथ सुपर 4 का अपना आखिरी मुकाबला ड्रॉ खेला। इससे महिला एशिया कप हॉकी 2025 में उसे फाइनल में जाने के लिए अब चीन के भरोसे रहना होगा। 13 सितंबर को खेले गए मुकाबले में भारत ने सातवें मिनट में गोल कर बढ़त ले ली थी लेकिन जापान ने फुल टाइम से ठीक पहले बराबरी कर ली। ऐसे में मैच 1-1 से बराबर रहा। भारत ने इस इवेंट में जापान के साथ अपने दोनों मुकाबले ड्रॉ कराए। इससे पहले पूल मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ खेला था। जापान अभी डिफेंडिंग चैंपियन है।
भारत को अब महिला एशिया कप हॉकी के फाइनल में जाने के लिए चीन-कोरिया के मैच के नतीजे का इंतजार करना होगा। इसमें अगर चीन को जीत मिलती है या फिर ड्रॉ रहता है तो भारत खिताबी मुकाबले में पहुंच जाएगा। यहां उसकी टक्कर चीन के साथ होगी। इन दोनों के बीच सुपर 4 में मुकाबला हुआ था, जिसमें मेजबान चीन ने 4-1 से जीत हासिल की थी।

ब्यूटी ने सातवें मिनट में किया फील्ड गोल

जापान के खिलाफ मुकाबले में भारत की ओर से ब्यूटी डुंग डुंग ने सातवें मिनट में फील्ड गोल किया। जापान की तरफ से कोबायाकावा शिहो ने 58वें मिनट में गोल किया। भारतीय टीम को अभी तक इस इवेंट में केवल एक ही हार मिली है, जो चीन के सामने आई थी। चीन एशियाई टीमों में सबसे मजबूत है।

मेकोनेन और एयायु लेंगे दिल्ली हाफ मैराथन में हिस्सा

नई दिल्ली। इथियोपिया की गत चैंपियन एलेमाडिस एयायु और उनके हमवतन जेमल मेकोनेन 12 अक्टूबर को आयोजित होने वाली 20वीं दिल्ली हाफ मैराथन का मुख्य आकर्षण होंगे। दिल्ली हाफ मैराथन एक विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस है। कंपाला में 2017 विश्व क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में इथियोपिया की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा रहे मेकोनेन भारत में पहली रेस में हिस्सा लेंगे। इस 29 वर्षीय धावक ने 58:33 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ कई बार 60 मिनट से कम समय में रेस पूरी की है और 2024 सियोल मैराथन भी जीती है। उन्होंने कहा, 'यह भारत की मेरी पहली यात्रा है। मैंने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के बारे में बहुत कुछ सुना है, जिसे मेरे साथी धावक अक्सर शानदार बताते हैं।' कीनिया के पेरिस मैराथन चैंपियन बेनार्ड बिवॉट, ओलंपिक 5000 मीटर रजत पदक विजेता रोनाल्ड क्वेमोई और इसाक किपकेंबोई भी पुरुष वर्ग में शामिल हैं।

आईएसएसएफ विश्व कपः ईशा ने किया भारत के पदकों का सूखा खत्म, जीता गोल्ड

निंगबो। ओलंपियन और मौजूदा मिश्रित टीम पिस्टल विश्व चैंपियन ईशा सिंह ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के पदकों के सूखे को खत्म किया। निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 20 वर्षीय ईशा ने एक रोमांचक फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी याओ कियानक्सुन को 0.1 अंक से हराया। दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ओह येजिन ने कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में यह ईशा का पहला विश्व कप स्वर्ण पदक है और इसने भारत को पदक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंचने में मदद की। भारत के साथ चार और देश एक स्वर्ण पदक के साथ तालिका में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। मेजबान चीन दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। भारत ने इस टूर्नामेंट में हर स्पर्धा में अपने चौथे से छठे क्रम के निशानेबाजों को उतारा है।

विश्व कप से पहले भारत के पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खुद को परखने का मौका

मुल्लांपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से विश्व कप की तैयारियों को पुख्ता करने के साथ इस मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मिली पिछली हार का हिसाब बराबर करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। इस श्रृंखला से हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम को आगामी घरेलू विश्व कप के लिए अपनी टीम को बेहतर बनाने का मौका मिलेगा। दोनों देशों के बीच पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया में तीन मैचों की श्रृंखला में भारत का सूपड़ा 0-3 से साफ हो गया था। इस दौरे के बाद हालांकि भारतीय टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने आयरलैंड को 3-0 से हराया, श्रीलंका में दक्षिण अफ्रीका की मौजूदगी के साथ हुई त्रिकोणीय श्रृंखला में जीत दर्ज की और फिर इंग्लैंड दौरे पर भी टी20 अंतरराष्ट्रीय (3-2) और वनडे (2-1) दोनों दोनों प्रारुपों में जीत दर्ज की।

- महिला क्रिकेटः आज से शुरू होगी तीन मैचों की वनडे सीरीज

तेज गेंदबाज रेणुका की वापसी : स्ट्रेस फैक्चर के कारण क्रिकेट से नौ महीने दूर रहने के बाद तेज गेंदबाज रेणुका सिंह की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी पर सबकी नजरें टिकी हैं। मुख्य चयनकर्ता नीतू डेविड ने उनकी वापसी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, 'रेणुका हमारे लिए एक अनमोल खिलाड़ी हैं।

स्पिन गेंदबाजी विभाग काफी मजबूत

स्पिन गेंदबाजी विभाग भी काफी मजबूत है। इसमें श्रीलंका में त्रिकोणीय श्रृंखला में प्रभावित करने वाली स्नेह राणा, युवा श्री चारानी के साथ दीप्ति शर्मा और राधा यादव की अनुभवी जोड़ी शामिल हैं। स्मृति मंधाना के साथ सलामी बल्लेबाज के तौर पर प्रतिका रावल बल्लेबाजी में पारी का आगाज करेंगीं। प्रतिका ने शेफाली वर्मा की जगह टीम में अपनी अपनी जगह पक्की कर ली है। हरलीन देओल तीसरे नंबर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, जबकि हरमनप्रीत और जेमिमा रोड्रिग्स मध्य क्रम में अनुभव देंगी। पहले दो वनडे मुकाबले मुल्लांपुर में खेले जाएंगे, जबकि श्रृंखला का आखिरी और निर्णायक मैच 20 सितंबर को नई दिल्ली में होगा।

विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिपः चैंपियन बनने से दो कदम दूर भारत की बेटियां

रिंग में दिखाया पंच का दम, फाइनल में पहुंची जैस्मिन और नूपुर

भारतीय मुक्केबाज जैस्मिन लाम्बोरिया और नूपुर श्योरण वर्ल्ड चैंपियन बनने से अब महज एक कदम दूर हैं। दोनों ने सेमीफाइनल में धमाकेदार जीत हासिल करके फाइनल में जगह बना ली है। लीवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत के महान मुक्केबाज हवा सिंह की पोती जैस्मिन ने 57 किग्रा वेट कैटेगरी और नूपुर ने 80 किग्रा से अधिक वेट कैटेगरी में जीत हासिल की। जैस्मिन ने वेनेजुएला की ओमेलिन कैरोलिना अल्काला को 5-0 से हराया। वहीं नूपुर ने तुर्की की दुज़्तास सेयमा को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दोनों ने रिंग में अपने पंच का दम दिखाया।

- भारत के चार मेडल पक्के

इन दोनों के अलावा मीनाक्षी ने भी सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत का चौथा मेडल पक्का कर दिया है। उन्होंने 48 किग्रा वेट कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड की एलिस पंफ्री को सर्वसम्मत फैसले में हराया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला मंगोलिया की लुत्सैखानी अल्तांत्सेत्सेग से होगा।

पूजा रानी बनाई सेमीफाइनल में जगह

जैस्मिन, नूपुर और मीनाक्षी के अलावा पूजा रानी भी भारत के लिए एक मेडल पक्का कर चुकी हैं। पूजा ने 80 किग्रा वेट कैटेगरी के सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं इससे पहले भारत की स्टार मुक्केबाज निकहत जरीन हार के साथ ही चैंपियनशिप से बाहर हो गईं। क्वार्टरफाइनल में निकहत को तुर्की की बुसे नाज काकिरोग्ल के हाथों 0-5 से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

भारत के खाते में चार मेडल आने तय

इस चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय भारतीय दल उतरा। महिला बॉक्सिंग में जहां भारत के खाते में चार मेडल आने तय हो गए हैं। वहीं पुरुषों की कैटेगरी में खाली हाथ रहना पड़ा. पुरुषों के 50 किग्रा वेट कैटेगरी में जादूमणि सिंह मंडेंगबाम को क्वार्टर फाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार के एशियाई चैंपियन कजाकस्तान के संझार ताशकेनबे के हाथा 0.4 से हार गए। उनके बाहर होने के साथ भारतीय पुरुष टीम 2013 के बाद पहली बार वर्ल्ड चैंपियनशिप में खाली हाथ रही।

जबलपुर, सिहोरा व पाटन में 7150 प्रकरणों का हुआ निराकरण, 74 खंडपीठों में न्यायालयों में लंबित 2468 व 4682 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण

राष्ट्रीय लोक अदालत में 62 करोड़ 94 लाख 73 हजार 306 रुपये का मुआवजा वितरित

शनिवार को जिला अदालत में आयोजित की गई नेशनल लोक अदालत के दौरान उस समय भावुक कर देने वाला दृश्य नजर आया, जब वर्षों से अलग अलग रह रहे पति-पत्नी फिर से एक साथ रहने को तैयार हो गए।

फाइल फोटो

हरिभूमि जबलपुर।

तृतीय अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय मुकेश कुमार दांगी की अध्यक्षता वाली पीठ ने दोनों पक्षों को समझाया और साथ रहने प्रेरित किया। नतीजतन पति-पत्नी पुराने गिले-शिकवे भुलाकर साथ रहने तैयार हो गए। कोर्ट में एक बार फिर वरमाला पहनाई, मिठाई खिलाई व एक-दूसरे की ओर निहारकर मुस्कुराए। इसके साथ ही हाथ थामकर घर की ओर निकल पड़े। जाते-जाते अब न बिछड़ने की सौगंध खाई। सबसे खास बात यह रही कि शगुन की राशि व मिठाई जज की ओर से मुहैया कराई गई।

जिला अदालत जबलपुर और तहसील न्यायालय सिहोरा व पाटन में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत के जरिए सुबह से शाम तक कुल 7150 प्रकरण निराकृत कर 62 करोड़ 94 लाख 73 हजार 306 रुपये का मुआवजा वितरित किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कृष्णमूर्ति मिश्रा ने सुबह साढ़े 10 बजे राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया। जिसके साथ ही जबलपुर, सिहोरा और पाटन में समझौते की प्रक्रिया को गति दी गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शक्ति वर्मा ने बताया कि प्रकरणों के निराकरण के लिए कुल 74 खंडपीठों का गठन किया गया था। इनके जरिए न्यायालयों में लंबित 2468 व 4682 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया। आपराधिक शमनीय प्रकृति के 522 प्रकरण, धारा 138 एन आई एक्ट के 289 प्रकरण, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा के 1176 प्रकरण, सिविल मामलों के 65 प्रकरणों, विवाह संबंधित प्रकरण 67 व विद्युत अधिनियम के अंतर्गत 240, अन्य प्रकृति के 76 लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया। चेक बाउंस के कुल 33578247 रूपये के समझौता राशि के निर्णय किए गए। मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा के प्रकरणों में 464092482 की राशि वितरित की गई। विद्युत के न्यायालयों में लंबित 240 प्रकरणों में 3340328 की राशिवसूली हुई। इसी प्रकार बैंक रिकवरी के 299 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में निराकरण उपरांत 52684071 की समझौता राशि लोक अदालत में प्राप्त हुई।

दुर्घटना से प्रभावित परिवारों को मिली आर्थिक सहायता

राष्ट्रीय लोक अदालत में फ्यूचर जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से संबंधित कुल आठ प्रकरणों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। इन प्रकरणों में कुल दो करोड़ 38 लाख, 70 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति राशि का दावा किया गया था, जिसमें बीमा कंपनी ने तत्परता दिखाते हुए एक करोड़ 80 लाख रुपये में राजीनामा प्रस्तुत किया। इन प्रकरणों में गंभीर चोट व मृत्यु के मामले शामिल थे। पीड़ित नवयुवक थे। बीमा कंपनी ने प्रारंभिक चरण में ही समझौता कर निपटारा कर दिया, जिससे दुर्घटना से प्रभावित परिवारों को शीघ्र आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। इस प्रकार लोक अदालत ने न केवल विवादों के त्वरित समाधान का मार्ग प्रशस्त किया, बल्कि पीड़ितों को राहत प्रदान कर मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रकरणों के

भाईयों के मध्य पुराने विवाद का हुआ निराकरण

आवेदक सूरज भाटिया व अनावेदक प्रवीण भाटिया, संजय भाटिया के मध्य व्यवसायीक विवाद था। जिसमें हाई कोर्ट द्वारा नियुक्त आब्रिट्रेटर के द्वारा मध्यस्थता की कार्यवाही की गई। अनावेदकगण द्वारा एक करोड़ रुपये अदा करने हेतु कहा गया। अनावेदकगण के द्वारा कुछ राशि का भुगतान किया गया था। विवाद होने के कारण आवेदक डिक्रीधारी सूरज भाटिया द्वारा लगभग 28 लाख रुपये की वसूली हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया गया। आवेदक सूरज भाटिया अमेरिका में निवासरत हैं व उनके भाई जबलपुर में निवासरत हैं, काफी प्रयास करने के बाद समस्त समझौता राशि का भुगतान किया गया। इस तरह दोनों भाईयों के मध्य चल रहे विवाद का समापन हुआ। प्रकरण का निराकरण लोक अदालत में होने के परिणामस्वरूप आवेदक द्वारा अदा की गई 73 हजार रुपये कोर्ट फीस वापस किए जाने का आदेश दिया गया। यह माला जिला न्यायाधीश प्रवेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली पीठ में सुना गया।

जो पति भरण-पोषण राशि नहीं दे रहा था, अब वह साथ रहने तैयार

कुटुम्ब न्यायालय में पत्नी व पति का मामला समझौते के लिए लगा। दोनों का 24 मई, 2021 को विवाह हुआ था। इसके बाद एक पुत्री का जन्म हुआ। मनमुटाव के कारण पत्नी ने अदालत में भरण-पोषण राशि का मुकदमा दायर कर दिया था। 20 हजार रुपये मासिक भरण-पोषण का आदेश भी पारित हुआ। लेकिन पति ने राशि नहीं दी और मारपीट कर भगा दिया। लिहाजा, प्रकरण पुनः कोर्ट आ गया। जहां से समझौते के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत में रखा गया। यहां मनोवैज्ञानिक तरीके से ऐसी समझाइश दी गई कि दोनों साथ रहने तैयार हो गए। फिर क्या था, एक-दूसरे को माला पहनाई, मिठाई खिलाई और साथ चल दिए। इसी के साथ सारा कानूनी विवाद समाप्त कर दिया गया।

गणवेश पहनकर रील बनाने और अपलोड करने पर वकीलों के खिलाफ होगी कारवाई

जबलपुर। मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद ने अधिवक्ताओं द्वारा गणवेश पहनकर रील बनाने और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने पर कड़ा रुख अपनाया है। परिषद ने चेतावनी दी है कि ऐसा करने वाले वकील के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्टेट बार काउंसिल के वाईस चेयरमेन आरके सिंह सैनी ने बताया कि वर्तमान में यह देखा जा रहा है कि कुछ अधिवक्ता अधिवक्ता यूनिफॉर्म पहनकर तरह-तरह की रील बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे कि यूट्यूब, इंस्टाग्राम, वॉट्सअप पर अपलोड करते हैं। इससे नोबल प्रोफेशन कहे जाने वाले अधिवक्ता व्यवसाय की छवि समाज में धूमिल हो रही है। साथ ही यह शिकायत भी प्राप्त हो रही है कि कुछ अधिवक्ता न्यायाधीश से नजरें बचाकर कोर्ट रूम में रील बनाते हैं और सोशल मीडिया पर अपलोड कर देते हैं, जोकि गंभीर मामला है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो भी अधिवक्ता यूनिफॉर्म पहनकर सोशल मीडिया पर वीडियो या रील अपलोड करेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अधारताल पुलिस ने घेराबंदी कर दबोची, गाड़ी छोड़कर आरोपी फरार

एक्सिस में परिवहन हो रही थी 310 पाव देशी शराब

हरिभूमि, जबलपुर।

पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर जिले में अवैध शराब व नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने की कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में अधारताल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देते हुए 310 पाव देशी शराब सहित एक एक्सिस वाहन जप्त किया है। हालांकि आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहा, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। टीआई प्रवीण कुमरे ने बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि नीले रंग की बिना नम्बर की एक्सिस से आरोपी गौरव जायसवाल सफेद प्लास्टिक की बोरियों में भारी मात्रा में शराब लेकर अम्बेडकर कॉलोनी से कटरा की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने नेता कॉलोनी के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी एक्सिस व शराब की बोरियां छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मौके से एक्सिस वाहन को जब्त कर बोरियों की जांच की तो उनमें से 310 पाव देशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब व वाहन को जप्त कर आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम द्वारा संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक प्रेमलाल विश्वकर्मा, आरक्षक सुग्रीव तिवारी, महेन्द्र विष्ट, मनोज पांडे एवं रामभरोस की अहम भूमिका रही।

- सीलिंग पीड़ित किसानों के प्रदर्शन में पुलिस की आंख में मिर्च झोंकने का लगा था आरोप
- मुख्यमंत्री को करौंदा नाला के समीप काले झंडे दिखाने की तैयारी को लेकर पुलिस थी सजग

डॉ. पीजी नाजपांडे सहित अन्य दोषमुक्त

जबलपुर। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी शुभांगी पालो की अदालत ने सीलिंग पीड़ित किसानों के प्रदर्शन में शामिल रहे डॉ पीजी नाजपांडे व अन्य को बरी कर दिया। पुलिस की आंख में मिर्च झोंकने के आरोप में नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, जबलपुर के प्रांताध्यक्ष डा. पीजी नाजपांडे, राजेंद्र पटेल, शंभू प्रसाद मिश्रा व विनोद पटेल पर मामला दर्ज किया गया था।

आरोपितों की ओर से अधिवक्ता राजेंद्र गुप्ता ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि डा. नाजपांडे के नेतृत्व में सीलिंग पीड़ित किसानों द्वारा 20 जनवरी, 2013 को मुख्यमंत्री के समक्ष करौंदा नाला में प्रदर्शन किया जा रहा था। काले झंडे दिखाने की तैयारी थी। पुलिस और जिला प्रशासन उक्त प्रदर्शन को नहीं होने देना चाह रहे थे। किसान अपनी मांगों पर अडिग थे और प्लेकार्ड लेकर नारेबाजी कर रहे थे। तभी अधारताल की पुलिस ने आंदोलन को कुचलने की नीति बनाई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियोंव जिला प्रशासन के निर्देश पर आंदोलनकारियों पर बल प्रयोग किया गया। उनके बैनर, पोस्टर, साउंड बाक्स को जप्त कर लिया गया। साथ ही डा. पीजी नाजपांडे, राजेंद्र पटेल, शंभू मिश्रा, विनोद पटेल सहित अन्य पर पुलिस टूट पड़ी। इसके बावजूद आंदोलनकारियों पर पुलिस के साथ झूमाझटकी, पुलिस की आंखों में मिर्ची पाउडर डालने, बलवा करने, शांतिभंग करने का अपराध पंजीबद्ध करके गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

12 वर्ष तक अदालत के चक्कर लगाने के बाद मिली निजात

आंदोलनकारी विगत 12 वर्षों से पुलिस के द्वारा की गई कार्यवाही का न्यायालय में सामना कर रहे थे। आंदोलनकारियों की ओर से अधिवक्ता राजेंद्र गुप्ता, गुरु साहू, भावना चौधरी, रुचिरा गुप्ता ने पैरवी की और कोर्ट को अवगत कराया कि आंदोलनकारी किसान हैं, सीलिंग पीड़ित हैं और वर्षों से अपनी जमीन को सीलिंग से मुक्त कराने के लिए आन्दोलन कर रहे हैं, उनका कोई आपराधिक रिकार्ड नहीं है, वह शांतिपूर्ण एव लोकतांत्रिक तरीके से आन्दोलन कर रहे थे, उन पर जिला एवं पुलिस प्रशासन ने झूठे आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया है। अभियोजन अपने आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में असफल रहा है। आरोपितों से किसी प्रकार की कोई जप्ती नही की गई है, अतः उन्हें दोषमुक्त किया जाए। अदालत ने तर्क स्वीकार कर राहतकारी आदेश पारित कर दिया।

जुए के फड़ पर दबिश, पांच जुआरी गिरफ्तार

जबलपुर। जिले में अवैध जुआ-सट्टा पर नकेल कसने पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के सख्त निर्देशों का असर दिखने लगा है। शुक्रवार की देर रात गोसलपुर पुलिस ने जुए के एक फड़ पर दबिश देकर पांच जुआरियों को रंगे हाथ पकड़ लिया। मौके से नगद 53 हजार 200 रुपये जब्त किए गए हैं। टीआई गोसलपुर राजेन्द्र सिंह मर्सकोले ने बताया कि शुक्रवार रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि बुढ़ागर स्थित शिवम चौरसिया के ढाबे के सामने कुछ लोग ताश पर रुपए की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर थाना टीम ने तत्काल दबिश दी। पुलिस को देखकर जुआरी भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन घेराबंदी कर सभी को दबोच लिया गया। यह लगा रहे थे दांव गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हिमांशु परिहार निवासी बरनू तिराहा गोसलपुर, प्रदीप गिरी निवासी हृदय नगर, मनीष मिश्रा निवासी स्टेशन तिराहा गोसलपुर, करतार माना निवासी बरनू तिराहा गोसलपुर और संदीप उर्फ कंजा चौरसिया निवासी बुढ़ागर के रूप में हुई है। इनके पास और फड़ से कुल 53 हजार 200 रुपये नगद बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपियों पर धारा 13 जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की है। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक रंजीत सिंह, प्रधान आरक्षक अजीत मिश्रा, बृजेश मिश्रा, जितेन्द्र राय, राहुल और सैनिक शिवकुमार की सराहनीय भूमिका रही।

बैद्यनाथ नागपुर असली आयुर्वेद

आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!

स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।

बैद्यनाथ असली आयुर्वेद

अर्जुनामृत

- अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी-बूटीयों से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
- बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
- अर्जुनामृत के साथ शुध्द शिलाजीत युक्त प्रभाकर बटी का सेवन विशेष लाभदायक है।

श्री सागर बनोदे, बिलासपुर
प्र. मुझे चार साल से बवासीर की तकलीफ है। शौच के जगह खुजली चलती है व दर्द बहुत होता है। कब्ज़ की तकलिफ है। शौचाद्वारा रक्त गिरता है।
उ. **बैद्यनाथ सिद्धपाईल्स** 2–2 टॅबलेट दिन में दो बार पानी के साथ लेवें। **बैद्यनाथ अभयामृत** 2–2 चम्मच समभाग पानी के साथ दिन में दो बार भोजनबाद लेवें।

श्री संकेत कुमार, रायपुर
प्र. मेरी आयु 60 वर्ष है। मुझे 5 वर्ष से मधुमेह हुवा है। शरीर में कमजोरी लगती है। कृपया आयुर्वेदिक उपाय बतायें।
उ. महोदय, आप अपने खान पान का ध्यान रखें। व शुगर बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का परेहज करें। **बैद्यनाथ मधुमेहारी ग्रेन्युल्स्** 1–1 चम्मच सुबह–शाम पानी के साथ सेवन करें। इसका सेवन लगातार करें यह दवा किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नही करती व रक्तशर्करा सामान्य बनाने में सहायक है।

श्रीमती चंद्रकला मिश्रा, राजनांदगाव
प्र. बरसात के दिनों में सर्दी, खाँसी की तकलीफ बनी रहती है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बतायें।
उ. **बैद्यनाथ लक्ष्मीविलास रस (नारदीय)** 1–1 टॅब पीसकर शहद + अदरक रस के साथ लेवें। **बैद्यनाथ कासविन** 2–2 चम्मच सुबह शाम लेवें। रात को सोने के पूर्व **बैद्यनाथ सितोपलादी चूर्ण** आधा चम्मच शहद के साथ लेवें।

श्री राजेश पुरोहित, दुर्ग
प्र. मेरी उम्र 55 वर्ष है। मै पेशाब की समस्या से परेशान हुँ। मुझे प्रोस्टेट की समस्या का पता चला है। कृपया आयुर्वेदिक दवां बताये।
उ. **बैद्यनाथ प्रोस्ट–एड टॅबलेट** 1–1 टॅबलेट सुबह शाम पानी के साथ लेवें।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 844 844 4935 | www.baidyanath.co

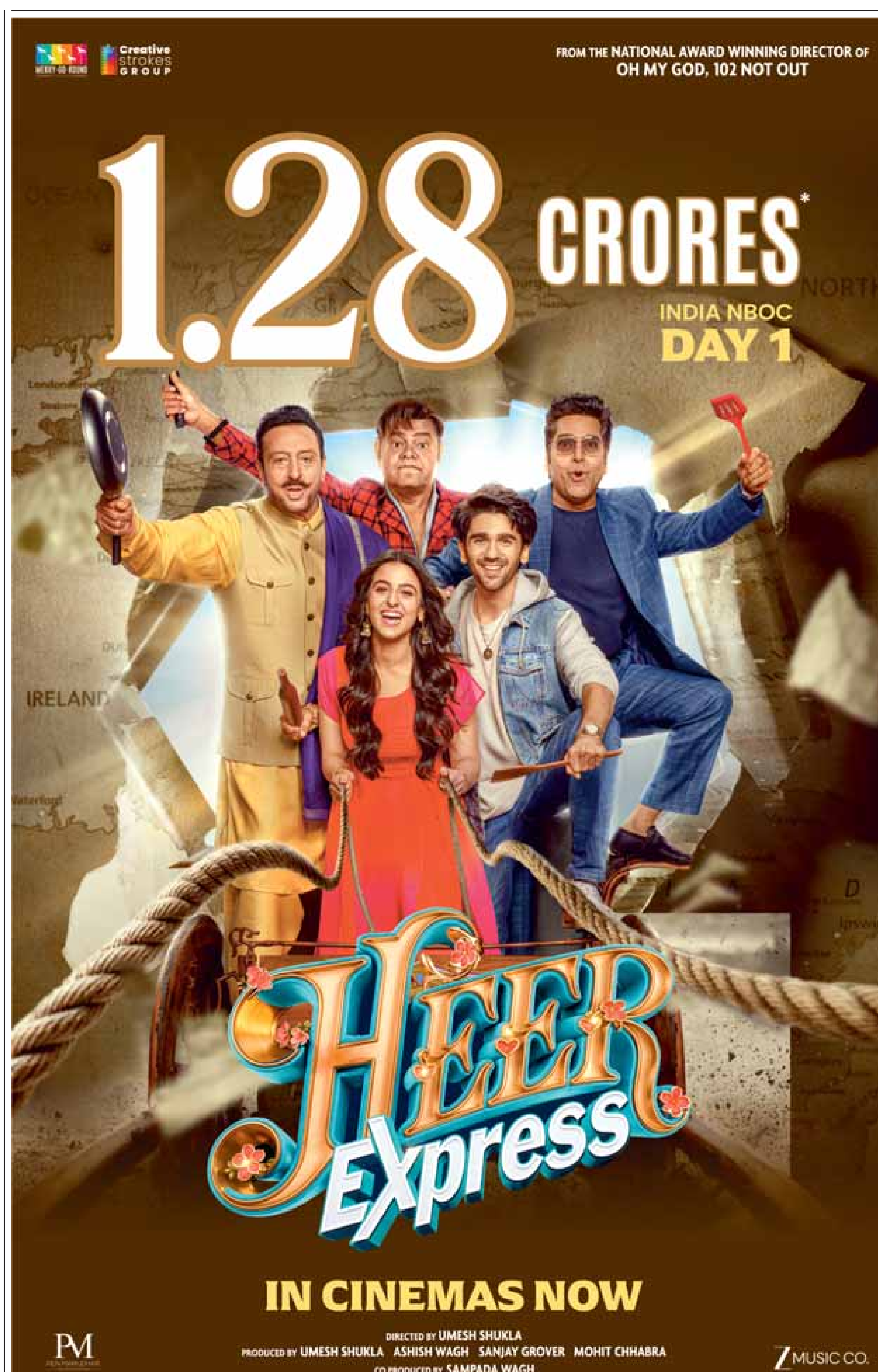

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240